{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 11 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 09 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 196
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	77,550.25
निफ्टी	-	24,050.60
सोना	-	1,52,350
चांदी	-	2,60,000
डॉलर	-	93.08

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

यमुना में पांटून पुल से टकराई नाव, 25 लोग थे सवार, 10 की मौत

मथुरा। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में शुक्रवार दोपहर एक बड ?ा हादसा हो गया। केसी घाट पर श्रद्धालुओं से भरी एक नाव पंटून पुल से टकराकर यमुना नदी में पलट गई। पुलिस और स्थानीय प्रशासन मिलकर बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया। गोताखोर यमुना के गहरे पानी में डूबे हुए लोगों की तलाश में जुटे हैं। इस दुर्घटना में नाव सवार करीब 25 श्रद्धालु यमुना के पानी में डूब गए। पुलिस की टीम ने गोताखोरों की मदद से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इनमें से एक श्रद्धालु को संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस और गोताखोरों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने बिना देर किए बचाव अभियान शुरू कर दिया। दुर्घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई है, जिससे बचाव कार्य में थोड़ी बाधा आ रही है। प्रशासन ने लोगों से शांत रहने और बचाव दल का सहयोग करने की अपील की है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। जांच में यह बात भी सामने आ रही है कि 150 लोगों का दल लुधियाना, पंजाब और मुक्तेश्वर से आया है और ये सभी उनमें ही शामिल थे।

हिमाचल हाईकोर्ट से कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को झटका

शिमला। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल हाईकोर्ट से झटका लगा है। राज्यसभा चुनाव में भाजपा नेता हर्ष महाजन के निर्वाचन को लेकर कांग्रेस नेता सिंघवी ने याचिका दाखिल की थी। इस मामले में सिंघवी ने आवेदन दाखिल कर महाजन की ओर से दी गई गवाहों की सूची और क्रॉस एगजामिनेशन को लेकर आवेदन दाखिल किया था। हिमाचल हाईकोर्ट ने सिंघवी के उक्त आवेदन को खारिज किया। साथ ही अदालत ने महाजन की तरफ से पेश की गई गवाहों की सूची को वैध माना है। हाईकोर्ट ने कहा है कि चुनाव से जुड़े ट्रायल में गवाह आवश्यक हैं। उल्लेखनीय है कि सिंघवी ने अपने आवेदन में हाईकोर्ट के समक्ष आग्रह किया था कि केस में गवाहों की जरूरत नहीं है और न ही किसी प्रकार के विस्तृत साक्ष्यों की जरुरत है। हाईकोर्ट ने सिंघवी के इस आवेदन को खारिज किया। हाईकोर्ट ने कहा कि चुनाव याचिका एक ट्रायल बेस्ड प्रोसीडिंग है। इसमें साक्ष्यों के साथ-साथ गवाहों की भूमिका भी अत्यंत आवश्यक है। अदालत ने कहा कि भाजपा नेता महाजन की तरफ से पेश की गई गवाहों की सूची प्रक्रिया के अनुरूप उचित और वैलिड है। यहां बता दें कि 10 मार्च को हाईकोर्ट ने इस आवेदन के संदर्भ में अपना फैसला सुरक्षित किया था।

कुछ ना कहना

बंगाल चुनाव से पहले बीजेपी का घोषणा पत्र जारी

यूसीसी से लेकर महिलाओं को 3000 रुपये तक के बड़े वादे

अमित शाह ने जारी किया भरोसा पत्र, रोजगार, सुरक्षा और विकास को बनाया मुख्य एजेंडा

कोलकाता। एजेंसी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपना बहुप्रतीक्षित चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान इस घोषणापत्र को जारी किया, जिसे पार्टी ने 'भरोसा पत्र' नाम दिया है। इस संकल्प पत्र में महिलाओं, युवाओं और कर्मचारियों समेत विभिन्न वर्गों को ध्यान में रखते हुए कई बड़े वादे किए गए हैं।

घोषणापत्र जारी करते हुए अमित शाह ने कहा कि यह दस्तावेज़ बंगाल में सोनार बांग्ला के निर्माण का आधार बनेगा। उन्होंने राज्य की सत्तारूढ़ ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में जनता की अपेक्षाएं पूरी नहीं हो सकीं, जिससे अब राज्य में बदलाव की मांग तेज हो गई है। बीजेपी के घोषणापत्र में सबसे प्रमुख वादों में महिलाओं को हर महीने 3000रुपये की आर्थिक सहायता देना शामिल है, जो हर महीने की 1 से 5 तारीख के बीच सीधे उनके खातों में ट्रांसफर की जाएगी। इसके अलावा बेरोजगार युवाओं को भी 3000 रुपये मासिक भत्ता देने का वादा किया गया है। पार्टी ने दावा किया है कि सत्ता में आने पर एक करोड़ रोजगार और

सरकारी कर्मचारियों के लिए भी बड़े ऐलान

सरकारी कर्मचारियों के लिए भी बड़े ऐलान किए गए हैं। अमित शाह ने कहा कि बकाया महंगाई भत्ता (डीए) का भुगतान किया जाएगा और सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर सातवें वेतन आयोग को लागू किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य में सभी केंद्रीय योजनाओं, जैसे आयुष्मान भारत, को पूरी तरह लागू करने की बात कही गई है। घोषणापत्र में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर भी विशेष जोर दिया गया है। अमित शाह ने कहा कि घुसपैठ के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी और सीमाओं को पूरी तरह सुरक्षित किया जाएगा। साथ ही, गौ तस्करी रोकने और नदी-नालों में पेट्रोलिंग बढ़ाने की भी बात कही गई है।

यूसीसी लागू करने का वादा

बीजेपी ने छह महीने के भीतर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का वादा भी किया है। इसके अलावा, महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'दुर्गा सुरक्षा स्क्वॉड' का गठन, मुफ्त बस यात्रा और सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की गई है। औद्योगिक विकास को लेकर पार्टी ने पहले 100 दिनों में रोडमैप तैयार करने, उत्तर बंगाल के विकास और दार्जिलिंग चाय को वैश्विक पहचान दिलाने का लक्ष्य रखा है। साथ ही भ्रष्टाचार और माफिया राज खत्म करने के लिए समयबद्ध योजना लागू करने का वादा किया गया है।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने विश्वास जताया, कि इस विधानसभा चुनाव में बंगाल की जनता बीजेपी को पूर्ण बहुमत देगी और राज्य में एक नई सरकार का गठन होगा। फिर वही आगामी सरकार विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित करेगी।

बंगाल और तमिलनाडु में हार के डर से पीएम मोदी को याद आया महिला आरक्षण विधेयक

कांग्रेस नेता का तंज-30 महीनों बाद पीएम मोदी ने अपना मन बदला

नई दिल्ली। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर देश सियासत चरम पर है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया लेख पर कड़ी प्रतिक्रिया देकर चुनावी हथकंडा बताया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में महिलाओं का समर्थन पाने प्रधानमंत्री मोदी ने मुद्दे पर यू-टर्न लिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को देश की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट किया, "प्रधानमंत्री मोदी ने खुद को लोकसभा और विधानसभाओं में महिला आरक्षण के एकमात्र चैंपियन के रूप में दिखाने मीडिया में लेख लिखना शुरू किया है। दरअसल, उन्हें भारत की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को तब संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया था, तब कांग्रेस ने बिल को 2024 से ही लागू करने की मांग की थी, लेकिन यह प्रधानमंत्री मोदी को स्वीकार्य नहीं था।

उनका कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिला आरक्षण को परिसीमन और जनगणना की कवायद पर निर्भर बनाया था, इस काम को कराने में विफल रहे और फिर कई वर्षों तक टालते रहे। कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया, "अब जब निर्वाचन आयोग के केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय के रूप में कार्य करने के बावजूद विधानसभा चुनावों में (भाजपा की) हार तय दिख रही है, तब 30 महीनों बाद पीएम मोदी ने अपना मन बदल दिया है। वे चाहते हैं कि हम जनगणना को भूल जाएं और जनगणना आधारित परिसीमन को आधार पर भूल जाएं कि इसमें बहुत लंबा समय लगेगा।"

उन्होंने कहा कि यह तथ्य के बावजूद है कि उनके जनगणना पंजीयक ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के परिणाम 2027 तक सामने आ जाएंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, "यह एक कहानी है जो झूठ और गोलमोल बातों पर आधारित है। यह सब उम्मीद से किया गया है कि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की महिलाएं भाजपा का समर्थन करेंगी। आखरिकार, भाजपा के पास इन राज्यों में किसी अन्य मुद्दे पर कोई सार्थक विमर्श नहीं है।"

दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह पूरे भारत में करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। पीएम मोदी ने सभी सांसदों से इस कदम का समर्थन करने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया था।

तमिलनाडु में बड़ा उल्टफेर

एनडीए गठबंधन के समर्थन में उतरे नौ मुस्लिम संगठन

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में हाल ही में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है, जिसमें नौ मुस्लिम संगठनों ने एआईएडीएमके (एआईएडीएमके) के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। यह फैसला चेन्नई में हुई बैठक के बाद सामने आया, जिसमें दक्षिण भारत दरगाह मस्जिद एसोसिएशन, तमिलनाडु उर्दू मुस्लिम विकास संगठन सहित कई सूफी-सुन्नी मुस्लिम समूहों के प्रतिनिधि शामिल थे। इन संगठनों ने एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी से मुलाकात की और राजनीतिक समर्थन की घोषणा की। बैठक के दौरान एआईएडीएमके नेतृत्व ने मुस्लिम प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि यदि उनकी सरकार सत्ता में आती है, तब राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर सूफी-सुन्नी मुसलमानों के हितों की रक्षा होगी और उनके कल्याण के लिए कार्य किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद मुस्लिम संगठनों ने एनडीए गठबंधन को समर्थन देने का निर्णय लिया। दक्षिण भारत दरगाह मस्जिद एसोसिएशन ने एक महत्वपूर्ण मुद्दा भी उठाया। संगठन ने हाल ही में राज्य सरकार द्वारा मुख्य काजी की नियुक्ति को लेकर आपत्ति जाहिर की है। उनका कहना है कि परंपरागत रूप से तमिलनाडु में मुख्य काजी की नियुक्ति सूफी-सुन्नी समुदाय की सहमति और परामर्श से होती रही है, लेकिन इस बार बिना समुदाय की राय लिए एक गैर-ताबी कन्नी मुस्लिम को यह पद दे दिया गया, जिससे समुदाय के एक हिस्से में असंतोष पैदा हुआ है। संगठन ने दावा किया कि तमिलनाडु में करीब 2,500 से अधिक मस्जिदें और दरगाहें हैं, जो वक्फ बोर्ड को अपने राजस्व का एक निश्चित हिस्सा दान करती हैं। इसके बावजूद वक्फ संपत्तियों से जुड़े कई मुद्दे पिछले कई वर्षों से अनसुलझे पड़े हैं। कई कानूनी विवाद और याचिकाएं भी लंबित हैं, जिसके कारण मस्जिदों और दरगाहों के प्रबंधन को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि इन समस्याओं के समाधान के लिए कई बार प्रयास किए गए, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। इसी कारण समुदाय के प्रतिनिधियों ने एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन से हस्तक्षेप और सहयोग की अपेक्षा जताई है। कुल मिलाकर, यह घटनाक्रम तमिलनाडु की राजनीति में मुस्लिम समुदाय के एक हिस्से के रुख में बदलाव और आगामी राजनीतिक समीकरणों पर संभावित प्रभाव का संकेत देता है।

हुमायूं विवाद पर शाह की दो टूक

बाबरी बनाने वालों के साथ गठबंधन से अच्छा 20 साल विपक्ष में बैंठे

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के चाणक्य अमित शाह ने कोलकाता में भाजपा का चुनावी घोषणापत्र जारी करने के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को छोड़ चुके हुमायूं कबीर से जुड़े स्टिंग विवाद पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दो टूक कहा कि भाजपा सत्ता के लिए किसी भी कीमत पर बाबरी मस्जिद बनाने वालों से गठबंधन नहीं करने वाली है। उन्होंने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी पर तंज कस कर इशारा किया कि कबीर के वायरल ऑडियो क्लिप के पीछे सत्ताधारी पार्टी का ही हाथ है। इस क्लिप में कबीर कथित तौर पर राज्य के भाजपा नेताओं को टीएमसी को सत्ता से हटाने में पूरा समर्थन देने का भरोसा दिला रहे हैं। इस दौरान जब शाह से बंगाल चुनाव में कबीर और भाजपा के बीच डील के बारे में सवाल किया गया, तब उन्होंने कहा, आप ममता की क्षमताओं से अंजान हैं, ममता इसतरह में 2,000 वीडियो बना सकती हैं। उन्होंने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी के साथ किसी भी तरह से गठबंधन की संभावना को खारिज कर कहा, कबीर और बीजेपी साउथ पोल और नॉर्थ पोल हैं। हमारा कभी मेल नहीं हो सकता है। हम बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने वाले के साथ गठबंधन करने के बजाय अगले 20 साल तक विपक्ष में बैठना पसंद कर सकते है।

बता दें कि गुरुवार को बंगाल के मंत्री फिरहाद हकीम और अरूप बिस्वास ने प्रेसवार्ता में हुमायूं कबीर का एक कथित ऑडियो क्लिप जारी किया था। इसमें दावा किया कि कबीर और उनकी नई बनी आम आदमी उन्नयन पार्टी चुनावों में भाजपा को समर्थन देने का भरोसा दे रही थी।

ऑडियो क्लिप में कबीर को कथित तौर पर किसी अज्ञात व्यक्ति को भरोसा दिलाते हुए सुना गया कि अगर भाजपा इस बार ज़्यादातर हिंदू वोट अपनी तरफ खींचने में कामयाब होती है, तब वह मुस्लिम वोटों को बांटने में अहम भूमिका निभाएंगे। वह ऐसा इसलिए करेगा, ताकि राज्य में तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया जा सके।

ऑडियो क्लिप में कबीर को दावा करते सुना गया कि वह बंगाल विधानसभा चुनाव में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ नियमित संपर्क में हैं और उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि वह और उनकी पार्टी नए भाजपा मुख्यमंत्री को पूरा-पूरा समर्थन देगी। वहीं, एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम ने हुमायूं कबीर की पार्टी से गठबंधन तोड़कर पश्चिम बंगाल में अपने दम पर चुनाव लड़ने का फैसला किया।

यूपी में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी

मतदाता सूची से हटाए गए दो करोड़ से अधिक नाम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विशेष प्रगाड़ पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। इस व्यापक अभियान के दौरान प्रदेश में दो करो? से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से डिलीट किए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 को कर दिया गया है। यह प्रक्रिया पूरे देश में एक साथ संचालित की गई। उन्होंने बताया कि प्रदेश में गणना चरण 4 नवंबर 2025 से 26 दिसंबर 2025 तक चला, जबकि दावे और आपत्तियों के लिए 6 जनवरी से 6 मार्च 2026 तक का समय दिया गया था। इसके बाद 27 मार्च तक सभी दावों और आपत्तियों का निस्तारण किया गया। रिनवा ने कहा कि कोई भी मतदाता निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपना नाम देख सकता है। जिनका नाम सूची में नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर पुनः पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, बूथ लेवल एजेंटों और आम जनता का व्यापक सहयोग मिला। साथ ही प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया ने भी जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि 166 दिनों तक चले इस अभियान को सफल बनाने में प्रदेश के सभी 75 जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों, 403 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, 12,758 सहायक अधिकारियों, 18,026 बीएलओ सुपरवाइजरों और 1,77,516 बीएलओ ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके अलावा 5,82,877 बूथ लेवल एजेंटों ने भी सहयोग दिया। रिनवा ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची के अनुसार कुल मतदाता 13,39,84,792 हैं जिसमे पुरुष मतदाता 7,30,71,061 (54.54 फीसदी) और महिला मतदाता: 6,09,09,525 (45.46 फीसदी) हैं।

राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने पर पीएम मोदी ने दी नीतीश कुमार को बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि नीतीश जी देश के सबसे अनुभवी नेताओं में से एक हैं और सुशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की व्यापक सराहना मिलती रही है। पीएम मोदी ने भरोसा जताया कि उनके लंबे राजनीतिक अनुभव से संसद की गरिमा और बढ़ेगी तथा उन्हें दुबारा संसद में देखना सुखद है। नई दिल्ली में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने नीतीश कुमार को शपथ दिलाई। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कांग्रेस नेता जयराम रमेश सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर अपने संदेश में नीतीश के बिहार के विकास में योगदान को अमिट बताकर उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि सांसद और केंद्रीय मंत्री के रूप में नीतीश कुमार ने पहले भी महत्वपूर्ण सेवाएं दी हैं। इसके अलावा, पीएम मोदी ने हरिवंश नारायण सिंह को भी राज्यसभा सदस्य के रूप में मनोनीत किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने हरिवंश को एक सम्मानित बुद्धिजीवी और विचारक बताते हुए कहा कि पत्रकारिता और सार्वजनिक जीवन में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि हरिवंश ने अपने विचारों और अनुभव से सदन की कार्यवाही को समृद्ध किया है और आगे भी उनका योगदान महत्वपूर्ण रहेगा। हरिवंश नारायण सिंह पिछले कई वर्षों से राज्यसभा के उपसभापति के रूप में कार्यरत रहे हैं। उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें पुनः राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है, जिसकी अधिसूचना केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी की गई थी।

सीबीआई ने 'डिजिटल अरेस्ट' मामले में एक आरोपी और उसकी कंपनी के खिलाफ चार्जशीट पेश की

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (केंद्रीय जांच ब्यूरो) ने दिल्ली में सामने आए 'डिजिटल अरेस्ट' साइबर ठगी मामले में एक आरोपी और उसकी कंपनी के खिलाफ चार्जशीट पेश की है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई को जांच के लिए सौंपा गया था। आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और वह वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी और उसकी कंपनी के बैंक खाते का उपयोग ठगी की रकम प्राप्त करने के लिए हुआ था। यह ठगी एक वरिष्ठ नागरिक को निशाना बनाकर की गई, जिसमें अपराधियों ने 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर करीब 23 करोड़ रुपये वसूल लिए। इस तरह की ठगी में अपराधी खुद को पुलिस, सीबीआई या न्यायिक अधिकारियों के रूप में पेश करते हैं और फर्जी नोटिस तथा वीडियो कॉल के जरिए पीड़ित को मानसिक रूप से दबाव में डालते हैं। सीबीआई की जांच में सामने आया कि इसी बैंक खाते का इस्तेमाल देश के अन्य हिस्सों में दर्ज कम से कम दो और साइबर ठगी मामलों में भी हुआ था। ठगी से प्राप्त धनराशि को पहले खाते में जमा किया जाता था, फिर 'म्यूल खातों' के नेटवर्क के माध्यम से अलग-अलग स्थानों पर निकाला था, जिससे अपराधियों तक पहुंचना मुश्किल हो सके। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी कोई भी कानूनी प्रक्रिया भारत में मौजूद नहीं है। यह केवल ठगों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक तरीका है, जिससे लोगों को डराकर पैसे वसूले जाते हैं। सीबीआई ने ऐसे सभी व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही है, जो बैंकिंग प्रणाली का दुरुपयोग कर साइबर अपराधियों की मदद करते हैं। साथ ही, आम नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। लोगों से कहा गया है कि वे किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या वीडियो कॉल पर भरोसा न करें, खासकर जब सामने वाला खुद को सरकारी अधिकारी बताकर डराने की कोशिश करे। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत साइबर अपराध पोर्टल या संबंधित अधिकारियों को देनी चाहिए, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

राघव चड्ढा ने वीडियो जारी कर दिया अपने विरोधियों को जबाव

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अपने संसदीय प्रदर्शन पर सवाल उठाने वालों को सोशल मीडिया के माध्यम से जबाव दिया। उन्होंने कहा कि वे आलोचनाओं का जवाब शब्दों से नहीं, बल्कि अपने काम से देना पसंद करते हैं। वीडियो में उन्होंने कई अहम विषयों को प्रमुखता से उठाया है, जिसमें डेटा प्राइवेसी, पितृत्व अवकाश को कानूनी अधिकार बनाने की मांग और बैंकों द्वारा न्यूनतम बैलेंस पर लगाने वाले जुर्माने को समाप्त करने जैसे जनहित के मुद्दे शामिल हैं। इसके अलावा खाद्य मिलावट, 28 दिन के मोबाइल रिचार्ज प्लान, एयरलाइंस के अतिरिक्त बैगेज शुल्क और पेपर लीक जैसे गंभीर मामलों पर भी उन्होंने अपनी बात रखी।

राघव चड्ढा ने वायु प्रदूषण, गिग वर्कर्स के शोषण, हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम में देरी, टोल प्लाजा पर अधिक वसूली और महंगे एयरपोर्ट खाद्य पदार्थों जैसे मुद्दों को भी संसद में उठाया। उन्होंने लोगों को राहत देने के लिए मुफ्त वार्षिक हेल्थ चेकअप का अधिकार देने की वकालत की। साथ ही डिजिटल कॉपीराइट स्ट्राइक, बढ़ते कर्ज-से-जीडीपी अनुपात और भीड़भाड़ वाले एयरपोर्ट्स की समस्या पर भी चिंता जाहिर की है।

वीडियो में सरकारी बैंकों की स्थिति, दिव्यांगों और सशस्त्र बलों पर टैक्स में राहत, वर्चुअल डिजिटल एसेट्स को वैध बनाने और 'राइट टू हायर, राइट टू फायर' जैसे विषय भी शामिल रहे। उन्होंने महंगाई, पंजाब की 'कैंसर ट्रेन', जल संकट और भूजल की कमी जैसे गंभीर मुद्दों पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इसके अतिरिक्त शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई, वेतन इंडेक्सेशन, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), भ्रामक ब्रांडिंग और ग्रामीण बैंकिंग ढांचे को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने भगत सिंह को भारत रत्न देने, 'वन नेशन, वन मेडिकल ट्रीटमेंट', मासिक धर्म स्वच्छता और श्री ननकाना साहिब कॉरिडोर जैसे विषयों को भी उठाया। कुल मिलाकर, यह वीडियो उनके संसदीय कार्यों और जनहित से जुड़े मुद्दों को सामने लाने का एक प्रयास है, जिससे वे यह संदेश देना चाहते हैं कि उनका काम ही उनकी पहचान है।

कोहकाडिबर में दो पक्षों के बीच हुई खूनी झड़प में घायल
दूसरे पक्ष के दो व्यक्ति नगर के निजी अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोहकाडिबर में आपसी रंजिश और विवाद के चलते दो पक्षों के बीच हुई थी। मारपीट की घटना में कई लोग घायल हो गए। जिनमे दूसरे पक्ष के दो घायल शैलेंद्र पिता प्रीतम लाल मसकरे 40 वर्ष चिमनलाल पिता दलपत बिरनवार 65 वर्ष को बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। राजेंद्र मसकरे और बेनु बाई बिरनवार को मामूली चोटें आई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 7 अप्रैल की रात करीब 11 बजे चिमनलाल बिरनवार अपने परिवार के साथ गांव में राजेंद्र नगपुरे के घर आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गए थे। इस दौरान नाच-गाने को लेकर उनके बेटे राजू बिरनवार और गांव के ही जमुना प्रसाद के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ता देख चिमनलाल अपने बेटे को लेकर घर लौट आए।आरोप है कि कुछ समय बाद आतिश लिल्हारे अपने साथियों जमुना प्रसाद और शिव नगपुरे के साथ चिमनलाल के घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए विवाद शुरू कर दिया। इसी दौरान धक्का-मुक्की और फिर लाठी-डंडों से मारपीट शुरू हो गई। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे शैलेंद्र मसकरे और राजेंद्र मसकरे को भी आरोपियों ने पीटकर घायल कर दिया। इस घटना में शैलेंद्र मसकरे (40 वर्ष) और चिमनलाल बिरनवार (65 वर्ष) के हाथ फ्रैक्चर हो गए तथा उन्हें गंभीर चोटें आईं। जिनका इलाज बालाघाट के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। वहीं राजेंद्र मसकरे (34 वर्ष) और वेनु बाई (40 वर्ष) को मामूली चोटें आई हैं। जिनका उपचार जिला अस्पताल में किया गया। पीड़ित पक्ष की चिमनलाल बिरनवार की शिकायत पर हट्टा पुलिस ने आतिश लिल्हारे, जमुना प्रसाद और शिव नगपुरे के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया है। वहीं दूसरे पक्ष का भी आरोप है कि पहले जमुना प्रसाद के साथ मारपीट की गई थी। इसके बाद जब आतिश लिल्हारे, शिवचरण नगपुरे और अन्य लोग उसे छोड़ने जा रहे थे।तब राजेंद्र मसकरे, शैलेंद्र मसकरे, योगेश बिसेन और राजू बिरनवार सहित अन्य लोगों ने उन पर प्राण घातक हमला कर दिया। इस हमले में आतिश लिल्हारे और जमुना प्रसाद भी गंभीर रूप से घायल हुए। जिनका इलाज गोंदिया के निजी अस्पताल में चल रहा है।गौरतलब है कि ग्राम कोहकाडिबर में दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश और राजनीतिक मतभेद के कारण अक्सर विवाद होते रहते हैं। जिनमें से कुछ मामले न्यायालय में भी विचाराधीन हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

ज्योतिबा फुले की जयंती आज, फुले चौक में होगा मुख्य समारोह
प्रात 9:30 बजे माता सावित्री फुले भवन से निकलेगी मोटर सायकल रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सामाजिक क्रांति के अग्रदूत व मानवतावादी विचारों के दिशा निर्देशन महात्मा ज्योति फुले की 199 वीं जयंती समारोहपूर्वक 11 अप्रैल शनिवार को मनायी जावेगी।जिस दौरान माता सावित्री फुले कन्या छात्रावास से प्रात 9.30 बजे मोटर सायकल रैली निकलेगी, जो शहर के मुख्य मार्गो से होते हुये फुले चौक सरेखा पहुंचेगी। जहां मंचीय कार्यक्रम का आयोजन होगा। उक्ताशय की जानकारी जिला मरारमाली समाज के जिलाध्यक्ष रमेश पंचे एवं नगर अध्यक्ष छबिराम नागेश्वर ने पत्रकारो से चर्चा करते हुये दी। पदाधिकारियों ने बताया कि 11 अप्रैल को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महात्मा फुले जयंती समारोह आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात 9.30 बजे मोटर सायकल रैली से होगा। जो माता सावित्री फुले कन्या छात्रावास से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न चौराहो से होते हुये महात्मा फुले चौक सरेखा पहुंचेगी।जहां 10 बजे से माल्यार्पण कार्यक्रम होगा। तत्पश्चात प्रबोधन कार्यक्रम सम्पन्न होगा। इस बार कार्यक्रम में फुले दम्पत्ति के सामाजिक आंदोलन का परिणाम एवं प्रभाव विषय पर प्रबोधन रखा गया है। आयोजित मंचीय कार्यक्रम में संचालन मंडल क्रमांक 3 के अध्यक्ष रतन कावरे करेगें। वही प्रस्तावना सुशीला पंचे सभापति व्यापारी प्रकोष्ठ द्वारा प्रस्तुत की जावेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मरारमाली समाज के नगर अध्यक्ष छबिराम नागेश्वर करेगें। जबकि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त नगर निरीक्षक दिलीप पंचेश्वर होगें। प्रमुख अतिथि के रूप में कर्मचारी प्रकोष्ठ के सभापति लोकराम पांचे, जिला प्रतिनिधि करूणा कावरे एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य दीपक मात्रे होगें। वही विशेष अतिथि के रूप में मदरटेरेसा सेवा समिति के अध्यक्ष राजेश मरार एवं युंवा प्रकोष्ठ के सभापति

गजेन्द्र देशमुख होगें। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में जिला सहसचिव सुनील पांचे, महिला प्रकोष्ठ की सदस्य सुमित्रा मानेश्वर, युवा प्रकोष्ठ के सदस्य भूमित गाडेश्वर, महिला प्रकोष्ठ की सदस्य पार्वती नागफांसे, स्वाती बाहेश्वर एवं संगीता कावरे को आमंत्रित किया गया है। जिला मरारमाली समाज के जिलाध्यक्ष रमेश पंचे, नगर अध्यक्ष छबिराम नागेश्वर सहित समस्त पदाधिकारियों ने इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है।

अपर कलेक्टर डीपी बर्मन ज्ञान भारतम मिशन के जिला नोडल अधिकारी नियुक्त
प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण व डिजिटलीकरण को मिलेगी गति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत बालाघाट जिले में प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण एवं प्रचार-प्रसार कार्य को गति देने के लिए अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह पहल प्रदेश में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण और उन्हें डिजिटल स्वरूप में सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, गृह, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास तथा धर्मस्व विभाग, भोपाल द्वारा संबंधित विभागों एवं नोडल अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। जिसमें कहा गया है कि प्रदेश में उपलब्ध प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियां भारतीय संस्कृति, इतिहास और ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं। इनके संरक्षण, सूचीकरण और डिजिटलीकरण से न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रहेगी, बल्कि भावी पीढ़ियों को भी इसका लाभ मिलेगा। ज्ञान भारतम मिशन के तहत पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण कार्य के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया गया है। इसके लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी श्री डीपी बर्मन को स्थानीय स्तर पर समन्वय स्थापित कर अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने, जनजागरूकता बढ़ाने तथा पुस्तकालयों, मंदिरों, शैक्षणिक संस्थानों और निजी संग्रहकर्ताओं से संपर्क स्थापित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान केवल सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की प्राचीन ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

रामपायली के हजरत बाबा चांद साह वली दरगाह में सालाना उर्स संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। कौमी एकता के तहत सालाना उर्स का आयोजन रामपायली के हजरत बाबा चांद साह वली दरगाह में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। सालाना उर्स का यह ६९ वां वर्ष था जो पूरे शानो शौकत के साथ संध्याकाल दरगाह से सदंल नगर का गस्त करता हुआ नगर के समस्त धार्मिक स्थान में नमन करता हुआ मस्जिदों में चादर पोसी की गई। तो मंदिरों में श्रीफ ल भेंट कर पूजा अर्चना की गई और यह उर्स सदंल वापस बैडं बाजो की धूम के साथ दरगाह शरीफ पहुंचा। जहां विशाल लंगर के आयोजन में हजारों लोगों ने महाप्रसादी ग्रहण किया। तथा देर रात मनोरंजन के लिए आयोजित कव्वाली के शानदार कार्यक्रम का आनंद लिया। उत्तर प्रदेश के कव्वाल जुबेर सुल्तानी ने रात्रि में एक से एक कव्वाली अर्ज कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। चांद साह वली दरगाह के खिदमतगार विकास रोशन ने कव्वाली एवं उनके लोगों का इस्तकबाल किया।

बालाघाट जिले में आम फल बहार की नीलामी 13 से 24 अप्रैल तक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सहायक संचालक उद्यान, बालाघाट के अधीन जिले की शासकीय पौधशालाओं में वर्ष 2026-27 के लिए आम फल बहार की नीलामी कर विक्रय किया जाएगा। इसके तहत जिले के 9 शासकीय उद्यानों में निर्धारित तिथियों पर नीलामी आयोजित की जाएगी। सहायक संचालक उद्यान क्षितिज कराडे ने बताया कि नीलामी प्रक्रिया प्रत्येक निर्धारित तिथि को दोपहर 1:00 बजे से संबंधित उद्यान (रोपणी) स्थल पर प्रारंभ होगी। इच्छुक फल क्रेता नीलामी में भाग लेने से पूर्व कार्यदिवसों में संबंधित रोपणी पर जाकर फलन का अवलोकन भी कर सकते हैं। नीलामी 15 अप्रैल 2026 को शासकीय उद्यान सावंगी (विकासखंड वारासिवनी), (वारासिवनी), 16 अप्रैल शासकीय उद्यान हट्टा (किरनापुर), 17 अप्रैल को शासकीय उद्यान कुरेन्डा (परसवाड़ा), 18 अप्रैल को शासकीय उद्यान अमेडा (लांजी क्षेत्र), 19 अप्रैल 2026 को शासकीय उद्यान सेलवा (कटंगी), 21 अप्रैल 2026 को शासकीय उद्यान मोहगांव (लालबर्रा), 22 अप्रैल 2026 शासकीय उद्यान रेहंगी (बिरसा), 23 अप्रैल को शासकीय उद्यान रामहेपुर (बैहर) एवं 24 अप्रैल 2026 को स्टेशन गार्डन, बालाघाट में की जाएगी। सहायक संचालक उद्यान कार्यालय द्वारा बताया गया है कि नीलामी की सभी शर्तें कार्यालय में कार्यदिवसों के दौरान देखी जा सकती हैं। अन्य आवश्यक शर्तें नीलामी के समय स्थल पर बताई जाएंगी। इच्छुक क्रेताओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथियों एवं समय पर उपस्थित होकर नीलामी प्रक्रिया में भाग लें।

गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन 13 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी जिला प्रवक्ता बिहारीलाल उइके ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन 13 अप्रैल दिन सोमवार रानी दुर्गावती भवन बालाघाट में रखा गया है। उक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष इं.जी. कमलेश टेकाम उपस्थित रहेंगे।बताया गया कि कार्यकर्ता सम्मेलन में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के सदस्यता बनाये कार्यकर्ताओ से चर्चा होगी एवं प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जिला के पदाधिकारियों को भविष्य में पार्टी का विस्तार के संबंध में कार्यकर्ता को दिशा निर्देश देंगे व जनता के विभिन्न मुद्दो को लेकर किस प्रकार संघर्षत्मक आन्दोलन चलाकर उन्हे हक अधिकार दिला सके इसकी रूपरेखा बनाई जाएगी।बताया गया कि राज्य की सरकार किसान, मजदूर, बेरोजगार महिलाएँ छात्रो एवं जल, जंगल, जमीन के अधिकार को दिलवाने असफल रही है। गोंडवाना गणतंत्र राज्य सरकार की विफलता को लेकर जनमानस को जागरूक करेगी।उन्होंने गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी के पदाधिकारियो एवं कार्यकर्ता से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित होंवे।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना 2026-27 बालाघाट में युवाओं को उद्योग-व्यवसाय के लिए 50 लाख तक ऋण का अवसर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में स्वयं का उद्योग, सेवा या व्यवसाय स्थापित करने के इच्छुक युवाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, बालाघाट ने पात्र आवेदकों से ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है। योजना के अंतर्गत उद्योग स्थापित करने के लिए 50 हजार रुपये से 50 लाख रुपये तक तथा सेवा एवं व्यवसाय गतिविधियों के लिए 50 हजार रुपये से 25 लाख रुपये तक ऋण प्राप्त किया जा सकेगा। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक श्रीमती प्रीति मर्सकोले ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना की विशेषता यह है कि स्वीकृत एवं वितरित ऋण राशि पर हितग्राहियों को 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान तथा सीजीटीएमएसई (ष्टत्नञ्जरूस्श्व) फीस का लाभ मिलेगा। यह राशि बैंक द्वारा सीधे क्लेम किए जाने पर हितग्राही के खाते में प्रदान की जाएगी। योजना के लिए पात्रता निर्धारित की गई है। आवेदन करने वाले आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होना चाहिए। आवेदक न्यूनतम 8वीं उत्तीर्ण हो, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपये से अधिक न हो, किसी बैंक या वित्तीय संस्था का डिफॉल्टर न हो तथा वर्तमान में राज्य या केंद्र सरकार की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का लाभार्थी न हो। पात्र आवेदक समस्त पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने युवाओं से योजना का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने की अपील की है।

अपने जापानी समकक्ष मोटेगी से विदेश मंत्री जयशंकर ने की फोन पर बात

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने अपने जापानी समकक्ष तोशिमित्सु मोटेगी से शुक्रवार को फोन पर बात की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज स्ट्रेट के खोलने को लेकर ताजा स्थिति पर चर्चा की। जापानी विदेश मंत्री ने अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान मारे गए भारतीयों के प्रति शोक जाहिर किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर लिखा, जापानी विदेश मंत्री मोटेगी से बात करके अच्छा लगा। पश्चिम एशिया में होर्मुज स्ट्रेट के जरिए अंतरराष्ट्रीय शिपिंग सहित विकास पर चर्चा हुई। वहीं जापानी विदेश मंत्री मोटेगी ने लिखा, मैंने भारत के विदेश मंत्री जयशंकर से फोन पर चर्चा की। हम दोंनो ने मिडिल ईस्ट के मौजूदा हालात, होर्मुज स्ट्रेट में नेविगेशन की सुरक्षा सुनिश्चित करने सहित हालात को स्थिर करने और ऊर्जा और संसाधनों की सप्लाई क्षमता की मजबूती बढ़ाने जैसे दूसरे मुद्दों पर बात की। इससे ठीक एक दिन पहले भारतीय विदेश मंत्री ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ नवीन रामगुलाम से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दी।

जवानों का जज्बा -19 डिग्री पर बॉर्डर की सुरक्षा कर रही एसएसबी, बर्फ पिघलाकर पी रहे हैं पानी

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के सीमांत गांव गुंजी में अप्रैल महीने में भी कड़ाके की सर्दी और भारी बर्फबारी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। जहां देश के मैदानी इलाकों जैसे दिल्ली और लखनऊ में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, वहीं गुंजी में तापमान माइनस 15 से माइनस 19 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। इस असामान्य मौसम ने स्थानीय निवासियों और सीमा पर तैनात जवानों दोनों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गुंजी, जो कि धारचूला क्षेत्र में स्थित एक उच्च हिमालयी गांव है, वहां भारी बर्फबारी के कारण पानी के प्राकृतिक स्रोत पूरी तरह जम गए हैं। पेयजल पाइपलाइन में भी पानी जम चुका है, जिससे जल आपूर्ति ठप हो गई है। ऐसी स्थिति में ग्रामीणों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए बर्फ पिघलाकर पानी प्राप्त करना पड़ रहा है। यही नहीं, निर्माण कार्य जैसे सामान्य काम भी बर्फ पिघलाकर ही किए जा रहे हैं।

सीमा की सुरक्षा में तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवान भी इन कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। अधिक ठंड और बर्फबारी के बावजूद जवान लगातार भारत-नेपाल सीमा पर गश्त कर रहे हैं। वे न केवल बर्फ पिघलाकर पानी पीने को मजबूर हैं, बल्कि जमा देने वाली ठंड में भी पूरी मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। एसएसबी की 11वीं वाहिनी के जवान अल्फा कंपनी के नेतृत्व में नियमित पेट्रोलिंग कर रहे हैं, जो उनके साहस और समर्पण को दर्शाता है।

स्थानीय निवासी के अनुसार, क्षेत्र में चल रही विभिन्न पेयजल योजनाएं जैसे कालापानी से गुंजी तक की 10 किलोमीटर लंबी योजना और अन्य लिफ्ट योजनाएं बंद पड़ी हैं। ऐसे में लोगों को काली नदी से पानी लाना पड़ रहा है या फिर बर्फ पिघलाकर काम चलाना पड़ रहा है। लगातार बारिश और बर्फबारी के कारण पूरे पिथौरागढ़ जिले में अप्रैल महीने में भी जनवरी जैसी ठंड महसूस की जा रही है। लोग ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़ों और आग का सहारा ले रहे हैं। यह स्थिति न केवल मौसम के असामान्य बदलाव को दर्शाती है, बल्कि सीमांत क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और जवानों के संघर्ष को भी उजागर करती है।

अप्रैल में जनवरी जैसी सर्दी का अहसास पिथौरागढ़ में लगातार हो रही बारिश के कारण अप्रैल में भी जनवरी महीने की तरह शीतलहर चल रही है। लोग ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े और आग का सहारा ले रहे हैं। फिर ठंड आने से पूरे जिले में शीतलहर चल रही है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो गया है।

पिथौरागढ़ जिले की समुद्र तल से ऊंचाई 5,338 फीट (1,645 मीटर) है। जिले में स्थित गुंजी की समुद्र तल से ऊंचाई पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय से ठीक दोगुनी यानी 10,000 फीट (3,200 मीटर) है।

11 अप्रैल को जिले के तुरकर भवन में होगा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन 11 अप्रैल 2026 को दोपहर 2 बजे तुरकर भवन, बालाघाट में किया जाएगा। इस अवसर पर अनेक वर-वधु परिणय सूत्र में बंधकर अपने नए जीवन की शुरुआत करेंगे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्रीमती भारती पारधी उपस्थित रहेंगी। वहीं प्रमुख अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन, भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम दीदी, विधायक बालाघाट श्रीमती अनुभा मुंजारे, विधायक लांजी राजकुमार कर्राहे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे एवं विधायक कटंगी गौरव पारधी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका परिषद बालाघाट की अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर करेंगी। इसके अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में सत्यनारायण अग्रवाल, रमेश रंगलानी, श्रीमती रेखा विसेन एवं अनिल धुवारे सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। नगरपालिका परिषद बालाघाट के उपाध्यक्ष योगेश बिसेन द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। समारोह में नगरपालिका के सभापति एवं पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिक भी शामिल होंगे। आयोजकों द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करें और इस पावन अवसर के साक्षी बनें।

आवश्यकता है

बालाघाट ऑफिस हेतु कम्प्यूटर में मेल, चैटजीपीटी आदि की जानकारी वाले ही जिनकी उम्र 28 से 35 वर्ष तक हो ।

मो. 9479309233

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

नव-विवाहिता की मौत पर जमकर बरपा हंगामा

1 साल की बेटी के सर से उठा माँ का साया, जान के बदले जान की मांग पर अडे रहे मायके के लोग, कार में मचाई तोड़फोड़, पति ललित की भी जमकर की पिटाई, मौत पर करीब 6 घण्टे चला बवाल, दहेज मांगने व पैसों की मांग को लेकर हत्या का आरोप

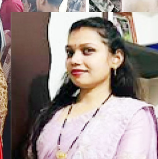

जीवित अवस्था की फोटो

सिटी रिपोर्टर। पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

ग्रामीण थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नवेगांव में एक नवविवाहिता की मौत होने पर उसके मायके पक्ष के लोगो ने जमकर हंगामा मचाया।हालांकि की नव विवाहता की मौत किस कारण से हुई फिलहाल यह स्पष्ट नही हो सका लेकिन ससुराल पक्ष द्वारा नव विवाहता की मौत घर के बैडरूम में फांसी लगाने से हुई है ऐसा बताया गया है।जबकि मायके पक्ष के लोग दहेज व पैसो की मांग को लेकर नवविवाहिता को प्रताड़ित करने और उसकी हत्या किए जाने के आरोप लगा रहे है।मृतक का नाम ग्राम नवेगांव निवासी 26 वर्षीय प्रशांति उर्फ मोनिका पति लतीत राणा बताया गया है।जिसका शव शुक्रवार की सुबह घर के बेडरूम में फांसी पर लटका दिखाई देने की बात ससुराल पक्ष द्वारा कही जा रही है। बताया गया कि परिजनों ने जब उसे जिला अस्पताल लाया तो चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर मामले की जानकारी मिलते ही लड़की के मायके पक्ष के लोगों ने जिला अस्पताल पहुंचकर जमकर बवाल मचाया, जहां उन्होंने नवविवाहित प्रशांति के पति ललित राणा पर उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए, जमकर हंगामा मचाया तो वही मचे इस भारी हंगामे के बीच मायके पक्ष के लोगों ने पति ललित राणा के द्वारा लायी गयी कार में तोड़फोड़ मचाई, तो वही ललित राणा की जमकर पिटाई कर दी। जिसे गंभीर अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।उधर मायके पक्ष के लोगों द्वारा मचाये जा रहे हंगामें मारपीट और तोड़फोड़ को देख, ससुराल पक्ष के लोग भाग खड़े हुए, जो पूरी कार्यवाही के दौरान नदारत रहे वही लगातार बढ़ते जा रहे हंगामे को लेकर मौके पर नवेगांव और कोतवाली पुलिस में पहुंचकर मोर्चा संभाला जिन्होंने मामले को लेकर आगामी कार्यवाही शुरू कर दी है।

मायके पक्ष ने लगाया दहेज प्रताड़ना व मारपीट कर हत्या करने का आरोप

मायके पक्ष का आरोप है कि पति ललित प्रशांति को अक्सर दहेज के लिए प्रताड़ित करता था,साथ ही मायके से पैसा लाने की मांग करता रहता था। वही इसी बात को लेकर अक्सर शराब के नशे में पत्नी से मारपीट किया करता था। जिन्होंने पति पर प्रशांति की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए, मामले में उन्हें इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई हैं। वही मायके पक्ष का यह भी आरोप है कि उन्हें मामले की सूचना काफी देरी से दी गई।

1 वर्ष की बेटी के सर से उठा माँ का साया

प्राप्त जानकारी के अनुसार लालबर्रा थाना के अंतर्गत आने वाले ग्राम बल्लारपुर निवासी प्रशांति उर्फ मोनिका का विवाह करीब 3वर्ष पूर्व ग्राम नवेगांव निवासी ललित राणा के साथ सामाजिक रीतिरिवाज के तहत हुआ था, जिनकी 1 वर्ष बेटी गायत्री है। जिसके सर से अब माँ का साया उठ चुका है।महिला के पति ललित राणा द्वारा पुलिस को बताया गया कि वे शुक्रवार की सुबह नवेगांव चौक स्थित किराना दुकान से जब वापस घर गए तो उनकी पत्नी प्रशांति घर के बेडरूम में फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी जिसे उन्होंने एक परिचित की कार से जिला अस्पताल लेकर आए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।उधर मायके पक्ष के लोगों का आरोप है कि पति ललित राणा और उनके परिजनों द्वारा दहेज और पैसों के लिए प्रशांति को प्रताड़ित कर उसकी हत्या की गई है। वही प्रशांति की मौत के बाद भी मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को नहीं दी गई, बल्कि शव को सीधे कार में डालकर, उसे जिला अस्पताल लाया गया है। इसी बात को लेकर परिजनों ने जिला अस्पताल में जमकर बवाल मचाते हुए पति ललित राणा की जमकर पिटाई की और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया वही कार में भी तोड़फोड़ कर जमकर हंगामा मचाया है।

जान के बदले जान की मांग पर अड़े परिजनों ने करीब 6 घन्टे तक मचाया हंगामा

मायके पक्ष के अनुसार नवविवाहिता की मौत के बाद उसके पति द्वारा शव को कार क्रमांक एमपी 50 सी 6925 स्वीप्ट डिजायर से जिला अस्पताल लाया गया था,वही प्रशांति की मौत अज्ञात कारणों के चलते फाँसी लगाने से होना बताया गया।वही मामले की सूचना ग्रामीण थाना नवेगांव पुलिस व मायके पक्ष को भी नही दी गई थी। अस्पताल से सूचना पुलिस को मिली। वही घटना के काफी देर बाद मायके पक्ष को मामले की सूचना दी गई। परिजनों द्वारा प्रशांति को प्रताड़ित कर उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार सुबह 10 बजे से शाम करीब 4 बजे तक जमकर हंगामा मचाया, जहा परिजनों ने कार में तोड़फोड़ की तो वही पति ललित की भी जमकर पिटाई कर दी।उधर पुलिस ने बीचबचाव करते हुए, ललित को सुरक्षित अस्पताल में भर्ती कराया।उधर परिजनों द्वारा जान के बदले जान की मांग को लेकर जमकर हंगामा मचाया।और वे अपनी इसी मांग को लेकर करीब 6 घण्टे तक हंगामा मचाते रहे।

एसडीएम की समझाईश पर माने परिजन, पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर घटना को लेकर जिला अस्पताल में मचे भारी बवाल व हंगामे की सूचना मिलने पर, मौके पर पहुची नवेगांव और कोतवाली पुलिस द्वारा परिजनों को समझाने की काफी कोशिशें की गई।लेकिन वे नही माने और जान के बदले जान की मांग पर अडे रहे।उधर मामले की सूचना मिलते ही तहसीलदार, एसडीएम, सीएसपी पवार समाज अध्यक्ष विशाल बिसेन सहित अन्य मौके पर पहुचे जिन्होंने परिजनों को समझाइश देकर पोस्टमार्टम कराने की बात कही लेकिन परिजन तत्काल पति व ससुराल पक्ष पर कार्यवाही की मांग को लेकर अडे रहे।आखिरकार एसडीएम गोपाल सोनी ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर वैधानिक कार्यवाही का भरोसा दिलाया तब कही जाकर परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए,लेकिन इस दरमियान भी उनका हंगामा जारी रहा।जहा करीब शाम 4 बजे तक परिजन अपना आक्रोश जताते रहे।उधर पुलिस ने शव को बरामद कर पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की, वही मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।वही मायके पक्ष के लोगो के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पति ललित को दी जाए फांसी की सजा- आर्दश

प्रशांति के भाई आदर्श पटले ने चर्चा के दौरान बताया कि प्रशांति का पति ललित और उसकी सास प्रशांति को दहेज के लिए अक्सर परेशान करते थे, गला दबाते थे, मारपीट किया करते थे ,पैसा और गाड़ी की मांग कई बार कर चुके थे ,हमें पूरा यकीन है कि उन्होंने प्रशांति की हत्या कर दी है और फांसी लगाना बताया जा रहा है।हम इस मामले में इंसाफ चाहते हैं हमारी मांग है कि पति ललित को फांसी की सजा दी जाए।

शादी के बाद से ही दहेज के लिए करते थे प्रताड़ित- श्यामा पटले

प्रशांति की मां श्रीमती श्यामा पटले ने बताया कि उनकी दो बेटी और एक पुत्र है, प्रशांति बड़ी बेटी थी जिसकी शादी नवेगांव निवासी ललित राणा के साथ हुई थी, जब से शादी हुई दामाद और दामाद की मां दोनों प्रशांति को दहेज के लिए प्रताडति करते थे अक्सर सोने ,चांदी, दहेज, 5 लाख रुपए कैश ,कार सहित अन्य वस्तुओं की मांग कर मारपीट किया करते थे, कई बार उसने दूरभाष पर रो-रो कर प्रताड़ित करने की जानकारी दी थी, सास और पति द्वारा दहेज की मांग करने की बात बताई थी, हमें यकीन है कि प्रशांति को उसके पति सास व अन्य लोगों ने मारा है उसकी हत्या की गई है हम इस मामले में इंसाफ चाहते हैं।

मेरी बेटी की हत्या की गई है - रेवनलाल पटले

वही मृतका के पिता रेवनलाल पटले ने बताया कि प्रशांति को उसका पति,सास सहित ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए परेशान करते थे,अक्सर मारपीट किया करते थे, कई बार बेटी ने इसकी शिकायत भी की थी, हम हर बार उसे समझा देते थे, जब भी हमें फोन आता था वह सास और पति द्वारा प्रताडित करने की बात कहती थी, रोती रहती थी। दामाद शराब के नशे में अक्सर दहेज गाड़ी सोना चांदी व 5 लाख के लिए परेशान किया करता था, हमारे घर दामाद आता भी नहीं था, मेरी बेटी फांसी लगाकर नही मर सकती इन्होंने उसकी हत्या की है।

13 से 23 अप्रैल तक होंगा जागपुर घाट मैदान में बालाघाट प्रीमियर लीग का

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों को मंच देने के उद्देश्य से भारत माता सेवा समिति द्वारा बालाघाट प्रीमियर लीग-2026 (बीपीएल) का आयोजन किया जा रहा है। इस रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर शहर में खासा उत्साह

देखने को मिल रहा है। प्रतियोगिता से पहले शुक्रवार को वार्ड-32 स्थित पवार मंगल भवन में खिलाड़ियों की नीलामी (ऑक्शन) प्रक्रिया आयोजित की गई, जिसमें जिलेभर से आई 24 टीमों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। आईपीएल की तर्ज पर आयोजित इस ऑक्शन में खिलाड़ियों का चयन प्वाइंट सिस्टम के आधार पर किया गया। टीमों ने अपनी रणनीति के अनुसार खिलाड़ियों का चयन किया, वहीं कई खिलाड़ियों को लेकर टीमों के बीच प्रतिस्पर्धा भी देखने को मिली। मुख्य प्रायोजक योगेश बिसेन ने जानकारी देते हुए बताया कि बीपीएल-2026 का शुभारंभ 13 अप्रैल से जागपुर घाट मैदान में होगा, जो 23 अप्रैल तक चलेगा। प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी और सभी मैच रात्रिकालीन आयोजित किए जाएंगे, जिससे दर्शकों को रोमांचक मुकाबलों का आनंद मिल सके। इस लीग की खास बात यह है कि इसमें केवल बालाघाट जिले के खिलाड़ियों को ही शामिल किया जा रहा है, जिससे स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में वैनगंगा 11, वनम वैली, शिवाय रॉयल चैलेंजर्स, राजपूताना टाइगर्स, एमटी क्लब, जीनियर्स-11, लव कुश एंटरप्राइजेस, ब्राह्मण सुपर किंग्स सहित कुल 24 टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। आयोजकों द्वारा विजेता टीम के लिए 51 हजार रुपये और उपविजेता के लिए 25 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। इसके अलावा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी व्यक्तिगत पुरस्कार दिए जाएंगे। इस आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष रंजित गोयल, उपाध्यक्ष चेतन पटले, महात्मा हनवत, तपन चौधरी, महासचिव दीपक पटले, कोषाध्यक्ष गुनेंद्र पटले सहित अन्य पदाधिकारी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। बीपीएल-2026 को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। यह आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम बनेगा, बल्कि जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर भी साबित होगा।

आतिश के साथ हुई मारपीट की निष्पक्ष जांच की मांग

परिजन पहुंचे एसपी कार्यालय, आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोहकाडीबर क्षेत्र में बीते दिनों हुई घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बना हुआ है। इसी क्रम में आतिश लिल्हारे के परिजन और समाज के लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। परिजनों ने बताया कि सरपंच पति के साथ हुई मारपीट के मामले में अब तक आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, जिससे परिवार और ग्रामीणों में असंतोष है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से पूरे प्रकरण की न्यायोचित जांच कर दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि घटना गंभीर है, ऐसे में पुलिस को सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपितों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया तेज करनी चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। जिला मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत कोहकाडीबर में बीते दिनों हुई मारपीट की घटना ने अब गंभीर रूप ले लिया है। इस घटना में सरपंच पति आतिश लिल्हारे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका उपचार वर्तमान में गोंदिया के अस्पताल में जारी है। परिजनों के अनुसार उनकी स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है। मामले को लेकर पीड़ित परिवार में आक्रोश है और न्याय की मांग को लेकर परिजन ग्रामीणों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। बताया जा रहा है कि गांव में दो पक्षों के बीच पहले से विवाद की स्थिति बनी हुई थी, जो बीते दिनों एक शादी समारोह के दौरान हिंसक रूप ले बैठी। पीड़ित के भाई सतीश लिल्हारे ने बताया कि घटना बीते दिनों पूर्व करीब रात्रि 11:30 बजे की है, जब उनके भाई आतिश लिल्हारे को शादी समाहरो के दौरान गाँव में हुये एक विवाद में अचानक बुलाया गया, तभी देखते ही देखते विवाद ने ब ?ा रूप ले लिया और विवाद चुनावी रंजिश में बदल गया और लगभग गाँव के ही 10 से 15 लोगों ने एकजुट होकर उनके साथ मारपीट कर दी । परिजनों के अनुसार

हमलावरों ने लाठी-डंडों और अन्य हथियारों से बेरहमी से मारपीट की, जिससे आतिश लिल्हारे के शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए बालाघाट से गोंदिया ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। परिजनों द्वारा उनकी स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। परिवार का आरोप है कि यह हमला पूरी तरह सुनियोजित था और चुनावी रंजिश के चलते अंजाम दिया गया। उन्होंने बताया कि घटना की शिकायत संबंधित थाने में दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन अब तक आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। पीड़ति पक्ष का यह भी आरोप है कि घटना में शामिल आरोपी खुलेआम गांव में घूम रहे हैं और लगातार उन्हें धमकियां दे रहे हैं, जिससे परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। इसी के चलते परिजन और ग्रामीण पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और मामले में त्वरित एवं निष्पक्ष जांच की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से परिजनों ने मांग की है कि हमले में शामिल सभी आरोपियों की पहचान कर उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाए तथा उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया जाए। साथ ही पीड़ित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की अनहोनी का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों ने भी इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि गांव में इस प्रकार की हिंसक घटनाएं कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उर्स के लंगर में दर्दनाक हादसा-उबलती दाल में गिरा रसोइया गंभीर रूप से झुलसा

बचाने आया जीजा के भी हाथ झुलसे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली में मनोज बाबा के उर्स के दौरान आयोजित लंगर कार्यक्रम एक दर्दनाक हादसे में बदल गया। खाना बनाते समय एक रसोइया उबलती दाल से भरे बड़े बर्तन (गंजे) में गिर गया।जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसे बचाने के प्रयास में उसके जीजा भी घायल हो गए। गरम दाल में झुलसा रसोईया जाबीद शेख 34 वर्ष मेहंदीवाड़ा निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। वही उसके जीजा शौकत अली का इलाज रामपायली के अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 अप्रैल को रामपायली में मनोज बाबा का उर्स आयोजित किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान लंगर की व्यवस्था भी की गई थी। ग्राम मेहदीवाड़ा निवासी जाबिद शेख लंगर बनाने के कार्य में लगे हुए थे। शाम करीब 6 बजे जब दाल पक चुकी थी और उसे उतारा जा रहा था।

तभी अचानक जाबिद का पैर फिसल गया।संतुलन बिगड़ने से वह सीधे उबलती दाल से भरे गंजे में जा गिरा। यह दृश्य देख मौके पर मौजूद उनके जीजा मोहम्मद शौकत अली ने बिना देर किए उन्हें बचाने की कोशिश की। लेकिन इस दौरान उनके हाथ भी बुरी तरह झुलस गए। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल जाबिद को तत्काल रामपायली अस्पताल ले जाकर भर्ती किया गया ।जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार जाबिद के दोनों हाथ, चेहरा और सिर गंभीर रूप से झुलस गए हैं और उनका उपचार जारी है।वहीं शौकत अली का प्राथमिक उपचार रामपायली में ही किया गया।

मांझापुर में ओपन वॉलीबाल नाईट टूर्नामेंट 12 से

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एमपीएल वॉलीबाल क्लब के तत्वाधान में ओपन वॉलीबाल नाईट टूर्नामेंट ग्राम मांझापुर में 12 अप्रैल से किया जा रहा है। टूर्नामेंट 12 से 14 अप्रेल तक चलेगा। टूर्नामेंट का फाइनल मैच 14 अप्रैल को खेला जाएगा। प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 11001 रूपये व द्वितीय 70001 रूपए एवं महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार 3001 रूपए तो द्वितीय पुरस्कार 2001 रूपये प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिए जाएगे। इस अवसर पर खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील ग्राम पंचायत मांझापुर सरपंच रूखमणी नगपुरे, उप सरपंच घनश्याम चौधरी, सचिन डहरवाल, कन्हैया मुंजारे, विनय सोनगढ़े, प्रवीण सोनगढ़े, रजनीश डहरवाल, शुभम विश्वकर्मा, मोहित उपवंशी, अनिकेत ठाकरे, अनिल बारेकर, देवेन्द्र उइके, सुबोध बुड़ेश्वर, विजय हनवत, प्रवीण हनवत सहित समस्त ग्रामवासियों ने की है।

किसान मोर्चा ने किया किसानों का सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसान मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती कल्पना मर्सकोले भाभी जी के नेतृत्व में गोगलई गोदाम में किसानों का सम्मान तिलक लगाकर और फूलमाला पहनाकर

किया गया।वही उन्हें मध्यप्रदेश शासन और केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई।साथ ही मंडी सचिव तुरकर से चर्चा कर मंडी में पानी की व्यवस्था बनाने, किसान को रुकने आदि विषय पर चर्चा की गई इसके पश्चात जिला सहकारी बैंक जाकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बघेल से धान गेहूं के 13 खरीदी केंद्र में व्यवस्था और अन्य विषय पर चर्चा की गई।इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह मोहारे ,जिला महामंत्री यशवन्त लिल्हारे, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती दीपिका बिसेन, जिला मंत्री महेश शरणागत जी उपस्थित रहे।

मोहगांव (ध.) के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में गर्भ संस्कार कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय कार्यक्रम सुप्रजा के तहत, जिला आयुष अधिकारी डॉ. मिलिंद चौधरी के मार्गदर्शन में मोहगांव ध. स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में शुक्रवार को गर्भ संस्कार कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती माताओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ गर्भस्थ शिशु के बेहतर विकास को सुनिश्चित करना है। चर्चा में आयुष्मान आरोग्य मंदिर मोहगांव (धपेरा) आयुर्वेद मेडिकल ऑफिसर डॉ. पंकज कुमार मेश्राम ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान माँ की मानसिक स्थिति का शिशु के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है। जब माँ सकारात्मक और सुखी जीवन जीती है, तो वह सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। जिससे उसके शरीर में स्वस्थ हार्मोन निकलते हैं और इस प्रकार शिशु के समग्र स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आगे बताया कि इस अवसर पर 25 गर्भवती महिलाओं व धात्री महिलाओं को गर्भ संस्कार का महत्व, इसके अंतर्गत सुरक्षित मातृत्व, सुरक्षित शिशु, सुरक्षित प्रसव की जानकारी, आयुर्वेद अनुसार आहार-विहार, सदवृत एवं योग के माध्यम से सुरक्षित प्रसव की जानकारी दी गई। साथ ही गर्भवती व धात्री महिलाओं की जांच कर औषधियों का भी वितरण किया गया। इस गर्भ संस्कार कार्यक्रम में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज कुमार मेश्राम, डॉ. श्रध्दा ठाकरे, राजेश लिल्हारे, पुष्पलता बिसेन, प्रकाश फुलबांधे, नेहा भ्रमित,मंजू बिसेन, तरूण बावनथडे, गौरव नगपुरे, पैरामेडिकल स्टाफ एवं योग सहायक पुरूषोत्तम भगत एवं आशा कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आज अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा विभिन्न मांगों का सीएम के नाम सौंपेगे ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। टीईटी परीक्षा रद्द करने एवं पुरानी पेंशन योजना बहाली करने की मांग को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा लालबर्रा के द्वारा 11 अप्रैल को रैली निकालकर तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपेंगें। चर्चा में चर्चा में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि सरकार के द्वारा स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की टीईटी परीक्षा पुन: लेने के आदेश जारी किये गये है जिससे शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय आव्हान पर 11 अप्रैल को लालबर्रा विकासखण्ड के समस्त शिक्षकगण लालबर्रा के माँ सरस्वती मंच में एकत्रित होगें। जिसके बाद रैली के माध्यम से तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर नियुक्ति तिथि से सेवा अवधि की गणना, टीईटी परीक्षा रद्द करने एवं पुरानी पेंशन योजना बहाली करने की मांग की जायेगी। इस अवसर पर सभी शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा लालबर्रा के पदाधिकारियों ने की है।

मिरेगांव में गहराया जल संकट, पानी के लिए त्राही-त्राही

पीएचई विभाग की लापरवाही से ग्रामीणों में भारी आक्रोश, पंचायत में हुई बैठक

ग्रामीणों ने लिया कड़ा निर्णय, 14 अप्रैल को चक्काजाम करने की प्रशासन को दी चेतावनी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

भीषण गर्मी की शुरूआत होते ही क्षेत्र में जल संकट ने विकराल रूप धारण कर लिया है। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत मिरेगांव में पिछले दो महीनों से नल-जल योजना ठप पड़ी है, जिससे ग्रामीणों को बूंद-बूंद पानी के लिए मोहताज होना पड़ रहा है। पीएचई विभाग की कार्यप्रणाली से नाराज ग्रामीणों ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

शुक्रवार को पानी की किल्लत से परेशान बड़ी संख्या में ग्रामीणजन पंचायत भवन पहुंचे और सरपंच को अपनी पीड़ा बताई। पंचायत में आयोजित इस विशेष बैठक में ग्रामीणों ने एकमत होकर निर्णय लिया कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया और 13 अप्रैल तक पाइपलाइन को दुरूस्त कर नियमित जल आपूर्ति शुरू नही की गई है तो 14 अप्रैल को बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग मिरेगांव में चक्काजाम एवं धरना प्रदर्शन करेगें, जिसकी पूरी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी। अब देखना यह है कि ग्रामीणों की इस खुली चेतावनी के बाद क्या पीएचई विभाग कुंभकर्णी नींद से जागता है या मिरेगांव की जनता को अपनी प्यास बुझाने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ेगा।

कागजों पर समस्या दूर, धरातल पर सूखे कंठ

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत मिरेगांव में विगत वर्ष पूर्व पीएचई विभाग के द्वारा नल-जल योजना के तहत पूरे वार्ड में पाइपलाइन बिछाई गई है और घर-घर नल का कनेक्शन भी किया गया है। लेकिन कुछ वार्डों में तो जब से योजना प्रारंभ हुई है उसके बाद से नल की टोटी में एक बूंद पानी नही आया है। वहीं कुछ वार्डों में पूर्व में पानी आया है लेकिन दो माह से पानी नही आ रहा है। जिसका मुख्य कारण है कि पाइपलाइन में तकनीकी खराबी आ चुकी है। वहीं भीषण गर्मी शुरू होते हुए कुएं, तालाब सूख चुके है एवं हेंडपंप का भी जल स्तर नीचे चले गया है। जिसके कारण ग्राम में भारी जल संकट गहराया गया है और ग्रामीणजन मजबूरी में दुर स्थित हेंडपंप व बोरवेल से पानी लाने मजबूर है। वहीं ग्रामीणजनों ने करीब डेढ़ माह पूर्व नल-जल योजना का पानी नही मिलने की समस्या से कलेक्टर महोदय को अवगत करवा दिये है। जिसके बाद पीएचई विभाग के जिम्मेदारों ने एक-दो दिन काम किये उसके बाद जिला प्रशासन को अवगत करवा दिया गया कि मिरेगांव में पानी की समस्या दुर हो चुकी है, नियमित रूप से पानी नही मिल रहा है। लेकिन धरातल पर पहुंचकर समस्या को जानने का प्रयास नही किया है। जबकि दो माह से पानी की विकराल समस्या बनी हुई है। इस तरह से पीएचई विभाग सिर्फ कागजों में समस्या को दुर कर रहे है, धरातल पर नही जिससे ग्रामीणजनों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के कुएं और तालाब सूख चुके हैं, वहीं हैंडपंपों का जलस्तर गिरने से उन्होंने भी जवाब दे दिया है। दो माह पूर्व जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पाइपलाइन की तकनीकी खराबी की शिकायत की गई थी। शिकायत के बाद विभाग ने खानापूर्ति के लिए कुछ दिन काम किया और प्रशासन को रिपोर्ट भेज दी कि समस्या का समाधान हो गया है। हकीकत इसके उलट है - आज भी ग्रामीण पानी के लिए भटक रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी धरातल पर सुध लेने नहीं पहुंच रहे।

मांगे पूरी नही होने पर करेगें चक्काजाम - विरेन्द्र

विरेन्द्र गौतम ने बताया कि नल-जल योजना का पानी लंबे समय से ग्रामीणों को नही मिल रहा है एवं ग्राम के कुएं सुख चुके है एवं हेंडपंप का जल स्तर भी नीचे चले गया है। जिसके कारण ग्रामीणजन बेहद परेशान है और बासी पानी का उपयोग करने मजबूर है और इंसानों के साथ ही मवेशियों को भी पर्याप्त पानी नही मिल पा रहा है जिससे मवेशी भी बीमार हो रहे है। श्री गौतम ने बताया कि पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणजन पंचायत में एकत्रित हुए है और बड़े दुर्भाग्य की बात है कि पीएचई विभाग के अधिकारी एसी कमरों में बैठकर जिला कलेक्टर को झूठी रिपोर्ट भेज रहे हैं कि गांव में नल से पानी मिल रहा है। लेकिन धरातल पर यह योजना पूरी ठप पड़ी हुई है। ग्रामीणों को दुर से पानी लाना पड़ रहा है, दो दिनों के अंदर नल-जल योजना की पानी की सप्लाई शुरू नही हुई तो पूरे ग्रामीणजन बालाघाट-सिवनी हाईवे रोड पर चक्काजाम करेगें जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

पीएचई विभाग नही दे रहा ध्यान - काजल

मिरेगांव सरपंच श्रीमती काजल कुर्वेती ने बताया कि गर्मी में ग्राम के कुएं सुख चुके है एवं पाइपलाइन में आई तकनीकी खराबी के कारण नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है जिससे ग्रामीण परेशान है। साथ ही इस समस्या से पीएचई विभाग एवं जिला प्रशासन को भी अवगत करवा दिया गया है। लेकिन पीएचई विभाग के द्वारा जमीनी स्तर पर पहुंचकर कोई कार्य नही किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। श्रीमती कुर्वेती ने बताया कि पीएचई विभाग से मांग है कि पाइपलाइन में आई तकनीकी खराबी को जल्द दुरूस्त कर नल-जल योजना का पानी प्रदाय करें ताकि पानी की समस्या दुर हो सके।

महात्मा फुले की मनाई जायेगी जयंती आज

आयोजन समिति ने डॉ. बाबा साहब को किया नमन, कार्यक्रमों की बनाई गई रूपरेखा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग स्थित महात्मा फुले प्रतिमा स्थल पर फुले, बिरसा, डॉक्टर अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के द्वारा 11 अप्रैल को प्रात: 9 बजे महात्मा 'योतिबाराव फुले की जयंती मनाई जायेगी। जयंती के दो दिन पूर्व यानि गुरूवार की शाम में आयोजन समिति के पदाधिकारी लालबर्रा बस स्टैण्ड स्थित संविधान निर्माता डॉ बाबा साहब के प्रतिमा स्थल पर एकत्रित हुए और सभी ने डॉ. बाबा साहब को नमन कर 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की और सभी से कहा कि 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबाराव फुले की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जायेगी एवं 13 अप्रैल को एक शाम फुले-भीम के नाम कार्यक्रम के तहत बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम रात 8 बजे से बस स्टैण्ड में आयोजित किया गया है एवं 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जायेगी। जिसकी तैयारी आयोजन समिति के द्वारा पूरी कर ली गई है। चर्चा में फुले, बिरसा, डॉक्टर अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के सदस्य देवानंद मेश्राम ने बताया कि 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबाराव फुले की जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें सभी सामाजिक बंधुओ से अधिक से अधिक में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है। साथ ही यह भी बताया कि महात्मा ज्योतिबाराव फुले ने समाज में शिक्षा की एक नई अलख जगाई थी और कुरीतियों को दूर भगाकर समाज को नहीं दिशा प्रदान किया था। हम सभी को उनके बताएं मार्ग पर चल कर समाज को नई दिशा पर लेकर जाना है और समाज को विकसित करना है। साथ ही 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती भी हम लोगों के द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाई जाना है जिसमें सभी लोग बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाये। इसी उद्देश्य को लेकर गुरूवार को लालबर्रा बस स्टैण्ड में सभी पदाधिकारी एकत्रित होकर बाबा साहब की प्रतिमा को नमन कर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। इस अवसर पर फुले, बिरसा, डॉक्टर अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति लालबर्रा के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

खारी में बह रही ज्ञान की गंगा

हवन-पूजन, भव्य भजन एवं भंडारा कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी दूर ग्राम पंचायत खारी में इन दिनों भक्ति, श्रध्दा और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। बजरंग दल समिति एवं समस्त ग्रामवासियों के तत्वाधान में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर के लोकार्पण एवं मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा के पावन उपलक्ष्य में आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा जारी है। जिसका समापन 11 अप्रैल को हवन-पूजन, भव्य संध्या भजन और भंडारा कार्यक्रम के साथ किया जायेगा। वहीं गत 4 अप्रैल से प्रारंभ हुई इस कथा में वृंदावन की सुप्रसिध्द कथावाचिका बाल विदुषी वेदिका मिश्रा द्वारा प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक जीवनलीलाओं का वर्णन किया जा रहा है। उनके भजनों और ओजस्वी वाणी से पूरा ग्राम ज्ञान की गंगा में सराबोर है। कथा के दौरान श्रध्दालु भाव-विभोर होकर नृत्य करते हुए धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। कथावाचिका बाल विदुषी वेदिका मिश्रा के द्वारा श्रध्दालुओं को आध्यात्मिकता से जुड़ने और व्यसनों (नशे व बुराइयों) का त्याग कर सत्य के मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। कथा के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि प्राप्त ज्ञान को केवल स्वयं तक सीमित न रखकर जन-जन तक पहुंचाये ताकि समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सके। वहीं इस 8 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन से खारी सहित पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय हो गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गत 4 अप्रैल को नवनिर्मित श्रीराम मंदिर का लोकार्पण एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न होने के बाद संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा जारी है। जिसमें वृंदावन की सुप्रसिध्द कथावाचिका बाल विदुषी वेदिका मिरा के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के लीलाओं पर प्रवचन दिया जा रहा है। जिससे पुरे ग्राम का वातावरण भक्तिमय हो गया है और श्रध्दालुजन कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। आगे बताया कि 11 अप्रैल को दोपहर में हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न होने के बाद अतिथियों का सम्मान, जिसके बाद शाम 6 बजे से श्री सत्य सांई सेवा समिति जागरण ग्रुप द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी जायेगी तत्पश्चात विशाल भंडारे (महाप्रसादी) का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्र के धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील समिति के सदस्य दिनेश सपाटे, श्रीराम चौहान, उमेश सपाटे, हरिश मानेश्वर, कमलेश गौतम, अंकित बाहेश्वर, तपेश गौतम, दिपांशु ठाकरे, विकास ठाकरे, अंकित हटवार, प्रफुल हरिनखेडे, रितिक सार्वे, मोन्टु बोपचे, किशोर ठाकरे, कमलेश माने, दिपक मात्ते, अवनिश गौतम, दुर्गाप्रसाद चौधरी, यशवंत राणा, आकाश गोयल, डेविड वर्मा, शैलेष गौतम, निरज हरिनखेड़े, भागचंद बाहेश्वर, चित्रसेन बोपचे, कपिल ठाकरे, मोहित सपाटे, डिलेश बड्डे, पवन सपाटे, शैलेष शेंडे, अभय बाहेश्वर, हेमंत सार्वे, राकेश लानगे, थानसिंह बोपचे, मनीष बडडे, आशीष सपाटे, नरेश सपाटे, सागर बारमाटे, राकेश गोयल, हिमांशु मोहतुरे, खिलेन्द्र कारे सहित बजरंग दल, श्रीराम मंदिर महिला वाहिनी सेवा समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं ग्रामीणजनों ने की है।

मौसमी से नेवरगांव ला. पहुंच मार्ग खराब, आवागमन में हो रही परेशानी, मरम्मत की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत धारावासी के अंतर्गत आने वाले ग्राम मौसमी से नेवरगांव ला. पहुंच मार्ग के कुछ स्थानों से सड़क के बीच से डामर उखड़ जाने एवं जगह-जगह गड्डे बन जाने के कारण आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कुछ स्थान पर सड़क के बीच में जानलेवा गड्डे भी बन गये है जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि इस मार्ग से आवागमन करने वाले ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से सड़क में बने गड्डों का मरम्मत कार्य करवाने की लंबे समय से मांग कर रहे है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि नेवरगांव ला. से धारावासी पहुंच मार्ग से निकली यह बायपास रोड़ मौसमी की ओर जाती है और विगत वर्ष पूर्व ही सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाया गया है । लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण कुछ स्थानों से सड़क का खस्ताहाल हो चुका है और सड़क के बीच में गड्डे भी बन गये है जिसके कारण आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही वर्तमान में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर जारी है, लोग रात्रि के समय मोटरसाइकिल से आवागमन करते है। तेज गति से गुजरते समय सड़क में बने गड्डे दिखाई नही देने से बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। इसलिए ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से मौसमी से नेवरगांव ला. पहुंच मार्ग में बने गड्डों का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

असम में बंपर मतदान से बीजेपी के हाथ पैर फूले, राज्य में जब-जब वोट प्रतिशत बढ़ा सत्ता परिवर्तन हुआ

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव में इस बार मतदान ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। राज्यभर में कई सीटों पर 80 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत से अधिक तक मतदान दर्ज किया गया है, जिसने राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। यह केवल एक सामान्य चुनावी आंकड़ा नहीं, बल्कि राज्य के बदलते राजनीतिक वातावरण का संकेत भी माना जा रहा है, और कहीं ना कहीं मतदान प्रतिशत में वृद्धि सत्तासीन भाजपा के लिए चिंता के विषय है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार निचले असम और अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत 90 के पार पहुंच गया। जलेश्वर, मानकाचार, दलगांव और लाहरीघाट जैसी सीटों पर बड़ी संख्या में मतदाताओं ने मतदान किया। इतनी व्यापक भागीदारी को सामान्यत: जनता के भीतर किसी बड़े परिवर्तन की इच्छा के रूप में देखा जाता है। इसके विपरीत, गुवाहाटी और आसपास के शहरी क्षेत्रों में मतदान अपेक्षाकृत कम रहा। दिसपुर, न्यू गुवाहाटी और गुवाहाटी केंद्रीय जैसी सीटों पर मतदान लगभग 70 से 75 प्रतिशत के बीच रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि शहरी क्षेत्रों में कम मतदान सत्तारूढ़ दल के लिए चिंता का विषय हो सकता है। इस चुनाव की एक और महत्वपूर्ण विशेषता मतदान के समय में देखने को मिली। दोपहर के बाद, विशेषकर 3 बजे से 5 बजे के बीच, मतदान में अचानक तेज वृद्धि दर्ज की गई। यह संकेत देता है कि बड़ी संख्या में महिलाएं, ग्रामीण मतदाता और निम्न आय वर्ग के लोग मतदान के लिए आगे आए। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, जब चुनाव में ग्रामीण और हाशिए पर रहने वाले वर्गों की भागीदारी इस स्तर तक बढ़ती है, तो इसे सामान्यत: 卐बदलाव के पक्ष में मतदान卐 माना जाता है। इस बार के मतदान आंकड़ों को कई जानकार सत्ता के विरुद्ध रुझान के रूप में देख रहे हैं। उनका मानना है कि इस प्रकार का मतदान पैटर्न विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस और उसके सहयोगियों के लिए सकारात्मक संकेत देता है, जबकि सत्तारूढ़ दल के लिए यह चेतावनी हो सकता है। हालांकि अंतिम स्थिति मतगणना के बाद ही स्पष्ट होगी, लेकिन इतना निश्चित है कि असम के मतदाताओं ने इस बार चुनाव को अत्यंत गंभीरता से लिया है।

रेलवे ओवरब्रिज का अनौपचारिक शुभारंभ बना सियासी अखाड़ा

ब्रिज पर घंटों चला हाई वोल्टेज ड्रामा, भारी पुलिस बल की मौजूदगी में दोनों पक्षों ने अलग अलग किया पूजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी के ग्राम वारा स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर नवनिर्मित रेलवे ओवरब्रिज का शुक्रवार को उस समय राजनीति के दांव पेच और हंगामे का केंद्र बन गया। जब इसके अनौपचारिक शुभारंभ को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के कार्यकर्ता आमने सामने आ गए। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद भी तीखी नोकझोंक हुई और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

बाजे गाजे के साथ पहुंचे भाजपा और कांग्रेस नेता

तय कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार सुबह लगभग १०.३० बजे भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, बालाघाट सिवनी लोकसभा सांसद श्रीमती भारती पारधी,भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ,नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल,नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा,वेदप्रकाश पटेल, मिलिनंद नगपुरे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी सैकड़ों कार्यकर्ता बाजे गाजे के साथ ब्रिज पर पहुँचे। भाजपा का कार्यक्रम चालू हुआ ही था कि करीब ११ बजे क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल भी अपने सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ ब्रिज का शुभारंभ करने पहुँच गए। एक ही समय पर दोनों दलों के आमने सामने आने से माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया।

पुलिस ने रोका विधायक का काफिला प्रशासन पर लगे आरोप

मुस्तैद पुलिस प्रशासन ने टकराव की स्थिति को देखते हुए विधायक विवेक पटेल और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ब्रिज के प्रवेश द्वार पर ही रोक दिया। इससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश फैल गया। कार्यकर्ताओं ने पुलिस और प्रशासन पर सत्ता पक्ष के दबाव में काम करने के गंभीर आरोप लगाए। काफी जद्दोजहद के बाद प्रशासन ने विधायक और उनके समर्थकों को वार्ड नंबर ४ वाले छोर से ब्रिज पर चढ़ने की अनुमति दी। लेकिन उन्हें मुख्य गार्डर पर ही रोक दिया गया क्योंकि आगे भाजपा नेताओं की मौजूदगी थी।

सरपंच ने नारियल फोड़कर आम जनता ने शुरू किया आवागमन

भाजपा खेमे ने वार्ड नंबर ४ के छोर से रैली निकालते हुए ग्राम वारा के दूसरे छोर पर पहुँचकर विधि विधान से पूजा अर्चना की। यहाँ भाजपा नेताओं ने ग्राम वारा के सरपंच सूर्यभान सिंह पूसाम के हाथों नारियल फुड़वाकर अनौपचारिक रूप से ब्रिज का आवागमन प्रारंभ किया।

ब्रिज के गार्डर पर ही धरने पर बैठे विधायक

आगे जाने से और रोके जाने से नाराज विधायक विवेक पटेल अपने कार्यकर्ताओं के साथ ब्रिज के गार्डर पर ही धरने पर बैठ गए। इसी दौरान जब भाजपा कार्यकर्ता वापस वारासिवनी की ओर लौटने लगे तो दोनों पक्ष फिर से आमने सामने हो गए जिससे टकराव की स्थिति बन गई। मौके पर मौजूद एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल और विधायक विवेक पटेल के बीच तीखी बहस भी हुई। अंततः विधायक ने गार्डर पर ही पंडित श्री चौबे के मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न किया और ब्रिज का अनौपचारिक शुभारंभ किया जिसके बाद मामला शांत हुआ।

विवाद की जड़, रात में हुआ पोस्टर वॉर

उल्लेखनीय है कि इस विवाद की पटकथा गुरुवार रात को ही लिख दी गई थी। बैनर पोस्टर और झंडे लगाने को लेकर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए थे। एक पक्ष द्वारा लगाए गए पोस्टरों को ढकने के लिए दूसरे पक्ष ने ऊपर से अपने पोस्टर लगा दिए थे जिससे हल्की झड़प भी हुई थी। तनाव की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने शुक्रवार सुबह से ही वारासिवनी, रामपायली, खैरलांजी और लालबर्रा सहित पुलिस लाइन के भारी बल को तैनात कर दिया था। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किसी तरह दोनों पक्षों के कार्यक्रम संपन्न हुए और बड़ी अप्रिय घटना टल गई। ब्रिज के शुरू होने से जनता को राहत तो मिली है लेकिन इस उद्घाटन ने क्षेत्र की राजनीतिक तपिश को चरम पर पहुँचा दिया है।

आज ऐतिहासिक दिन है जनता की समस्या का समाधान किया है-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया कि कोई सरकारी कार्यक्रम नहीं था अनौपचारिक रूप से ब्रिज चालू करना था। कांग्रेस ने झंडा बैनर लगाना चालू कर दिए थे अलग कार्यक्रम करने तामझाम किया कार्ड छपावायें। सरकार भाजपा की है बैनर में मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री की फोटो है उसे हटाने का किसी को अधिकार नहीं है उसे यह लोग हटा रहे थे। इन्हें बैनर पोस्टर अन्य स्थानों पर लगाने थे वह हल्ला दंगा कर माहौल को खराब करने का प्रयास कर रहे थे। भिड़ंत की कोई बात नहीं है हाथी अपना काम करता है हमारी सरकार है जो विकास की स्पीड हमने वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र में बनाई इसका असर दिख रहा है। पिछले ढाई वर्ष में बजट में १ रूपये नहीं आया तो यह खिसियानी बिल्ली है। हमने अपना कार्यक्रम किया आज वारासिवनी का ऐतिहासिक दिन था आवागमन की समस्या का समाधान हुआ है। मैंने समर्थन दिया था तो सरकार ने विकास कार्य दिए थे यह रेलवे ओवरब्रिज वर्ष २०२१ के बजट में मिला था ६ अक्टूबर २०२३ को हमने इसका भूमि पूजन किया था। अभी हमने अनौपचारिक ब्रिज को चालू किया है इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री करेंगे कुछ लोग ऐसे हैं जो उद्घाटन और अनौपचारिक चालू करने में अंतर नहीं समझते। हम और यहां पर सांसद बैठी है जो उद्घाटन नहीं कर रही है वह भी हमारे साथ आते पर उनका कहना है कि हम उद्घाटन करेंगे।

हम राष्ट्र निर्माण में काम करने वाले व्यक्ति है-रामकिशोर कावरे

भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने बताया कि इस ब्रिज के लिए सभी को बधाई उसे कालखंड में मैं भी मंत्री था। बजट में वारा ,गर्रा ,सरेखा रेलवे ओवरब्रिज पूर्व मुख्यमंत्री से आग्रह करने पर स्वीकृति मिली थी। वर्तमान मुख्यमंत्री ने बजट की व्यवस्था की हमारे विचार है कि जनता को कभी परेशानी ना हो ब्रिज बनकर तैयार है। हमारी राजनीति के कारण किसी जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए यह पहला मौका नहीं है सरेखा में भी ऐसा ही किया गया है। हम राष्ट्र निर्माण में काम करने वाले व्यक्ति है आगामी समय में नगर पालिका के माध्यम से इस रेलवे ओवरब्रिज का नाम महापुरुषों पर रखा जाएगा।

कोई राजनीतिक सरगर्मी सियासत नहीं है विचारधारा का अंतर रहता है-भारती पारधी

सांसद श्रीमती भारती पारधी ने बताया कि यह खुशी का विषय है एक साथ कई ओवरब्रिज जिले में है। कुछ बन रहे हैं कुछ बन गए हैं पूर्व मुख्यमंत्री से उनकी स्वीकृति मिली थी जिसका सांकेतिक लोकार्पण हमने जनता की परेशानी को देखते हुए कर रहे हैं। हम तारीख को और उद्घाटन में जनता को परेशान नहीं करते हैं हमने सरेखा में भी ऐसा ही किया और अंडर पास में भी पहले गुजरने वाले वरिष्ठ व्यक्ति को उद्घाटनकर्ता बनाया। आज यह ब्रिज जनता के हवाले कर दिया गया है कोई राजनीतिक सरगर्मी सियासत नहीं है विचारधारा का अंतर रहता है थोड़ी बात होती है यह सामान्य बात है।

प्रशासन का रवैया निंदनीय और दुर्भावनापूर्ण था- विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि अंतिम निरीक्षण हमने कर १० अप्रैल की सुबह ११ बजे खोलने का तय किया। इसके लिए सांसद, कलेक्टर सभी से बात कर कार्यक्रम निर्धारित करवाया। अब हम यहां आए हैं तो समझ में नहीं आ रहा है कि क्यों रोका गया है। यहां पर अभिनंदन का पोस्टर लगवाए मैंने तय किया था कि लोगों को हो रही तकलीफ से निजात मिले। आज सुबह बात हुई मैं विधायक हूं आया तो यहां पर रोक दिया गया तब से बैठे हैं। प्रशासन का जो रवैया था वह निंदनीय दुर्भावनापूर्ण तथा लोकतंत्र की हत्या करने जैसा था। जनप्रतिनिधि को यहां रोका गया है हम चाहते हैं यहां आवागमन चालू है। श्रेय लेने के चक्कर में हम नहीं है अभी अनौपचारिक शुभारंभ कर रहे हैं मुख्यमंत्री के पास अभी समय नहीं है उनके जैसे ही कार्यक्रम बनेगा तो इसका औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा।

पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने के लिए मौजूद रही -कार्तिकेय जायसवाल

एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने बताया कि १० अप्रैल को वारासिवनी के वारा रेलवे ओवर ब्रिज पर ट्रैफिक आवागमन शुरू किया जाना था। इसमें कोई शासकीय कार्यक्रम औपचारिक उद्घाटन नहीं हुआ। किंतु क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने यहां पर भ्रमण किया और अपने स्तर पर पूजा की लेकिन पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने के लिए यहां पर मौजूद था। हमें लगता है कि हमने पूरा प्रयास किया की विभिन्न दल के जनप्रतिनिधियों की भिड़ंत को रोक सके। रात्रि में एक दल के पोस्टर पर दूसरे दल के पोस्टर लगाए जा रहे थे जिससे तनावपूर्ण स्थिति बनी थी मौके पर समझाइस दी गई। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का इसमें अपना योगदान है अभी तनावपूर्ण स्थिति नहीं है किंतु हम यहां पर कोई भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मुस्तैद है।

घर के किचन में फांसी पर लटका मिला युवक का शव ,जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ६ में शुक्रवार को उस वक्त सनसनी फैल गई जब ३७ वर्षीय एक युवक का शव उसके अपने ही घर के रसोई घर में फांसी के फंदे पर लटका हुआ पाया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मेंद्र फूलबाँधे पिता हरलाल फूलबाँधे अपने परिवार के साथ वार्ड नंबर ६ में निवास करता था। शुक्रवार की दोपहर जब परिवार के अन्य सदस्य घर के सामने वाले हिस्से में मौजूद थे तब धर्मेंद्र किचन की ओर गया और छत पर लगे हुक से फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना का खुलासा तब हुआ जब धर्मेंद्र की छोटी बेटी ईशानी मोबाइल लेने के लिए पीछे वाले कमरे की तरफ गई। वहां अपने पिता को फंदे पर लटका देख वह घबरा गई और दौड़कर अपनी मां को इसकी जानकारी दी। परिजनों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतारा। पुलिस ने आवश्यक पंचनामा कार्यवाही के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल वारासिवनी के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। फिलहाल आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है, पुलिस मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। मृतक के बड़े भाई रविंद्र फूलबाँधे ने बताया कि वह राइस मिल में काम करते हैं और घटना के समय काम पर थे। दोपहर करीब ३ बजे मुझे छोटी बहू का फोन आया कि धर्मेंद्र ने फांसी लगा ली है। जब मैं घर पहुंचा तो उसे किचन के हुक से लटका पाया। घर के सभी सदस्य उस समय दूसरे कमरे में थे। धर्मेंद्र ने ऐसा कदम क्यों उठाया इसका कारण हमें भी समझ नहीं आ रहा है।

प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना की देन है वारा का ओवर ब्रिज-विक्रम देशमुख

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। भारतीय केंद्र सरकार के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष २०२१ में राष्ट्रीय मास्टर प्लान फ ॉर मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी के उद्देश्य हेतु प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना शुरू की गई थी। अभियान के अंतर्गत देश के आर्थिक क्षेत्रों को रेलवे, बंदरगाह, जलमार्ग, सड़के, हवाई अड्डे और मास ट्रांसपोर्ट को निर्बाध तरीके से जोड़ा जाना था। इस योजना में रेल्वे के क्षेत्र में देश में गेज परिवर्तन, विशेष भाड़ा रूट, हाई.स्पीड ट्रेने, नई रेल लाइने, स्टेशनों का जीर्णोद्धार, सुरक्षा और कुशल परिवहन पर फोकस किया जाना था। रेल्वे सुरक्षा के मद्देनजर बालाघाट जिले की गर्रा ,बालाघाट, कोसमी, भटेरा, शेरपार, वारासिवनी, अगासी, कटंगी, धानीटोला और वारा रेल्वे की मौजूदा रेल रोड क्रासिंग को मैपिंग किया गया था। जिसमें ग्राम वारा, गर्रा, कोसमी, अगासी आरओबी लगभग पूर्ण हो चुके है। वहीं धानीटोला बुदबुदा बी के ३८ पर आरयू बी का काम रुका हुआ है। वही जिला सिवनी में भी रेलवे के सिवनी नागपुर रोड पर स्थित रोड़ ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू है। भारतीय रेलवे के द्वारा रोड ओवर ब्रीज के निर्माण के लिए मुख्य मानक ट्रेन व्हीकल यूनिट होता है। यदि रेल रोड क्रासिंग पर दैनिक १००००० युनिट के साथ साथ भारी भीड़ का आवागमन होता है तो रोड ओवरब्रिज का निर्माण रेलवे बोर्ड और आर डीएसओ की स्वीकृति उपरांत राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच खर्च बंटवारे की सहमति से शुरू होता है। प्राप्त जानकारी अनुसार केंद्र सरकार के द्वारा मैनड क्रॉसिंग को चरणबध्द तरीके से आरओबी या आर यूबी अथवा डाइवर्सन निर्माण के द्वारा वर्ष २०३० तक हटाने का लक्ष्य रखा गया है। वारासिवनी बालाघाट मार्ग से गुजरने वाले मार्ग पर वारा रोड़ ओवर ब्रिज के निर्माण उपरांत क्षेत्र की जनता ने राहत की सांस ली है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की सहमति उपरांत बालाघाट जिले में निर्मित और निर्माणाधीन रोड ओवर ब्रिज हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया है।

उपजेल वारा में ओपन जिम का किया शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय कर्मचारियों पर काम का बोझ सदैव बना रहता है, इस दबाव का असर उनके परिवार पर भी पड़ता है। इन्हीं परेशानियों को देखकर जेल विभाग के द्वारा उप जेल वारासिवनी में ओपन जिम का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। जेल के स्टाफ ओर उनके परिवार को मानसिक तनाव और शारीरिक सुदृढ़ता हेतु इस ओपन जिम का निर्माण किया गया है। ज्ञात हो कि स्थानीय उप जेल परिसर में ओपन जिम का शुभारंभ हुआ। जिम का शुभारंभ जेल विभाग के सर्वोच्च अधिकारी डॉ वरुण कपूर,महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं जेल मुख्यालय के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर जेल अधिक्षक बालाघाट रामलाल सहलाम, वारासिवनी जेलर अंजुलता गोस्वामी सहित संपूर्ण स्टाफ उपस्थित रहा। जेल अधीक्षक रामलाल सहलाम ने बताया कि जेल परिसर में कर्मचारियों और उनके परिवार वालों को काम की अधिकता ,नौकरी के तनाव भरे जीवन में शारीरिक मजबूती प्रदान करने का अवसर कम ही मिल पाता है। इसलिए लगभग ढाई लाख की लगत वाली इस जिम का शुभारंभ किया गया है। ताकि रोजमर्रा में कुछ वक्त निकालकर वे अपनी काया को मजबूत बना सके और तनाव मुक्त रह सके। वहीं जेलर अजुंलता गोस्वामी ने बताया कि वे विभाग की इस पहल से बेहद खुश है जल्द ही इस ओपन जिम के ऊपर टीन शेड का निर्माण करवाया जाएगा । जिसके लिए वे उच्च अधिकारियों से आग्रह करेंगी, फिलहाल जेल में साफ सफाई,स्वच्छ भोजन ओर सुरक्षा को लेकर वे संवेदनशील है । आगामी दिनों में सुरक्षा कैमरों की संख्या बढ़ाए जाने को लेकर भी वे प्रयास करेंगी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में जल्द ही विभाग के कर्मचारियों को अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएगी। वहीं सुरक्षा पैमानों को और अधिक मजबूत किया जाएगा। इस दौरान अश्विनी कुमार गुप्ता ,भरत सिंह वरकड़े ,बसोरीलाल मरावी , प्रकाश सिंह ठाकुर ,लक्ष्मीनारायण राय, सुनील पटेल, आशीष झारिया, सुधा बघेल ,अनुराग मरकाम ,विक्रम मर्सकोले, राहुल कोकोडे ,संदीप बट्टी, घनश्याम यादव ,शेवनाथ पार्टेटे ,लोकेन्द्र कुशवाह ,कैलाश कुमार फूलवती बाई आदि उपस्थित रहे।

लाल किवाड़ी के पास हुई चाकू बाजी, नवीन दमाहे घायल

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर के जय स्तंभ चौक से कॉलेज चौक बायपास मार्ग पर स्थित बड़ी नहर की लाल कीवाड़ी पर १० फरवरी की रात चाकू बाजी की वारदात घटित हो गई। जिसमें पुरानी रंजिश को लेकर कृष्ण पालेवार के द्वारा नवीन दमाहे को लहू लोहान कर दिया। मामले में पुलिस के द्वारा अपराध कर दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल नवीन पिता तोपलाल दमाहे ३४ वर्ष सरेखा निवासी का कृष्णा पिता मूलचंद पालेवार २९ वर्ष बेनी निवासी के साथ पुराना विवाद था। यह दोनों व्यक्ति जय स्तंभ चौक से कॉलेज चौक जाने वाले बायपास मार्ग पर बहने वाली नहर की लाल किवाड़ी के पास में आपस में टकरा गए। जहां पुरानी रंजिश को लेकर दोनों व्यक्तियों के बीच विवाद शुरू हो गया और यह देखते ही विवाद इतना बढ़ गया कि कृष्ण पालेवार ने नवीन दमाहे के पेट में चाकू गोप दिया। इसके बाद नवीन को उसके साथियों के द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया । वहीं घटना की सूचना वारासिवनी पुलिस को दी गई। मामले में पुलिस के द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार की ओर से कृष्णा पालेवार के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की धारा १०९(१) के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के विधानसभा चुनाव 2026

हमारा लोकतंत्र केवल एक संवैधानिक व्यवस्था नहीं,बल्कि जनचेतना की वह जीवंत धारा है , जो समय-समय पर अपने स्वरूप, अपने तेवर और अपनी दिशा को स्वयं निर्धारित करती है।वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण - असम,केरल और केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में सम्पन्न मतदान - इसी लोकतांत्रिक चेतना का प्रखर और व्यापक प्रतिबिंब बनकर सामने आया है।यह चरण केवल मतपेटियों तक सीमित एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि जनमत की वह गूंज है जिसमें सामाजिक परिवर्तन की आहट, राजनीतिक पुनर्संतुलन की छाया और भविष्य की राजनीति की स्पष्ट रूपरेखा सुनाई देती है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं। असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि वहां चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनसरोकारों की अभिव्यक्ति का मंच बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक जिस प्रकार मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, वह इस बात का द्योतक है कि मतदाता अब अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और सचेत है।यह उत्साह जहां एक ओर सत्तारूढ़ दल के लिए चुनौती का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर यह भी दर्शाता है कि यदि सरकार ने अपने कार्यों से जनविश्वास अर्जित किया है,तो उसे पुन: अवसर भी मिल सकता है। केरल का मतदान प्रतिशत अपनी प्रकृति में भले ही संतुलित प्रतीत होता हो, लेकिन उसकी गहराई में एक परिपक्व लोकतांत्रिक चेतना का प्रवाह दिखाई देता है।यहाँ का मतदाता परंपरागत रूप से विचारधारा आधारित मतदान करता है और यही कारण है कि मतदान का प्रतिशत स्थिर रहते हुए भी अत्यंत महत्वपूर्ण संकेत देता है। लगभग 78 प्रतिशत मतदान यह बताता है कि केरल में लोकतंत्र केवल एक प्रक्रिया नहीं,बल्कि एक वैचारिक अभ्यास है,जिसमें हर मतदाता अपने निर्णय को एक जिम्मेदारी के रूप में देखता है। पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास मतदान ने यह सिद्ध कर दिया है कि लोकतंत्र का उत्साह क्षेत्रफल या जनसंख्या पर निर्भर नहीं करता,बल्कि जनभागीदारी की भावना पर आधारित होता है। छोटे से केन्द्र शासित प्रदेश में इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का मतदान करना यह दर्शाता है कि लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी और मजबूत हैं। यह मतदान न केवल राजनीतिक दलों के लिए संदेश है, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा भी है कि लोकतंत्र की असली शक्ति जनता की सक्रिय भागीदारी में निहित है। इस प्रथम चरण का एक और महत्वपूर्ण पक्ष मतदाता संरचना में हो रहा परिवर्तन है।लगभग 5.3 करोड़ से अधिक मतदाताओं की भागीदारी यह दर्शाती है कि लोकतंत्र अब केवल संख्याओं का खेल नहीं, वरन विविधता और समावेश का उत्सव बन चुका है। महिला मतदाताओं की बढ़ती संख्या और उनकी सक्रिय भागीदारी इस परिवर्तन का सबसे सशक्त संकेत है।केरल और पुडुचेरी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की संख्या पुरुषों के बराबर या उससे अधिक होना केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं,बल्कि एक सामाजिक क्रांति का संकेत है।

भारत को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक कालखंड में कदम रखना जरूरी हो गया है

वैश्विक स्तरपर आज भारत के नाम प्रतिष्ठा होल्ड और वर्चस्वता का आधार बढ़ता ही जा रहा है, जिसके दम पर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक मुख्य पक्ष माना जाता है जो हम बड़े-बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्ष के भारत के साथ बॉडी लैंग्वेज से समझ मेंआता है और हम प्रोत्साहित होकर विज़न 2047, विजन नए भारत, विज़न 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं परंतु जिस तरह हमने हाल के कुछ दिनों में बंगाल के मंत्री, जबलपुर के आरटीओ, एमपी के चपरासी के यहां करोड़ों रुपए, एमपी में पोषण घोटाला सहित अनेकों भ्रष्टाचार के तथाकथित मामले मीडिया के माध्यम से हमने पढ़े और देखें और ऐसे अनेक मामलों की रिसर्च करेंगे तो हमें पता चलेगा कि इस तरह के भ्रष्टाचार जारी रहे तो हम उपरोक्त विज़नस को पूर्ण नहीं कर पाएंगे? इसलिए अब जरूरी हो गया है कि भारत को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक कालखंड में कदम रखना अनिवार्य है। अब सीबीआई, ईडी तथा जनमानस के सहयोग के साथ अन्य एजेंसियों को आय से अधिक संपत्ति रखने वालों का तेजी से पता लगाना होगा। सेवा क्षेत्र के हर चपरासी से लेकर बाबू और बड़े अधिकारियों तक की आर्थिक स्थिति की जांच तेजी से करनी होगी क्योंकि सरकारी क्षेत्र के लोगों के पास ही भ्रष्टाचार का कुबेर खजाना होगा तो अन्य निजी लोगों की बात ही क्या? हालांकि लाल किले से माननीय पीएम ने भी भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार भरी थी और अब मिशन 2027 को अबकी बार भ्रष्टाचार पर वार का निर्णायक कालखंड बनाने की तैयारी है, इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस आर्टिकल के माध्यम से भ्रष्टाचार पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार की करें तो, हमारे देश के लिए यह बड़ी ही दुर्भाग्यपूर्ण विडंबना है कि युधिष्ठिर, हरिश्चंद्र जैसे धर्मनिष्ठ शासकों व साधु-संतों की इस पावन धरती पर आज भ्रष्टाचार का विष फैला हुआ है। छोटे से छोटे कर्मचारियों से लेकर देश की सत्ता पर बैठे हमारे शीर्षस्थ भी आज भ्रष्टाचार में लिप्त होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता । भ्रष्टाचार हमारी राष्ट्रीय समस्या है । ऐसे व्यक्ति जो अपने कर्तव्यों की अवहेलना कर निजी स्वार्थ में लिप्त रहते हैं 'भ्रष्टाचारी' कहलाते हैं । आज हमारे देश में भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरे तक समाहित हैं ।

साथियों मनुष्य कितना भी कुछ हासिल कर ले परंतु उसकी और अधिक प्राप्त कर लेने की लालसा कभी समाप्त नहीं होती है। किसी वस्तु की आकांक्षा रखने पर यदि उसे वह वस्तु सहज रूप से प्राप्त नहीं होती है तब वह येन-केन प्रकारेण उसे हासिल करने के लिए उद्यत हो जाता है। इस प्रकार की परिस्थितियाँ भ्रष्टाचार को जन्म देती हैं। किसी उच्च पद पर आसीन अधिकारी प्राय: गुणवत्ता की अनदेखी कर अपने समाज, परिवार अथवा संप्रदाय के लोगों को प्राथमिकता देता है तो उसका यह कृत्य भ्रष्टाचार का ही रूप है। भ्रष्टाचार में लिप्त व्यक्ति सदैव न्याय की अनदेखी करता है।

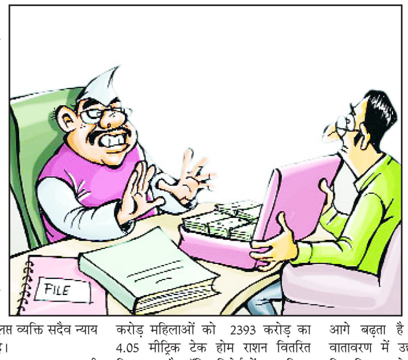

साथियों बात अगर आम भ्रष्टाचार की चुनौतियां और प्रारूप की करें तो, देश के सामने दो बड़ी चुनौतियां-पहली चुनौती - भ्रष्टाचार दूसरी चुनौती भाई- भतीजावाद परिवारवाद।भ्रष्टाचार देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा है, उससे देश को लड़ना ही होगा। देश की कोशिश है कि जिन्होंने देश को लूटा है, उनको लौटाना भी पड़े देश इसकी कोशिश कर रहे हैं। देश में चारों ओर व्याप्त सांप्रदायिकता, भाषावाद, भाई- भतीजावाद, जातीयता आदि से पूरित वातावरण भ्रष्टाचार के प्रेरणा स्त्रोत हैं । भ्रष्टाचार के कारण ही कार्यालयों, दफ्तरों व अन्य कार्यक्षेत्रों में चोरबाजारी, रिश्वतखोरी आदि अनैतिक कृत्य पनपते हैं। दुकानों में मिलावटी सामान बेचना, धर्म का सहारा लेकर लोगों को पथभ्रमित करना तथा अपना स्वार्थ सिद्ध करना, दोषी व अपराधी तत्वों को रिश्वत लेकर मुक्त कर देना अथवा रिश्वत के आधार पर विभागों में भरती होना आदि सभी भ्रष्टाचार के प्रारुप हैं।

साथियों बात अगर हम कुछ दिनों पूर्व महालेखाकार रिपोर्ट में खुलासा हुए एक घोटाले और आरटीओ के यहां रेड की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार 2018 से 2021 के बीच करीब 1.35 करोड़ महिलाओं को 2393 करोड़ का 4.05 मीट्रिक टेक होम राशन वितरित किया गया है।ऑडिट रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि टेक होम राशन बड़ी मात्रा में सिर्फ कागजों में बांट दिया गया। साथ ही करीब 58 करोड़ का नकली पोषण आहार का उत्पादन किया गया।रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि राशन बनाने वाली 6 फर्मो से परिवहन के नाम बाइक, कार, ऑटो और टैंकर के नंबरों को ट्रक बताकर करीब 6.94 करोड़ का 1125.64 मीट्रिक टन राशन के परिवहन होना बताया गया है। ऑडिट रिपोर्ट में उत्पादन और वितरण में घोटाला होना बताया जा रहा है।जबलपुर में ईओडब्लयू यानी इकॉनमिक ऑफेंस विंग ने एक आरटीओ अधिकारी के घर छापा मार आय से अधिक संपत्ति का खुलासा किया है। बताया जा रहा है कि आरटीओ अधिकारी की संपत्ति उनकी आय से 650 गुना ज्यादा है। छापामारी में उनके 6 आलीशान मकानों का पता चला है। उनके पास एक डेढ़ एकड़ में फैला फार्म हाउस भी है। ईओडब्लयू की रेड के दौरान उनके घर से 16 लाख रुपये कैश मिलने की भी बात सामने आई थी।

साथियों बात अगर हम भारत के महाशक्ति बनने के आंकलन की करें तो, भारत के महाशक्ति बनने की सम्भावना का आंकलन अमरीका एवं चीन की तुलना से किया जा सकता है। महाशक्ति बनने की पहली कसौटी तकनीकी नेतृत्व है। दूसरी कसौटी श्रम के मूल्य की है। महाशक्ति बनने के लिये श्रम का मूल्य कम रहना चाहिये। तब ही देश उपभोक्ता वस्तुओंका सस्ता उत्पादन कर पाता है और दूसरे देशों में उसका उत्पाद प्रवेश पाता है। चीन और भारत इस कसौटी पर अव्वल बैठते हैं जबकि अमरीका पिछड़ रहा है। तीसरी कसौटी शासन के खुलेपन की है। वह देश आगे बढ़ता है जिसके नागरिक खुले वातावरण में उद्यम से जुड़े नये उपाय क्रियान्वित करने के लिए आजाद होते हैं। बेड़ियों में जकड़े हुये अथवा पुलिस की तीखी नजर के साये में शोध, व्यापार अथवा अध्ययन कम ही पनपते हैं। भारत और अमरीका में यह खुलापन उपलब्ध है। चौथी कसौटी भ्रष्टाचार की है। सरकार भ्रष्ट हो तो जनता की ऊर्जा भटक जाती है। देश की पूंजी का रिसाव हो जाता है। भ्रष्ट अधिकारी और नेता धन को स्विट्जरलैण्ड भेज देते हैं। ट्रान्सपेरेन्सी इंटरनेशनलद्वारा बनाई गयी रैंकिंग में अमरीका को 19 वें स्थान पर रखा गया है जबकि चीन को 79 वें तथा भारत को 84 वां स्थान दिया गया है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के समाधान की करें तो, भ्रष्टाचार के समाधान के लिए आवश्यक है कि भ्रष्टाचार संबंधी नियम और भी सख्त हों तथा भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिले । इसके लिए सख्त और चुस्त प्रशासन अनिवार्य है । इस समस्या के निदान के लिए केवल सरकार ही उत्तरदायी नहीं है, इसके लिए सभी धार्मिक, सामाजिक व स्वयंसेवी संस्थाओं को एकजुट होना होगा । सभी को संयुक्त रूप से इसे प्रोत्साहन देने वाले तत्वों का विरोध करना होगा।

साथियों बात अगर हम 15 अगस्त 2022 को माननीय पीएम के लाल किले से भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार की करें तो उन्होंने कहा, कई लोग तो इतनी बेशर्मी तक चले जाते हैं कि कोर्ट में सजा हो चुकी हो, भ्रष्टाचारी सिद्ध हो चुका हो, जेल जाना तय हो चुका हो, जेल गुजार रहे हो, उसके बावजूद भी उनका महिमामंडन करने में लगे रहते हैं, उनकी शान-ओ-शौकत में लगे रहते हैं, उनकी प्रतिष्ठास बनाने में लगे रहते हैं। अगर जब तक समाज में गंदगी के प्रति नफरत नहीं होती है, स्चनछता की चेतना जगती नहीं है। जब तक भ्रष्टाचार और भ्रष्टांचारी के प्रति नफरत का भाव पैदा नहीं होता है, सामाजिक रूप से उसको नीचा देखने के लिए मजबूर नहीं करते, तब तक यह मानसिकता खत्म होने वाली नहीं है। और इसलिए भ्रष्टाचार के प्रति भी और भ्रष्टांचारियों के प्रति भी हमें बहुत जागरूक होने की जरूरत है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मिशन 2026 को भी अबकी बार भ्रष्टाचार पर वार का निर्णायक कालखंड बनाने की तैयारी है?। भारत को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णय कालखंड में कदम रखना जरूरी हो गया है। भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारी के प्रति नफरत सामाजिक बहिष्कार रंगे हाथ पकड़ने की मानसिकता के लिए हर नागरिक को जागरूक होना जरूरी है।

- किशन सनमुखदास भावनानी

(11 अप्रैल महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती)

सत्यशोधक ज्योतिबा फुले-जिनके विचारों ने बदली समाज की दिशा

- दिलीप कुमार पाठक

इतिहास अक्सर उन लोगों को भूल जाता है जो किसी भव्य इमारत की नींव में ईंट बनकर समा जाते हैं। लेकिन जब-जब आधुनिक भारत में न्याय और बराबरी की बात होगी, ज्योतिबा फुले का नाम सबसे ऊपर लिया जाएगा। फुले कोई पारंपरिक नेता नहीं थे, वे एक ऐसे दूरद्रष्टा शिक्षक थे जिन्होंने ब्लैकबोर्ड पर अक्षर लिखने से पहले समाज की कड़वी सच्चाइयों और गरीबों के आंसू पढ़ना सीखा था। आज हम जिस आधुनिक भारत में सांस ले रहे हैं, जहाँ महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और समाज का हर

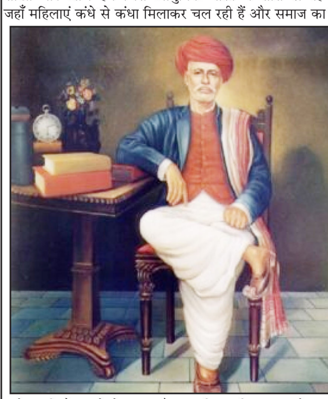

वर्ग तरक्की के सपने देख रहा है, उसकी पहली मजबूत ईंट 19वीं सदी में ज्योतिबा फुले ने ही रखी थी।वह एक ऐसा दौर था जब शिक्षा पर कुछ खास लोगों का एकाधिकार था और समाज की एक बहुत बड़ी आबादी अज्ञानता के घने अंधेरे में कैद थी। ज्योतिबा ने बहुत कम उम्र में ही यह समझ लिया था कि किसी को गुलाम बनाने के लिए लोहे की जंजीरें जरूरी नहीं होतीं, बल्कि उसे अशिक्षा के पिंजरे में कैद रखना ही काफी होता है। उन्होंने बड़ी बेबाकी से समाज को आईना दिखाते हुए कहा था- शिक्षा के बिना इंसान की बुद्धि मर जाती है और बुद्धि के बिना उसका विकास और नैतिकता हमेशा के लिए रुक जाती है।

ज्योतिबा फुले के जीवन का सबसे साहसी अध्याय उनकी जीवनसंगिनी सावित्रीबाई फुले के साथ जुड़ा है। उन्होंने किसी बड़े मंच से केवल भाषण देने के बजाय, बदलाव की शुरुआत अपने घर से की। उस कट्टर समाज की कल्पना कीजिए, जहाँ औरतों का पढ़ना एक महापाप माना जाता था, वहाँ ज्योतिबा अपनी पत्नी के हाथ में कलम और किताब थमा रहे थे। जब सावित्रीबाई स्कूल पढ़ाने निकलती थीं और उन पर गोबर और कीचड़ फेंका जाता था, तो ज्योतिबा एक चट्टान की तरह उनके पीछे खड़े रहते थे। यह उन दोनों का अटूट साहस और जिद ही थी, जिसने 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ा में लड़कियों के लिए भारत के पहले स्कूल का रास्ता खोला और सदियों पुराने बंद दरवाजे हमेशा के लिए तोड़ दिए। फुले के सुधार केवल स्कूलों की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहे।

उनकी पैनी नजर समाज की हर उस बुराई पर थी जो एक इंसान को दूसरे इंसान से छोटा समझती थी। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना की, जिसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को अंधविश्वासों के मानसिक चंगुल से बाहर निकालना था। वे केवल बातों के धनी नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने सिद्धांतों को जीकर दिखाया। जब अछूतों के लिए पानी पीना भी अपराध माना जाता था, तब उन्होंने अपने खुद के घर का पानी का टैंक उनके लिए खोल दिया। यह उस समय के कट्टरपंथी समाज के मुंह पर एक बहुत बड़ा तमाचा था। वे जानते थे कि जब तक एक आम इंसान अपनी नजरों में खुद को गौरवशाली नहीं समझेगा, तब तक वह समाज में अपना हक कभी नहीं मांग पाएगा। अक्सर हम फुले को इतिहास की एक पुरानी तस्वीर मानकर दीवार पर टांग देते हैं, लेकिन उनके विचार आज के आधुनिक युग में भी उतने ही अनिवार्य हैं। आज हमारे पास बड़ी-बड़ी डिग्रियां तो हैं, लेकिन क्या हमारे भीतर वह सामाजिक चेतना है जो फुले पैदा करना चाहते थे? उन्होंने स्पष्ट कहा था कि शिक्षा का असली मकसद केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि खुद को स्वतंत्र बनाना और समाज के प्रति संवेदनशील होना है। आज जब हम समाज में ब?ती नफरत और भेदभाव की नई दीवारें देखते हैं, तो फुले की गुलामगिरी जैसी कालजयी रचनाएं हमें याद दिलाती हैं कि असली मानसिक आजादी पाना अभी भी एक लंबा संघर्ष है। महात्मा फुले ने कभी अपने व्यक्तिगत सुख या आराम की चिंता नहीं की। अपनी प्रतिभा और पढ़ाई के दम पर वे चाहते तो एक बहुत ही समृद्ध जीवन जी सकते थे, लेकिन उन्होंने उन लोगों के लिए कांटों भरा रास्ता चुना जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े थे। यही कारण है कि जनता ने उन्हें अपने दिल से महात्मा की उपाधि दी थी। उनकी लड़ाई किसी विशेष धर्म या जाति के खिलाफ नहीं थी, बल्कि उनकी जंग उस अमानवीय व्यवस्था के विरुद्ध थी जो इंसान और इंसान के बीच ऊंच-नीच की दीवार खड़ी करती थी। वे किसानों के दुख-दर्द को भी उतनी ही शिद्दत से समझते थे और उनके शोषण के खिलाफ हमेशा ढाल बनकर खड़े रहे।

11 अप्रैल का यह दिन हमें रुककर यह आत्मचिंतन करने का मौका देता है कि हम फुले के सपनों के भारत के कितने करीब पहुँचे हैं। क्या आज हर गांव के बच्चे के हाथ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है? क्या आज भी हमारी महिलाएं समाज में पूरी तरह सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करती हैं? महात्मा फुले ने जो मशाल डेढ़ सौ साल पहले जलाई थी, उसे बुझने न देना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आइए, आज हम फुले के उन सिद्धांतों को याद करें जो कहते हैं कि ज्ञान ही वह एकमात्र प्रकाश है जो हमें अंधकार से बाहर निकालकर सम्मान का जीवन दिला सकता है। उनका संघर्ष हमें भरोसा दिलाता है कि अगर हमारे इरादे नेक हों, तो एक अकेला व्यक्ति भी वक्त की धारा को मोड़ने का दम रखता है।

अशांति की आग से कब तक झुलसता रहेगा मणिपुर ?

मणिपुर फिर जल उठा है। मणिपुर एक बार फिर से हिंसा की आग में झुलस रहा है और यह केवल एक राज्य का संकट नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गहरी चिंता का विषय बन चुका है।लोकसभा की पटल से पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि मणिपुर में जल्द ही शांति का सूरज जरूर उगेगा। उनके उस बयान पर उस समय सदन में ज्यादातर सांसनो मेज थपथपा कर अपना समर्थन दिया था। पीएम मोदी की आवाज में भी एक ऐसा विश्वास था कि सभी मान गए थे कि मणिपुर में हालात सुधर जाएंगे। अब उस बयान को दो साल पूरे होने को हैं और मणिपुर फिर जल रहा है, मणिपुर फिर कर्फ्यू का दंश झेल रहा है, कई जगहों पर इंटरनेट सस्सपेंड हो चुका है। केंद्र और राज्य सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद हालात काबू में आते नहीं दिख रहे हैं। मोहरांग क्षेत्र में हुए रॉकेट हमले में दो मासूम बच्चों की मौत ने इस संकट को और भयावह बना दिया है। मणिपुर में एक बार फिर हिंसा ने हालात को तनावपूर्ण बना दिया है. ताजा घटनाक्रम में केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल की फायरिंग में मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है. वहीं राज्य सरकार ने हालात को देखते हुए इंटरनेट सेवाओं में आंशिक राहत देने का फैसला किया है, ताकि जरूरी सेवाएं प्रभावित न हों।

मणिपुर में हालिया हिंसा के दौरान सुरक्षा बल की फायरिंग में घायल हुए एक युवक की बुधवार को मौत हो गई. मृतक की पहचान 31 वर्षीय वांगहेंगबम बॉबी के रूप में हुई है. वह बिष्णुपुर जिले के कुंबी तेराखोंग माखा लीकाई का रहने वाला था. इस मौत के बाद फायरिंग में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है. इससे पहले मंगलवार को दो लोगों की जान गई थी, जबकि कई लोग घायल हुए थे.। यह घटना सिर्फ एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस अस्थिर सामाजिक डांचे का प्रतीक है, जो पिछले कई महीनों से भीतर ही भीतर सुलग रहा था। इस दर्दनाक घटना ने न केवल स्थानीय लोगों के मन में भय और आक्रोश पैदा किया है, बल्कि पूरे देश के सामने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर मणिपुर में में शांति कब और कैसे लौटेगी। इस प्रदेश में स्थायी शांति का इंतजार काफी लंबा होता जा रहा है। रात के सन्नाटे में एक घर पर रॉकेट हमला होना, जिसमें एक पांच महीने की बच्ची और एक पांच साल के बच्चे की जान चली जाती है, यह किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक और अस्वीकार्य है। यह आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि उन परिवारों की टूटती दुनिया की कहानी है, जिनके लिए जीवन अब कभी पहले जैसा नहीं रहेगा। बिष्णुपुर जिले में इस घटना के बाद जो प्रतिक्रिया देखने को मिली, वह इस बात का संकेत है कि जनता का धैर्य अब जवाब दे रहा है। सड़कों पर उत्तरी भीड़, कर्फ्यू का लागू होना, पांच जिलों में इंटरनेट सेवाओं का बंद होना और सुरक्षा बलों की बढ़ती तैनाती ये सभी हालात की गंभीरता को दर्शाते हैं। प्रदर्शनकारियों द्वारा सुरक्षा बलों के खिलाफ हिंसक प्रतिक्रिया और जवाब में हुई फायरिंग, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, यह बताता है। है कि हालात कितने नाजुक और विस्फोटक हो चुके हैं। मणिपुर में मई 2023 से जारी जातीय हिंसा का यह नया अध्याय है, जिसकी जड़ें कहीं गहरी हैं। मैतेई और कुकी जो समुदायों के बीच बढ़ती दूरी और अविश्वास ने इस संघर्ष को लगातार हवा दी है। 27 मार्च 2023 को हाई कोर्ट के उस निर्देश के बाद, जिसमें मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर विचार करने की बात कही गई थी, स्थिति और भी संवेदनशील हो गई। कुकी और अन्य आदिवासी समुदायों को यह डर सताने लगा कि उनके अधिकारों और संसाधनों पर असर पड़ेगा। इसके बाद 3 मई 2023 को शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन धीरे-धीरे हिंसा में बदल गया और आज तक यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। सरकार ने हालात को काबू में करने के लिए कई कदम उठाए हैं। अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती, कर्फ्यू, इंटरनेट सेवाओं का निलंबन, शांति समिति का गठन और राहत शिविरों का संचालन ये सभी प्रयास इस बात का संकेत हैं कि प्रशासन स्थिति को संभालने के लिए सक्रिय है। लेकिन इसके बावजूद हिंसा का दौर जारी है। समुदायों के बीच लंबे समय से जारी हिंसा में तीन सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 1500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 50 हजार से ज्यादा लोग अब भी विभिन्न राहत शिविरों में रह रहे हैं। ऐसे में हिंसा रोकने के लिए जो कदम उठा गए हैं, उसको लेकर सवाल न सवाल यह है कि क्या ये कदम पर्याप्त हैं? क्या ये केवल तात्कालिक समाधान हैं या वास्तव में स्थायी शांति की दिशा में कोई ठोस पहल ? फरवरी 2026 में राष्ट्रपति शासन हटने और नई सरकार के गठन के बाद यह उम्मीद जगी थी कि मणिपुर में हालात सामान्य होंगे। लेकिन हालिया घटनाएं यह दर्शाती हैं कि राजनीतिक बदलाव से ज्यादा जरूरी है सामाजिक विधास का पुनर्निर्माण। जब तक विभिन्न समुदायों के बीच संवाद और विश्वास की प्रक्रिया मजबूत नहीं होगी, तब तक शांति केवल एक सपना बनी रहेगी। इस संकट ने राजनीतिक स्तर पर भी कई सवाल खड़े किए हैं। डबल इंजन सरकार की अवधारणा, जो केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय का दावा करती है, इस समय कठघरे में खड़ी नजर आ रही है। विपक्ष लगातार सरकार पर आरोप लगा रहा है कि वह इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही। वहीं सत्तारूढ़ दल के लिए भी यह चुनौती कम नहीं है, क्योंकि उसे न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखनी है, बल्कि सामाजिक संतुलन भी कायम करना है। कुकी-जो समुदाय की अलग प्रशासन की मांग इस पूरे संकट को और जटिल बना रही है। यह मांग सीधे तौर पर राज्य की एकता और अखंडता के सवाल से जुड़ी है। ऐसे में सरकार के लिए संतुलन बनाना बेहद कठिन हो गया है। एक तरफ उसे समुदायों की भावनाओं को समझना है, वहीं दूसरी ओर उसे संविधान और राष्ट्रीय एकता की रक्षा भी करनी है। मणिपुर की मौजूदा स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या केवल सुरक्षा बलों के दम पर शांति कायम की जा सकती है? इसका जवाब स्पष्ट है नहीं। शांति केवल हथियारों से नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और न्याय से स्थापित होती है। सरकार को चाहिए कि वह सभी पक्षों को एक मंच पर लाए, उनकी बात सुने और एक ऐसा समाधान निकाले जो सभी के लिए स्वीकार्य हो। इसके साथ ही, पुनर्वास और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जिन लोगों ने इस हिंसा में अपने घर, परिवार और आजीविका खो दी है, उनके लिए केवल राहत शिविर पर्याप्त नहीं हैं। उन्हें एक सम्मानजनक जीवन वापस दिलाने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं की आवश्यकता है। मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका भी इस समय बेहद महत्वपूर्ण है। उन्हें जिम्मेदारी के साथ काम करते हुए ऐसी खबरों और संदेशों को बढ़ावा देना चाहिए, जो शांति और एकता को मजबूत करें। अफवाहों और भड़काऊ सामग्री से बचना इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है। अंतत: मणिपुर का यह संकट हमें यह सिखाता है कि विविधता में एकता केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक सतत प्रयास है। जब तक हम एक-दूसरे के दर्द को समझने और साझा करने की कोशिश नहीं करेंगे, तब तक ऐसी घटनाएं बार-बार हमें झकझोरती रहेंगी। सबसे बड़ा संकट भरोसे का है। आज मणिपुर में लोग एक-दूसरे पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। समुदाय अपने-अपने इलाकों में सिमट गए हैं। राहत शिविरों में रह रहे हजारों विस्थापित लोग अपने घर लौटने से डरते हैं। ऐसे माहौल में केवल पुलिस या सेना के बल पर शांति कायम नहीं की जा सकती। शांति के लिए जरूरी है संवाद सच्चा, ईमानदार और निरंतर संवाद। सरकार को सभी समुदायों के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर उनकी चिंताओं को समझना होगा।

केवल राजनीतिक समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय समाधान की भी आवश्यकता है। इसके साथ ही, सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत करना होगा। लूटे गए हथियारों की बरामदगी, सीमावर्ती इलाकों में निगरानी, और हिंसक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई ये कदम जरूरी हैं। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि सख्ती और संवेदनशीलता के बीच संतुलन बना रहे, ताकि आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करें, न कि भयभीत। मीडिया और नागरिक समाज की भी इस समय महत्वपूर्ण भूमिका है। अफवाहों और नफरत फैलाने वाले संदेशों को रोकना, सही जानकारी लोगों तक पहुंचाना और शांति के लिए माहौल बनाना ये सभी जिम्मेदारियां साझा हैं। आज जरूरत है एक व्यापक, संवेदनशील और समावेशी दृष्टिकोण की। सरकार, राजनीतिक दलों, नागरिक समाज और आम जनता सभी को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा, क्योंकि मणिपुर की शांति केवल वहां के लोगों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश की एकता और अखंडता के लिए जरूरी है।इस अशांति के पीछे छिपे विदेशी ताकतों के दुष्प्रयासो को भी नाकाम करना होगा ।

-मनोज कुमार अग्रवाल

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। पूछपरख रहने से शुक्रवार को दलहनों में चने में बाजार मजबूती के रहे। तुअर व उड़द में भाव बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा रहा। तिलहनों में सरसो व रायडा मामूली लटक पर रहा। किराना जिंसों में कालीमिर्च अच्छे मालों में मजबूत रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में निचले स्तरों पर माँग आने से बाजार मजबूती के रहे। तुअर व उड़द में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सरसो व रायडा मामूली लटक पर देखा गया। उधर, किराना जिंसों में कालीमिर्च बाजार अच्छे मालों में बड़त पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4160-4200, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2450-2500, (160) 2700-2750, (200) 2600-2650, (250) 2300-2400

तेल- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1760, राजकोट तेलिया 2730, सोया साल्वेंट 1465-1470, सोया रिफाइंड 1530-1535, कपास्या 1450, धूलिया 1450, कड़ी 1460,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700-1725, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1560,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3725 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7200-7300, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5660-5725, एवरेज 5500-5550, विशाल 5600-5650, महाराष्ट्र विशाल 5650-5675, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 7100-7200, हल्की 7000-7200, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2300-2400, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3200, सेला 3500-3700, परमल 3300-3500, दुबराज 4500-5600, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 238000, चाँदी (99) 237800, टंच 237000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151800,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 35 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.85 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 10 पैसे की तेज होकर 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.58 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को तीन पैसे की मामूली बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 98.69 पर रहा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से बाजार में ये तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 918.60 अंक बढ़कर 77,550.25 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 275.50 अंक उछलकर 1.10 24,050.60 पर बंद हुआ। बाजार में बढ़त ऑटो स्टॉक्स में तेजी से आई है। इस कारण निफ्टी ऑटो में सबसे अधिक 2.85 फीसदी की तेजी रही जबकि निफ्टी रियल्टी में 2.08 फीसदी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 2.06 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 2.01 फीसदी, निफ्टी की तेजी के साथ बंद हुआ। सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 1.91 फीसदी गिरावट पर बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी उछाल आया। निफ्टी मिडकैप

100 इंडेक्स 865.20 अंक बढ़कर 57,843.95 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 274.10 अंक ऊपर आकर 16,840.10 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, इंडिगो, एसबीआई, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, एचयूएल, पावर ग्रिड, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, बीईएल और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे थे जबकि सन फार्मा, इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयर गिरे हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत हुई। सेंसेकस 77,198 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 577.35 अंक की बढ़त के साथ 77,209 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी 50 भी मजबूती के साथ 23,880 पर खुला। एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों ने भी बाजार को सपोर्ट दिया। हालांकि, वैश्विक स्तर पर यूएस-ईरान तनाव अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। इस कारण निवेशक पूरी तरह बेफिक्र नहीं हैं और सतर्कता के साथ निवेश कर रहे हैं।

आईटीआर फॉर्म जारी, इस महीने शुरू हो सकती है फाइलिंग

नई दिल्ली। एजेंसी। आयकर विभाग ने असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फॉर्म जारी कर दिए हैं। अब जल्द ही यूटिलिटीज जारी होने के बाद टैक्सपेयर्स रिटर्न फाइल कर सकेंगे। इस बार आईटीआर-1 फॉर्म में अहम बदलाव किया गया है। आयकर विभाग ने 2026-27 के लिए आईटीआर फॉर्म नोटिफाई कर दिए हैं, जिससे टैक्सपेयर्स के लिए रिटर्न फाइलिंग की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद है। आमतौर पर विभाग पहले फॉर्म जारी करता है और उसके बाद ऑनलाइन व ऑफलाइन यूटिलिटीज उपलब्ध कराई जाती हैं। संभावना है कि अप्रैल महीने में ही फाइलिंग की सुविधा शुरू हो जाए। हालांकि, सैलरीड कर्मचारियों को रिटर्न दाखिल करने से पहले फार्म 16 का इंतजार करना होगा, जो आमतौर पर मई या जून में जारी होता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि 1 अप्रैल 2026 से नया इनकम टैक्स एक्ट, 2025 लागू हो चुका है, लेकिन वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दाखिल किए जाने वाले रिटर्न अभी भी पुराने इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के नियमों के तहत ही भरे जाएंगे। इस साल आईटीआर-1 (सहज) फॉर्म में बड़ा बदलाव किया गया है। अब करदाता इसमें दो मकानों तक की आय घोषित कर सकते हैं, जबकि पहले एक से अधिक हाउस प्रॉपर्टी होने पर आईटीआर-2 या आईटीआर-3 भरना पड़ता था। हालांकि, जिनकी बिजनेस या प्रोफेशनल इनकम है या सेक्शन 112ए के तहत 1.25 लाख रुपये से अधिक का कैपिटल गेन है, वे आईटीआर-1 का उपयोग नहीं कर पाएंगे। आयकर रिटर्न फाइल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। रिटर्न दाखिल करने के बाद ई-वेरिफिकेशन अनिवार्य है, अन्यथा 30 दिनों के भीतर आईटीआर-वी की हार्ड कॉपी जमा करनी होगी।

भारत एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाए, बढ़ेगी दक्षता और घटेगा लाभों का दोहरावएडीबी

नई दिल्ली। एजेंसी। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भारत को सलाह दी है कि वह अपनी सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाए। इससे न केवल योजनाओं में दोहराव कम होगा, बल्कि लाभार्थियों तक सहायता बेहतर तरीके से पहुंच सकेगी और सरकारी खर्च अधिक संतुलित होगा। एडीबी ने अपनी एशिया डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट में भारत की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। बैंक ने कहा है कि भारत को एक एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाना चाहिए, जिससे विभिन्न योजनाओं के बीच समन्वय बढ़े और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों की कई योजनाएं समान लाभार्थी समूहों को कवर करती हैं, लेकिन इनके बीच समन्वय सीमित है। इसके कारण कई बार एक ही व्यक्ति या परिवार को अलग-अलग योजनाओं से समान प्रकार के लाभ मिल जाते हैं, जिसे लाभों का दोहराव कहा जाता है। एडीबी ने सुझाव दिया कि पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दिव्यांगता कवरेज जैसी प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को एक साझा ढांचे में जोड़ा जाए। इसमें अंशदायी योजनाओं को भी शामिल किया जा सकता है, जिससे लाभ वितरण अधिक व्यवस्थित और लक्षित हो सके। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सामाजिक सुरक्षा की जरूरतें राज्यों की जनसंख्या संरचना, रोजगार पैटर्न और वित्तीय क्षमता के अनुसार अलग-अलग होती हैं। इसलिए एकीकृत ढांचा राज्यों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार लचीलापन देगा। मनीला स्थित इस बहुपक्षीय संस्था ने यह भी बताया कि इस सुधार से सरकारें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की सुरक्षा भूमिका को बनाए रखते हुए राजकोषीय लागत को नियंत्रित कर सकेंगी। इससे बचने वाले संसाधनों को बुनियादी ढांचे और मानव पूंजी जैसे क्षेत्रों में लगाया जा सकता है, जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए जरूरी हैं।

मेष- आज का दिन खर्चों पर काबू रखने की चुनौती देगा। नौकरी और पैसों के मामलों में व्यस्तता रहेगी और कुछ अनचाहे खर्चों को मजबूरी में उठाना पड़ सकता है। संतान की सेहत चिंता का कारण बन सकती है और पारिवारिक मामले भी मन को बेचैन करेंगे। घूमते-फिरते किसी महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुंचना संभव है और बिजनेस में बदलाव आपके लिए लाभदायक साबित होंगे।आज आपको लाइफ में एक ऐसी क्लैरिटी मिलेगी, जिससे आप समझ पाएंगे कि असल में आपके लिए क्या जरूरी है। ध्यान रहे, जब आप लॉजिक और इमोशनल बैलेंस को एक साथ लेकर चलते हैं, तो आपके फैसले और भी ज्यादा मजबूत और असरदार हो जाते हैं।

वृषभ- आज आपके मन में किसी काम को लेकर हलचल बनी रहेगी। मेहनत पर भरोसा रखकर आगे बढ़ें। सामाजिक गतिविधियों में रुचि रहेगी और गुस्से को कंट्रोल करना जरूरी होगा। अनजान लोगों से दूरी बनाकर चलें। बिजनेस में समस्या आए तो पार्टनर से खुलकर बात करें, तभी काम सुचारू रूप से आगे बढ़ पाएगा। आपका यही प्रैक्टिकल माइंडसेट आपको भविष्य के लिए कुछ भरोसेमंद और टिकाऊ बनाने में मदद कर रहा है।

मिथुन- आज दिन व्यस्तता और काम के दबाव से भरा रहेगा। जरूरी काम कल पर टालने से बचें। पारिवारिक मामलों को बैठकर निपटाना बेहतर रहेगा। जीवनसाथी के साथ नए काम की शुरुआत आपके लिए उत्साहजनक होगी। मन में किसी बात की परेशानी है तो पिताजी से साझा करें। रुका काम पूरा होने की संभावना है। आस-पड़ोस में बिना मांगे सलाह देने से बचें।

कर्क- आज जिम्मेदारी का दिन है। नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा और निवेश में लाभ संभव है। खान-पान में सुधार करें और लापरवाही से बचें। मन की इच्छाओं की पूर्ति खुशी देगी। वैवाहिक जीवन में संतुलन रहेगा और काम की भाग-दौड़ बनी रहेगी। अपनी अगली मंजिल तय करने के लिए आज का दिन बहुत शानदार है।

सिंह- आज चुनौती भरा दिन है। दोस्तों और परिवार का पूरा साथ मिलेगा। दूसरों के मामलों में बेवजह बोलने से बचें। आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी और लंबी दूरी की यात्रा का योग बन सकता है। काम समय पर निपटाना आवश्यक है। दूर रहे परिजन याद आएंगे और विद्यार्थी नौकरी से जुड़े कोर्स की तैयारी कर सकते हैं। दोस्तों के साथ मिलना-जुलना या अपनों का सपोर्ट आपको बहुत पॉजिटिविटी देगा। इससे आप अपने लक्ष्यों की तरफ फिर से पूरी एनर्जी और मोटिवेशन के साथ बढ़ पाएंगे।

कन्या- आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरतों के लिए लाभकारी रहेगा। मान-सम्मान में वृद्धि और आर्थिक सफलता मिलने की संभावना है। नौकरी के लिए अच्छा ऑफर मिल सकता है। माता-पिता से संपत्ति को लेकर वाद-विवाद हो सकता है। वाणी पर संयम रखें और यात्रा से लाभ मिल सकता है।

तुला- आज मिश्रित परिणाम मिलेंगे। ईर्ष्या-द्वेष से बचें और दबाई गई शारीरिक समस्या को नजरअंदाज न करें। सगे संबंधियों से मिलने का मौका मिलेगा। जीवनसाथी से चल रही अनबन दूर होगी और दोनों मिलकर कहीं घूमने भी जा सकते हैं। अपनी तरफ से कोई भी अंदाजा न लगाएं और किसी भी बात को पूरी तरह समझने के लिए समय लें।

वृश्चिक- आज भाग्य आपका साथ देगा। मेहनत का फल मिलेगा और इन्कम बढ़ाने के स्त्रोतों पर ध्यान देना लाभदायक रहेगा। कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में सफलता मिल सकती है। अनबन बातचीत से दूर होगी। भाई-बहनों से सहयोग मिलेगा और मित्रों की संख्या में भी इजाफा होगा।

धनु- आज दिन अनुकूल रहेगा। धार्मिक आयोजनों में सम्मिलित होंगे। राजनीति में काम कर रहे लोगों को ज्यादा उत्साहित न होना चाहिए। रहन-सहन सुधारने की कोशिश करेंगे और खान-पान में नई चीजें शामिल कर सकते हैं। कामों में बदलाव न करें और पुरानी कड़वाहट को बातचीत से दूर करने का प्रयास करें। अपनी रफ्तार कम न होने दें, बड़ी सफलता आपका इंतजार कर रही है।

मकर- आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। नए काम की शुरुआत सोच सकते हैं। अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखें। निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। साझेदारी में नया काम शुरू हो सकता है। साथी के साथ रोमांटिक समय व्यतीत होगा। पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है।

कुंभ- आज का दिन खास रहेगा। दांपत्य जीवन में तालमेल बनाए रखें। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। विरोधी काम में बाधा डालेंगे, लेकिन सफलता आपके कदम चूमेगी। संतान पर ध्यान दें। घूमने जाने की योजना बन सकती है। नौकरी में समस्या हो तो नए विकल्प पर विचार कर सकते हैं।

मीन- आज आपकी कोई मनोकामना पूरी हो सकती है। जीवनसाथी के लिए गिफ्ट लाने का मौका मिलेगा। माता-पिता की सेवा में समय निकालेंगे। कार्यक्षेत्र की समस्या को लेकर बॉस से बातचीत करने से रिश्ते मजबूत होंगे। वाहन सावधानी से चलाएं। बिजनेस को विस्तार देने के प्रयास में रहेंगे।

शब्दजाल- 8225

कृ	श	मु	श	सी	क	हो	ना	प्या	र	हैं
ष	क्रि	ल	ना	तु	म	जा	नो	ना	ह	म
य	के	या	है	नि	ल	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	दें	न	शा	व	क्ष	क	ले	ज	क
प	दा	ह	मी	ने	तो	हो	थ	गो	भी	त
को	स	क	प	श	स	ए	व	ख़ु	वॉ	व
द	ई	न	न	जी	न	ह	शी	गो	ली	द
क	र	मि	प	क्ष	प	क	र	चो	आ	ख
र	व	त	ल	रा	भी	त	श्मी	अ	शा	अ
क	र	ल	प	ग	ज	ता	रे	र	ह	द
क	ह	रि	म	श	या	चि	मु	की	फि	जा

शब्दजाल में ऋतिक रोशन की १० फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

कृष, कोई मिल गया, कभी खुशी कभी गम, फिज़ा, कहोना प्यार है, मीशन कश्मीर, यादें, ना तुम जानो ना हम, लक्ष्य, आशा.

शब्दजाल - 8224 का हल

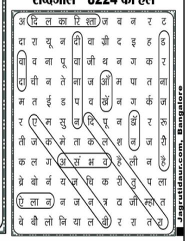

फिल्म वर्ग पहेली - 7169

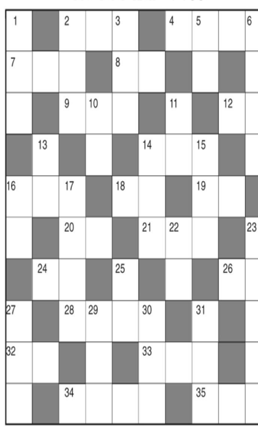

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7168

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	05.57 बजे से
चंद्र	मकर में	वृष	07.37 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.35 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.48 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.04 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.16 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.27 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.42 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.58 बजे से
		मकर	01.03 बजे से
		कुंभ	02.49 बजे से
		मीन	04.22 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 101 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण **तिथि** नवमी 00.38 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 13.40 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 18.39 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 12.02 बजे तदनन्तर गर 00.38 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 22.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 14'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872676
जूलियन दिन 2461141.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः जनक की परीक्षा

महाराज जनक के राज्य में एक तपस्वी रहता था। एक बार किसी बात को लेकर जनक उससे नाराज हो गए। उन्होंने उसे अपने राज्य से बाहर चले जाने की आज्ञा दी। इस आज्ञा को सुनकर तपस्वी ने जनक से पूछा, 'महाराज, मुझे बता दीजिए कि आपका राज्य कहां तक है क्योंकि तब मुझे आपके राज्य से निकल जाने का ठीक-ठीक ज्ञान हो सकेगा।' महाराज जनक स्वभावतः विरक्त तथा ब्रह्माज्ञानी थे। तपस्वी के इस प्रश्न को सुनकर वह सोच में पड़ गए। पहले तो संपूर्ण पृथ्वी पर ही उन्हें अपना राज्य तथा अधिकार दिखा। फिर मिथिला नगरी पर वह अधिकार दिखने लगा। आत्मज्ञान के झोंके में पुनः उनका अधिकार घटकर प्रजा पर, फिर अपने शरीर में आ गया और अंत में कहीं भी उन्हें अपने अधिकार का भान नहीं हुआ। उन्होंने तपस्वी को अपनी स्थिति समझाई और कहा,' मेरा किसी वस्तु पर भी अधिकार नहीं है। आपकी जहां रहने की इच्छा हो, वहीं रहें और जो इच्छा हो, भोजन करें।' इस बात पर तपस्वी को आश्चर्य हुआ। उसने पूछा, 'महाराज, आप इतने बड़े राज्य को अपने अधिकार में रखते हुए किस तरह सब वस्तुओं से तटस्थ हो गए हैं और क्या समझकर पहले पृथ्वी पर अधिकार की बात सोच रहे थे?' जनक ने कहा, 'संसार के सब पदार्थ नश्वर हैं। शास्त्रानुसार न कोई अधिकार ही सिद्ध होता है और न कोई अधिकार-योग्य वस्तु ही। अतएव मैं किसी वस्तु को अपना कैसे समझूं? अब जिस बुद्धि से सारे विश्व पर अपना अधिकार समझता हूं, उसे सुनिए। मैं अपने संतोष के लिए कुछ भी न कर देवता, पितर, भूत और अतिथि-सेवा के लिए करता हूं। अतएव पृथ्वी, अग्नी, जल, वायु, आकाश और अपने मन पर भी मेरा अधिकार है।' जनक के इन वचनों के साथ ही तपस्वी ने अपना चोला बदल दिया। वह बोला, 'महाराज, मैं धर्म हूं। आपकी परीक्षा के लिए तपस्वी वेश में आपके राज्य में रहता आया हूं। अब भलीभांति समझ गया कि आप सत्वगुणरूप नेमियुक्त बह्ममाप्रतिरूप चक्र के संचालक हैं।'

सूडोकु नवताल- 7478

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7477 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8693

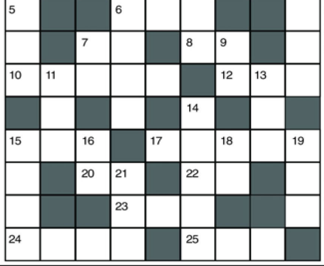

बाएँ से दाएँ

1. अभिप्राय, अभिव्यक्ति-3
3. सादापन, भोलापन-4
6. अवश्य-3
7. कांच का मर्तबान-2
8. पानी से सराबोर-2
10. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12. उद्धार, उत्कृष्ट-3
15. माला का मोती-3
17. सेवक, रोगी की देखभाल करने वाला-5
20. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22. चलने का ढ़ंग-2
23. गर्भ-3
24. निम्न, निकृष्ट-4
25. कथा, गाथा-3

ऊपर से नीचे

2. कमरे में बंद करना-5
3. ईमान, नियत-3
4. क्षारीय-4
5. दीदार-3
7. आशिक, यार-2
9. एक विदेशी मदिरा-2
11. लीन, व्यस्त, मशगूल-3
13. उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15. मतवाला, उन्मादी-4
16. चाचा, अंकल-2
18. पैंतरा, वेग-2
19. काफी, कोको -3
21. गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -8692 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

परचून किराना गाड़ी की आड़ में शराब की तस्करी

पुलिस ने ब्लेंडर प्राईड व्हिस्की की 108 बोतल कीमत 1 लाख 62 हजार रूपये की शराब जप्त

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी पुलिस को अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। खुफिया सूचना के आधार पर परचून किराना गाड़ी की आड़ में तस्करी की जा रही 9 पेटी अवैध शराब लांजी पुलिस ने बरामद की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 9 एवं 10 अप्रैल के मध्य रात्रि तकरीबन 1 बजे बालाघाट की ओर से आ रही एक किराना (परचून) लोडेड गाड़ी क्रमांक एमपी 50 जेई 2199 में शराब की तस्करी हो रही थी। लांजी थाना पुलिस को मुखबिर से मिली विश्वसनीय सूचना पर टीम ने गाड़ी को रोका और सघन जांच की। जांच के दौरान उक्त वाहन से ब्लाइंडर प्राइड की 9 पेटी कुल 81 लीटर विदेशी अवैध शराब कीमत 1 लाख 62 हजार रूपये की बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ही वाहन को जप्त कर लिया और चालक सहित संबंधित व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आरोपी का नाम नाम पता पुछने पर अपना नाम उज्जवल उर्फ भोला ठाकरे पिता ज्ञानेन्द्र ठाकरे, उम्र 26 वर्ष निवासी कोसमी थाना नवेगांव, हाल मुकाम भानेगांव निवासी बताया गया है। जो कि उक्त किराना वाहन में कुलर, चांवल की बोरियों सहित अन्य सामग्री के साथ अंग्रेजी शराब की तस्करी कर रहा था जो कि शराब को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य के खैरागढ़ जिला ले जाया जा रहा था जिसें पुलिस ने जप्त कर लिया है। वहीं इस तस्करी में एक और आरोपी फरार बताया जा रहा है जिसकी पुलिस को तलाश है। लांजी पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमाक 111/26 धारा 34-2 आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर हिरासत में लिये आरोपी उज्जवल ठाकरे को न्यायालय में पेश किया गया है। तथा जप्त 9 पेटी ब्लेंडर प्राईड व्हिस्की अंग्रेजी शराब कुल 108 बोतल, कुल 81 लीटर कीमत 1 लाख 62 हजार रूपये शराब जप्त कर आवश्यक कार्यवाही की गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर सतर्क नजर रखी जा रही है। इस तरह की गतिविधियों पर लगातार निगरानी बढ़ाई गई है और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाइयाँ जारी रहेंगी। मामले की गहन जांच चल रही है और इसमें शामिल अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है।

अमरनाथ यात्रा के लिए 15 अप्रैल से शुरू होगा पंजीकरण, आधार कार्ड रखना जरूरी

नई दिल्ली। बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 मई है। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने इसकी घोषणा की है। यह पंजीकरण देश भर के तय बैंक शाखाओं में होगा। यात्रा परमिट पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर मिलेगा। अमरनाथ यात्रा की तारीख जल्द सामने आएगी। देश के कुल 554 बैंक शाखाओं में पंजीकरण होगा। हर बैंक शाखा को रोज एक तय संख्या दी गई है। हर रास्ते के लिए अलग कोटा होगा। 13 साल से कम उम्र के बच्चों का पंजीकरण नहीं होगा। 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों का भी पंजीकरण नहीं होगा। 6 हफ्ते से ज्यादा गर्भवती महिलाओं का भी पंजीकरण नहीं होगा । इस बार पंजीकरण आधार से होगा। हर यात्री को बायोमैट्रिक ई-केवाईसी के बाद परमिट मिलेगा। यह प्रक्रिया एनआईसी पोर्टल पर होगी। अगर तकनीकी समस्या आई, तब मैनुअल तरीका भी अपनाया जाएगा। यात्रा के इच्छुक लोग बैंक में फोटो और डेटा लेकर पंजीकरण कर सकते है। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड जरूरी है। हेल्थ सर्टिफिकेट भी जरूरी होगा। मोदी और राज्य सरकार की कोशिश रहेगी इस यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल पाए। यात्रा को आरामदायक बनाने पर जोर है।

जीएसटी इंस्पेक्टर बने डोमेश चिचले, मेहनत और लगन से हासिल की बड़ी सफलता

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवा डोमेश चिचले ने कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर जीएसटी विभाग में इंस्पेक्टर पद पर चयनित होकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस सफलता से परिवार, गांव और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है तथा युवाओं के लिए प्रेरणा का संदेश गया है। डोमेश चिचले के पिता श्यामलाल चिचले वन विभाग लांजी में डिप्टी रेंजर के पद पर कार्यरत हैं, जबकि माता श्रीमती शशिकला चिचले गृहणी हैं। वे मूलतः ग्राम मुंडेसरा, तहसील किरनापुर के निवासी हैं। साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य को लेकर निरंतर प्रयास किया और सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचे।

डोमेश ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कक्षा पहली से बारहवीं तक लांजी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में पूरी की। छात्र जीवन से ही वे पढ़ाई में मेधावी रहे और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का सपना संजोए रखा। उच्च शिक्षा के लिए वे इंदौर गए, जहां उन्होंने समर्पण और अनुशासन के साथ अध्ययन करते हुए अपने लक्ष्य को साकार किया।

डोमेश की इस उपलब्धि पर उनके बड़े पापा मंगलप्रसाद चिचले, चाचा ओमकार चिचले, भाई राजेन्द्र चिचले, बड़ी बहन कुमारी पूजा चिचले सहित परिजनों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताया है। डोमेश चिचले की सफलता यह साबित करती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, सही दिशा और निरंतर मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

गुजरात से फरार और कुख्यात ड्रग तस्कर के बड़े नेटवर्क का मुंबई में पर्दाफाश

गुजरात से फरार होकर मुंबई में छिपा था ड्रग तस्कर

मुंबई। गुजरात पुलिस के रेकार्ड में एक भगोड़े और कुख्यात तस्कर ने मुंबई में एक बहुत ही आम जगह से करोड़ों का रैकेट खड़ा कर दिया। लेकिन मुंबई पुलिस ने इस हाई-प्रोफाइल नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है और आरोपी और उसकी पत्नी के साथ एक साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी मोहम्मद आरिफ मोहम्मद इलियास शेख गुजरात में ड्रग तस्करी के एक मामले में पहले से ही दोषी है। वह 2023 में जेल से पैरोल पर रिहा होने के बाद फरार हो गया था। जब वह सूरत की लाजपोर जेल में अपनी सजा काट रहा था, तब गुजरात पुलिस उसे ढूंढ रही थी। मुंबई पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी मोहम्मद आरिफ मोहम्मद इलियास शेख पहले से ही गुजरात में ड्रग्स तस्करी के मामले में दोषी था। वह 2023 में पेरोल पर जेल से बाहर आने के बाद फरार हो गया था। वह सूरत की लाजपोर जेल में सजा काट रहा था और तभी से गुजरात पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। फरार होने के बाद आरोपी मुंबई आ गया और सांताक्रूज पूर्व में अपनी पत्नी नसरीन के साथ रहने लगा। उसने पुलिस से बचने के लिए रहने और अवैध काम के लिए अलग-अलग जगहें चुनीं। अंधेरी के सहार रोड स्थित एक चॉल में मात्र 13 हजार रुपये किराए पर कमरा लिया और इसी छोटे से कमरे में वह गुप्त रूप से एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स तैयार करता था। जांच में सामने आया कि वह हर महीने करीब 25 से 30 करोड़ रुपये का ड्रग्स बनाकर नेटवर्क के जरिए सप्लाई करता था। संदेह से बचने के लिए वह अपने इलाके में ड्रग्स की सप्लाई नहीं करता था। खार पुलिस ने गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा जिसके पास से 15.44 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुआ। पूछताछ में उसने पूरे नेटवर्क और आरोपी की पहचान उजागर कर दी। इसके बाद पुलिस ने अंधेरी स्थित ठिकाने पर छापा मारकर ड्रग्स बनाने के उपकरण एवं केमिकल्स बरामद किए। पुलिस को शक है कि छापेमारी से पहले आरोपी के साथी रिजवान अहमद ने सबूत मिटाने की कोशिश की थी। बाद में उसे उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पत्नी नसरीन इस अवैध धंधे का आर्थिक संचालन कर रही थी। पुलिस ने उसके बैंक खाते में जमा 26 लाख रुपये फ्रीज कर दिए हैं, जिन्हें ड्रग्स की कमाई माना जा रहा है।

विश्व होम्योपैथिक दिवस पर घोटी में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। संचालनालय आयुष विभाग भोपाल के आदेशानुसार तथा जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर मिलिंद चौधरी के मार्गदर्शन में डॉ. सैमुअल हैनीमैन जी के जन्मदिन के अवसर पर विश्व होम्योपैथिक दिवस वर्ष 2026 का आयोजन 10 अप्रैल 2026 को ग्राम पंचायत घोटी में किया गया। इस अवसर पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें शुगर तथा रक्तचाप की जांच की गई। शिविर में आए सभी हितग्राहियों का नि:शुल्क इलाज किया गया तथा उन्हें होम्योपैथिक एवं आयुर्वेदिक दवाइयाँ नि:शुल्क प्रदान की गईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत घोटी के सरपंच श्रीचंद कामड़े तथा पंचगण उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में डॉ. प्रीतेश माटे, डॉ. ओ.पी. नेवारे, होम्योपैथिक फार्मासिस्ट प्रहलाद रणदिवे, शासकीय होम्योपैथिक औषधालय लांजी के स्टाफ तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर नंदोरा, घोटी, देवलगांव के समस्त स्टाफ सदस्यों ने अपनी सेवाएँ दीं। शिविर में कुल 130 हितग्राहियों ने लाभ लिया, जिनमें होम्योपैथिक चिकित्सा से 62 तथा आयुर्वेदिक चिकित्सा से 68 हितग्राही शामिल रहे।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को तेलंगाना हाईकोर्ट ने एक सप्ताह की अंतरिम जमानत दी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को बड़ी राहत मिली है। तेंलगाना की अदालत ने उन्हें एक सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। तेलंगाना हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि नियमित जमानत के लिए उन्हें निर्धारित समय के अंदर सक्षम अदालत के पास जाना होगा। मामले में फैसला न्यायमूर्ति के. सुजाना ने सुनाया, जिन्होंने एक दिन पहले कांग्रेस नेता की याचिका पर सुनवाई की थी। यह आदेश उस समय में आया है जब कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा 7 अप्रैल से जांच एजेंसियों की नजरों से दूर बताए जा रहे थे। दरअसल, असम और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर खेड़ा से पूछताछ करने उनके दिल्ली स्थिति आवास पर पहुंची थी, लेकिन वे वहां मौजूद नहीं मिले। यह कार्रवाई उस मामले में हो रही थी जिसमें कांग्रेस नेता खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी पर तीन विदेशी पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था।

इस बीच, कांग्रेस नेता खेड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने अदालत में अपना आवासीय पता हैदराबाद बताकर गिरफ्तारी की स्थिति में राहत देने की मांग की। बताया जा रहा है कि उनका तेलंगाना से पारिवारिक संबंध है और हैदराबाद में उनका निजी निवास भी है। साथ ही, राज्य में कांग्रेस की सरकार होने को भी इस कदम से जोड़कर देखा जा रहा है।

मामले ने तूल तब पकड़ा जब खेड़ा ने प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी सरमा पर गंभीर आरोप लगाए। खेड़ा ने दावा किया कि रिनिकी के पास तीन अलग-अलग देशों के पासपोर्ट हैं और उनके समर्थकों के पास इसतरह के दस्तावेज हैं जो इस कथित खुलासे को साबित करते हैं। उन्होंने इस स्वतंत्र भारत की राजनीति में एक बड़ा मामला बताया।

हालांकि, सीएम सरमा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर पूरी तरह निराधार, दुर्भावनापूर्ण और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि खेड़ा जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले सरमा ने तंज कसते हुए कहा था कि जो व्यक्ति पहले गिरफ्तारी की चुनौती दे रहा था, वहीं अब जांच से बचने के लिए हैदराबाद चला गया है। तब सीएम हिमंता ने कहा था कि वह और उनकी पत्नी अगले 48 घंटों के भीतर खेड़ा के खिलाफ आपराधिक और दीवानी, दोनों तरह के मानहानि के मुकदमे दायर करने वाले है।

सुनवाई के दौरान खेड़ा का प्रतिनिधित्व कर रहे कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि यह मामला असम सरकार की राजनीतिक बदले की भावना का परिणाम है। हालांकि, असम सरकार के वकील जनरल देवजीत सैकिया ने इस बात से इंकार किया। वकील सैकिया ने कहा कि खेड़ा की याचिका तेलंगाना उच्च न्यायालय में सुनवाई योग्य नहीं है, लेकिन कांग्रेस नेता ने हैदराबाद स्थित अपना आवासीय पता प्रस्तुत किया।

सिंघवी ने तर्क दिया कि कांग्रेस नेता खेड़ा समाज में गहरी जड़ें जमा चुके हैं और एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती हैं। हम संवैधानिक मनमानी के युग में नहीं जी रहे हैं। हम इसतरह युग में नहीं जी रहे हैं जहां बंदूक निकालकर असम से 100 लोगों को निजामुद्दीन (खेड़ा को गिरफ्तार करने के लिए) भेजा जाए, जबकि शिकायत में मानहानि का आरोप लगाया गया है। जवाब में, सैकिया ने कहा कि असम कोई लोकतांत्रिक गणराज्य नहीं है और पूर्वोत्तर राज्य में कानून का पालन होता है।

विश्व बैंक अध्यक्ष अजय बंग्गा ने भारत के डेयरी कोऑपरेटिव मॉडल की तारीफ की

नई दिल्ली। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंग्गा ने वैश्विक विकास नीति में रोजगार सृजन को सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि विकास केवल परियोजनाओं और निवेश तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका अंतिम लक्ष्य बड़े पैमाने पर रोजगार और आर्थिक मौके पैदा करना होना चाहिए। यह बयान उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान दिया। विश्व बैंक अध्यक्ष बंगा ने स्पष्ट किया कि विकास कोई चैरिटी नहीं, बल्कि एक रणनीतिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य स्थिर और समावेशी आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि आने वाले 15 वर्षों में लगभग 1.2 अरब युवा कामकाजी उम्र में प्रवेश करने हैं, जबकि उनके लिए पर्याप्त रोजगार अवसर पैदा करना एक बड़ी वैश्विक चुनौती होगी। यदि इन युवाओं को नौकरी नहीं मिलती, तब इससे सामाजिक अस्थिरता, निराशा और बड़े पैमाने पर पलायन जैसी समस्याएँ बढ़ सकती हैं। उन्होंने रोजगार सृजन के लिए एक तीन-स्तरीय ढांचे का प्रस्ताव दिया। पहला स्तंभ बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन विकास पर केंद्रित है, जिसमें सड़क, ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सेवाओं को मजबूत करना शामिल है। दूसरा स्तंभ नीतिगत और प्रशासनिक सुधारों पर आधारित है, ताकि छोटे और बड़े व्यवसायों को आसानी से संचालन और विस्तार का अवसर मिल सके। तीसरा स्तंभ निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए वित्तीय नवाचारों जैसे ब्लेंडेड फाइनेंस और बीमा तंत्र तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही, उन्होंने रोजगार निर्माण के लिए पाँच प्रमुख क्षेत्रों को महत्वपूर्ण बताया—इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ, मूल्य संवर्धित विनिर्माण और पर्यटन। उनका मानना है कि इन क्षेत्रों में निवेश से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं। इस मौके विश्व बैंक के अध्यक्ष बंगा ने भारत के सहकारी क्षेत्र, विशेषकर डेयरी कोऑपरेटिव मॉडल, को एक सफल उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह मॉडल दिखाता है कि कैसे तकनीक और संगठनात्मक संरचना मिलकर छोटे उत्पादकों को बेहतर बाजार और उचित मूल्य दिला सकते हैं। उनके अनुसार, भारत में सहकारी मॉडल ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि रोजगार सृजन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, तब इसके गंभीर वैश्विक परिणाम हो सकते हैं। विकास रणनीति को प्रत्येक देश की परिस्थितियों के अनुसार ढालने की आवश्यकता है, खासकर उन देशों में जहाँ संघर्ष या कमजोर शासन व्यवस्था है। अंत में उन्होंने जोर दिया कि वर्ल्ड बैंक अब इनपुट-आधारित मापदंडों से हटकर परिणाम-आधारित विकास मॉडल की ओर बढ़ रहा है, जिसमें वास्तविक रोजगार और आर्थिक विकास को प्रमुख संकेतक माना जाएगा।

केरल में बंपर वोटिंग के बाद एलडीएफ और यूडीएफ के अपने-अपने दावे

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनाव में मतदान प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही सियासी जंग का मैदान बदल चुका है। चुनावी शोर थम चुका है, लेकिन अब सबकी नजरें 4 मई पर टिकी हैं, जब जनता का फैसला सामने आएगा। वोटिंग खत्म होने के बाद राजनीतिक दलों में सन्नाटा जरूर है लेकिन अंदरखाने की रणनीतियों का दौर तेज हो गया है। सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ), जिसकी अगुवाई मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन कर रहे हैं, पूरी तरह आत्मविश्वास से भरे दिख रहे है। पार्टी और उन्हें पूरी उम्मीद है कि अपने कामकाज और स्थिर शासन के दम पर वह लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटकर इतिहास रचने वाले है। वहीं, कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) भी पीछे नहीं है। विपक्ष का दावा है कि इस बार जनता बदलाव के मूड में है और यह चुनाव सरकार के खिलाफ जनमत संग्रह साबित होगा। इस पूरे मुकाबले में एक नया दिलचस्प मोड़ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर के बयान से आया है। उन्होंने मतदान के बाद अनुमान जताया है कि इस बार केरल में त्रिशंकु विधानसभा बन सकती है, जिसमें भगवा पार्टी किंगमेकर की भूमिका निभा सकती है। खासकर नेमोम सीट पर उनकी हाई-प्रोफाइल लड़ाई पर सभी की नजर है, जिस इस चुनाव का प्रतीकात्मक मुकाबला माना जा रहा है। गुरुवार देर रात तक राज्य में मतदान प्रतिशत 78.02 प्रतिशत दर्ज किया गया। अंतिम आंकड़े आने बाकी हैं और उम्मीद है कि यह आंकड़ा 80 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। गौरतलब है कि पिछली बार 1980 में ही मतदान 80 प्रतिशत के पार गया था। राजनीतिक दल पुराने चुनावी रुझानों का भी सहारा ले रहे हैं। वामपंथी गुट का मानना है कि ज्यादा मतदान उनके पक्ष में जाता है, जबकि यूडीएफ महिला मतदाताओं की भारी भागीदारी से उत्साहित है। इस बार महिलाओं का मतदान प्रतिशत करीब 80 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है, जो चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकता है।

पुलिसवाला डिलीट करवा रहा पोस्ट, ये अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला- कामरा ने लगाई याचिका

मुंबई। मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा एक बार फिर केंद्र सरकार के साथ कानूनी जंग के मैदान में हैं। कामरा ने बॉम्बे हाईकोर्ट में 2025 के आईटी संशोधनों और सहयोग पोर्टल की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। कामरा का दावा है कि इन नए नियमों ने एक साधारण पुलिस अधिकारी को इंटरनेट का भगवान बना दिया है। अब कोई भी पुलिसकर्मी किसी भी सोशल मीडिया पोस्ट को हटाने का आदेश दे सकता है, जो सीधे तौर पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गला घोंटने जैसा है। सुनवाई के दौरान कामरा के वकील ने अदालत में एक चौंकाने वाला उदाहरण पेश किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक यूजर का पोस्ट सिर्फ इसलिए हटा दिया गया क्योंकि उसने एक मुख्यमंत्री के दावोस दौरे पर राजनीतिक टिप्पणी की थी। पुलिस ने इसे आपत्तिजनक करार दिया। कामरा की याचिका में तर्क दिया गया है कि सहयोग पोर्टल के जरिए पुलिस बिना किसी न्यायिक प्रक्रिया या कोर्ट ऑर्डर के कंटेंट टेकडाउन करवा रही है। यह नियम पुलिसकर्मियों को यह तय करने का अधिकार दे रहा है कि क्या सही है और क्या गलत, जो कि पूरी तरह असंवैधानिक है। यह मामला डिजिटल अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक टेस्ट केस बन गया है। अगर हाईकोर्ट पुलिस की इन शक्तियों पर लगाम नहीं लगाता, तो भविष्य में सोशल मीडिया पर सरकार के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को पुलिस के एक इशारे पर खामोश किया जा सकेगा। कुणाल कामरा की दलील है कि इंटरनेट पर लोकतंत्र को बचाने के लिए इन नियमों को रद्द करना जरूरी है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध-मंत्री श्री राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है। प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर काईवाई की जा रही है, अभी तक 2864 स्थानों पर जांच की गई, 4283 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 11 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 736 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 1 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं।

भारत में कच्चे तेल का पर्याप्त भण्डार है देश एवं प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं जिससे पेट्रोलियम पदार्थों की निरंतर सप्लाई हो सके एवं सप्लाई में कोई रुकावट न आए। मध्यप्रदेश और पूरे देश में एलपीजी पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

रसोई गैस की स्थिति

रसोई गैस के संबंध में प्रदेश के बॉटलिंग प्लांटों में घरेलू एवं कॉमर्शियल एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा गया है। घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के विरूद्ध एलपीजी सिलेण्डर का प्रदाय निरंतर रूप से किया जा रहा है। साथ ही कॉमर्शियल उपभोक्ताओं को शासन द्वारा तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार आवंटन प्रतिशत के आधार पर कॉमर्शियल गैस सिलेण्डरों की सप्लाई सतत रूप से की जा रही है। घरेलू एवं कॉमर्शियल की सप्लाई में किसी प्रकार का अवरोध नहीं है। घरेलू एवं कॉमर्शियल सिलेण्डर की सप्लाई एवं वितरण सामान्य है।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित 70त्न सीमा के अधीन संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों को तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार सप्लाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिये हैं। यह भी ध्यान रखा जाये कि सड़क पर कारोबार कर रहे छोटे व्यवसायी (स्ट्रीट वेण्डर) को भी उक्त अनुसार कॉमर्शियल सिलेण्डर प्रदाय किये जायें। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय तक काम कर रहे हैं। प्रदेश के जिलों में स्थित बॉटलिंग प्लांट तथा वितरकों के पास उपलब्धता एवं प्रदाय की सतत रूप से समीक्षा की जा रही है। साथ ही माईग्रेन्ट लेबर, छात्रों आदि के लिए खाना पकाने के लिये 5 कि.ग्रा. के सिलेण्डर ऑयल कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आम जनता से अपील की गई है कि वह वैकल्पिक साधनों, जैसे इंडक्शन,सोलर कुकर, बॉयो गैस, गोबर धन तथा स्व-सहायता समूहों द्वारा उत्पादित गौ-काष्ठ का उपयोग करें।

पीएनजी गैस

सीजीडी संस्थाओं तथा ऑयल कंपनियों के अधिकारियों के साथ प्रतिदिन समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है। अपर मुख्य सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी द्वारा विशेष अभियान चलाकर जिन घरों में कनेक्शन के बाद भी पाइप लाइन की अधोसंरचना उपलब्ध है, एवं सप्लाई प्राप्त नहीं कर रहे है, ऐसे 1.5 लाख घरों को आगामी 03 माह में पीएनजी से कनेक्ट करने के लिये निर्देशित किया गया। सभी सीजीडी संस्थाएं शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में कैम्प लगायें, जिसमें जिला प्रशासन, खाद्य विभाग नगर निगम/नगर पालिका के अधिकारी, ऑयल कंपनी और सीजीडी संस्थाओं के जिला अधिकारी उपस्थित रहें। ऐसे सभी घरों एवं व्यवसायियों की सूची सीजीडी संस्था को उपलब्ध कराई जाये।

अपर मुख्य सचिव श्रीमती शमी द्वारा निर्देशित किया गया कि जिन स्थानों पर पूर्व से पीएनजी की पाइप लाईन है, सर्वप्रथम उन्हें प्राथमिकता से कनेक्शन दिए जाएं। साथ ही नई पाइन लाईन कनेक्शन का कार्य भी साथ-साथ किया जाए। सीजीडी संस्थाओं द्वारा अवगत कराया गया कि उन्होंने जिला कलेक्टर्स के माध्यम से आवश्यक मैन पॉवर प्राप्त करने की कार्यवाही कर ली है तथा आगामी माहों में लक्ष्य के अनुसार नये पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

भारत सरकार के निर्देशनुसार जिन स्थानों से पीएनजी की पाइन लाइन गई है, उसके आस पास के घरेलू एवं कॉमर्शियल उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन प्राप्त कर लें क्योंकि पीएनजी कनेक्शन प्राप्त न करने की स्थिति में आगामी 03 माह में एलपीजी की सप्लाई बंद की जा सकती है।

समस्त सीजीडी संस्थाओं द्वारा प्रतिदिन किये जा रहे आवेदन एवं उसके विरूद्ध दिये जा रहे पीएनजी कनेक्शन की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। राज्य शासन द्वारा पीएनजी कनेक्शन प्रदाय

इंदौर में सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्पों का मेला; पर्यावरण सुरक्षा का दिया संदेश

इंदौर। इंदौर को सिंगल यूज प्लास्टिक से पूरी तरह मुक्त करने और स्वच्छता में नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा गांधी हॉल परिसर में एक विशेष मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में प्लास्टिक के स्थान पर उपयोग किए जा सकने वाले विभिन्न पर्यावरण अनुकूल विकल्पों का प्रदर्शन किया गया। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल और अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने मेले का अवलोकन कर विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित उत्पादों की सराहना की और इनके व्यावसायिक उपयोग को लेकर जानकारी ली।

मेले का मुख्य आकर्षण कपड़े के आकर्षक झोले, जूट और कागज के बैग के साथ ही पारंपरिक पत्तल-दोने और मिट्टी के बर्तन रहे। प्रदर्शनी में सुपारी के पत्तों और गन्ने के अपशिष्ट (बगास) से तैयार किए गए डिस्पोजेबल उत्पाद भी रखे गए, जो प्लास्टिक और थर्माकोल का बेहतर विकल्प साबित हो रहे हैं। आयुक्त श्री सिंघल ने इस अवसर पर कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है, इसलिए निगम प्रशासन नागरिकों को निरंतर इसके विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने दैनिक जीवन में पारंपरिक और प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में प्लास्टिक मुक्ति की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने वाले विभिन्न संस्थानों और स्व-सहायता समूहों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इंदौर ने रचा इतिहास - एचपीवी टीकाकरण में बनाया प्रदेश का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

इंदौर। स्वास्थ्य के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित करने वाले इंदौर ने एच.पी.वी. (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण महाअभियान में एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। 9 अप्रैल को एक दिन में सर्वाधिक 3664 टीके लगाने का प्रदेश स्तरीय रिकॉर्ड बनाने के बाद, इंदौर ने 10 अप्रैल को 4487 टीके लगाकर अपना ही रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। इस महाअभियान के तहत अब तक जिले में कुल 14,379 बालिकाओं का टीकाकरण किया जा चुका है। कलेक्टर शिवम वर्मा के नेतृत्व और जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन के मार्गदर्शन में संचालित इस महाअभियान को उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। शुक्रवार को जिले भर में 229 टीकाकरण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 87 ग्रामीण और 142 शहरी क्षेत्र शामिल रहे। इस पुनीत कार्य में 43 शासकीय और 118 निजी स्कूलों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास और पंचायत विभाग के आपसी समन्वय से ही यह संभव हो पाया है। अभियान में लगभग 1000 अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी सेवाएं दीं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. तरुण गुप्ता की सूक्ष्म कार्ययोजना ने इसे धरातल पर सफल बनाया। जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि समन्वित प्रयासों से हमने यह लक्ष्य प्राप्त किया है और इस ऊर्जा को हमें सतत जारी रखना होगा। डॉ. हासानी ने इस सफलता का श्रेय पैरामेडिकल स्टाफ, समन्वयकों और सहयोगी विभागों की दृढ़ इच्छाशक्ति को दिया है।

महापौर ने मुख्यमंत्री को दी डिजिटल बजट की जानकारी; नक्शा शुल्क कम करने का किया आग्रह

इंदौर। इंदौर के प्रथम नागरिक और महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने इंदौर नगर निगम की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं और आगामी विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त किया। महापौर ने मुख्यमंत्री को इंदौर नगर निगम द्वारा हाल ही में प्रस्तुत किए गए डिजिटल बजट की बारीकियों से अवगत कराते हुए बताया कि कैसे तकनीक के माध्यम से वित्तीय प्रक्रियाओं को पारदर्शी और सुलभ बनाया जा रहा है। मुलाकात का एक मुख्य केंद्र आम नागरिकों को मिलने वाली राहत रही। महापौर ने मुख्यमंत्री से स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत लिए जा रहे नक्शा शुल्क को सामान्य करने का विशेष आग्रह किया। उन्होंने तर्क दिया कि शुल्क की दरों में सामंजस्य बैठने से मध्यम वर्गीय परिवारों को अपना घर बनाने में बड ?ी आर्थिक राहत मिलेगी। चर्चा के दौरान इंदौर के जलूद में स्थापित किए गए विशाल सोलर प्लांट के विधिवत संचालन और उससे होने वाली बिजली बचत के रोडमैप पर भी विमर्श हुआ।

सीएम हाउस के पास डाक्टर को लूटा, बाइक से टक्कर मारने पर कूल्हे की हड्डी टूटी

भोपाल । राजधानी में सीएम हाऊस के पास दो बाइक सवार बदमाशों ने शुक्रवार की सुबह डॉक्टर के साथ लूट कर ली। आरोपियों ने बाइक से उनकी साइकल को टक्कर मारी। आंख में मिर्च झोंकने के बाद उनके हाथ में पहना हुआ 11 तोला वजनी सोने का क ?ा छीन लिया। टक्कर लगने से डॉक्टर के पांव में फ्रेक्चर आया है। घायल डॉक्टर का इलाज जेपी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। टीआई भूपेंद्र कौल संधू के मुताबिक, प्रोफेसर कॉलोनी में रहने वाले 50 साल के डॉक्टर मनोज वर्मा टीवी ट्रेनिंक सेंटर भोपाल के डायरेकटर हैं। हर रोज सुबह 8 बजे से दस बजे के बीच साइकलिंग करने निकलते हैं। शुक्रवार की सुबह दस बजे किलोल पार्क से दानिश आईस्क्रीम पार्लर के बीच, पीछे से आए दो अज्ञात बाइक सवार युवकों ने उनके साइकिल को जोरदार टक्कर मारकर गिरा दिया। गिरते ही दो युवक बाइक से उतरे उन्होंने आंख में मिर्च झोंकी और डॉक्टर की जेब में रखा पर्स जिसमें ढाई हजार की नकदी थी। इसी के साथ उनकी स्मार्टवॉच और हाथ में पहना सोने का क ?ा छीन लिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीडि ?त डॉक्टर मनोज वर्मा ने बताया कि आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। जोरदार टक्कर लगने के कारण उनके कूल्हे की हड्डी टूट गई है। जेपी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। फरियादी का कहना है कि आरोपियों ने पहले पूरी ईलाके की रेकी करने के बाद, महज दो मिनट के भीतर पूरी वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने साफ कहा था कि विरोध किया तो हत्या कर देंगे, मैं घबरा गया था। एक युवक हाथ में चाकू लिए था। उन्होंने आंख में मिर्च भी झोंक दी थी। लिहाजा मैं कुछ नहीं कर सका। हथियारों से लैस बदमाशों को देख मौके पर मौजूद लोग भी कुछ नहीं कर सके। आरोपियों के भागने के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच

रायसेन में कल से उन्नत कृषि महोत्सव

बीज से बाजार तक किसानों को मिलेगा समग्र समाधानः शिवराज सिंह

भोपाल। रायसेन में शनिवार से शुरू होने वाले उन्नत कृषि महोत्सव को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दावा किया है कि महोत्सव में किसानों को बीज से लेकर बाजार तक समग्र समाधान मिल सकेगा। यहां पर देशभर के कृषि विशेषज्ञ और कृषि संस्थानों से जुड़े जानकारी लोग, किसान सभी जुटेंगे। महोत्सव में खेती की नई तकनीक, प्रशिक्षण और बाजार से जुड़ी जानकारी एक साथ उपलब्ध होगी, ताकि किसानों को सीधे फायदा मिल सके। भोपाल में अपने बंगले पर शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस महोत्सव का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। यह सामूहिक आयोजन होगा। इसके बाद अलग-अलग सत्र होंगे। जिसमें किसानों को बीज से लेकर बाजार तक और बीमा से लेकर ऋण तक, सभी समाधान एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे।

आधुनिक मशीनरी का प्रदर्शन

मेले में प्रदर्शनी में विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय संस्थान, अग्रणी कंपनियां और नवोन्मेषी कृषि स्टार्ट-अप्स अपनी नवीनतम कृषि तकनीक, उपकरण और समाधान प्रस्तुत करेंगे। 300 स्टॉल स्थापित किए जाएंगे। यहां पर बने डेमो क्षेत्र में आधुनिक कृषि यंत्रों , सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों, ड्रोन तकनीक और उन्नत कृषि मॉडलों का लाइव प्रदर्शन किया जाएगा। मेले में करीब 300 स्टॉल लगाए जाएंगे। जो किसानों के लिए नई तकनीक और नवाचार की जानकारी का केंद्र होगा।

जल संसाधन दिवस पर मोहन यादव का संदेश, जल संरक्षण का लें संकल्प

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल संसाधन दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से जल संरक्षण, संवर्धन और संतुलित उपयोग के लिए संकल्प लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पानी केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन और सृष्टि का आधार है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि जल ही जीवन है और इसकी हर बूंद में भविष्य की सुरक्षा छिपी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जल का सही उपयोग और संरक्षण ही आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और समृद्ध भविष्य दे सकता है। डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान समय में जल संसाधनों पर बढ़ता दबाव चिंता का विषय है। ऐसे में हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह पानी के उपयोग में संतुलन बनाए और अनावश्यक बर्बादी से बचे। उन्होंने जल स्रोतों के संरक्षण और वर्षा जल संचयन जैसे उपायों को अपनाने की अपील की। जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की सहभागिता से ही यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। यदि सभी लोग मिलकर प्रयास करें, तो प्रदेश में जल संकट की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

उज्जैन पुलिस के जीरो टॉलरेंस से गुंडे-बदमाशों की शामत

एसपी शर्मा की सख्ती, सात दिन में 100 से ज्यादा जिला बदर, 1000 बाउंड ओवर

भोपाल। उज्जैन के पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने अपराध और अपराधियों के प्रति पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति ने अपराधियों की कमर तोड़ दी है। एसपी के निर्देश पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत चलाए गए विशेष अभियान में एक हजार से ज्यादा बदमाशों को बाउंड ओवर किया गया। सौ से ज्यादा जिला बदर किए गए। एनएसए, एनडीपीएस एक्ट के तहत भी बदमाशों पर कार्रवाई की गई। ताबड़तोड़ हुए एक्शन के बाद यहां के गुंडे-बदमाशों में हड़कंप मच गया है।

अभियान के तहत सबसे बड़ी कार्रवाई जिलाबदर के रूप में सामने आई है, जिसमें 103 आदतन अपराधियों के खिलाफ प्रस्ताव तैयार कर सक्षम प्राधिकारी को भेजे गए हैं। वहीं, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 1147 व्यक्तियों के खिलाफ बाउंड ओवर की कार्रवाई कर उन्हें भविष्य में शांति भंग न करने के लिए पाबंद किया गया है। यह कदम संभावित अपराधों की रोकथाम की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गंभीर आपराधिक प्रवृत्ति के मामलों में पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत अमजद पिता रहीम खान निवासी ताजपुर पंवासा और अजय उर्फ पप्पी पिता रामचंद्र ठाकुर निवासी बापू नगर पर कड़ी कार्रवाई की है। इसके अलावा 02 अन्य प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं, जिनमें जल्द ही कार्रवाई प्रस्तावित है। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ भी सख्त रुख अपनाते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्रकरण में कार्रवाई की गई है, जिससे नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

बजट आवंटन के साथ कॉलेज प्राचार्यो को हिदायत अनावश्यक व्यय न करें, गड़बड़ी पर तय होगी जिम्मेदारी

भोपाल । उच्च शिक्षा विभाग ने शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों को वित्तीय अनुशासन को लेकर कड़े निर्देश दिए गए हैं। विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कॉलेजों को बजट आवंटन करने के साथ स्पष्ट हिदायत जारी की गई है कि किसी भी स्थिति में अनावश्यक व्यय नहीं किया जाए और मितव्ययता का पूरी तरह पालन किया जाए। महाविद्यालयों को दी गई राशि का उपयोग केवल स्वीकृत मदों में ही किया जाए। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि खर्च करते समय वित्त विभाग द्वारा निर्धारित व्यय सीमा और दिशा-निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा। विभाग ने प्रदेश के 506 कॉलेज के लिए लगभग 99 लाख रुपए की राशि आवंटित की है। साथ ही प्रदेश के 9 संस्कृत कॉलेजों के लिए भी एक लाख 98 हजार रुपए का बजट आवंटित किया गया है।

तैयारियां शुरू....केंद्रीय गृह मंत्री शाह से हरी झंडी का इंतजार

सहकारी बैंकों में होंगी राजनीतिक नियुक्तियां

मध्यप्रदेश के सहकारी बैंकों में राजनीतिक नियुक्तियां की जाएंगी। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर यह कदम उठाया जा रहा है। सहकारिता विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के बीच सबसे अहम रोल निभाता है। इसलिए बीजेपी इस क्षेत्र को मजबूत करना चाहती है।

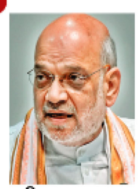

भोपाल/नई दिल्ली । मध्य प्रदेश में अब सहकारिता बैंकों में भी राजनीतिक नियुक्तियों की तैयारियां चल रही हैं। बताया जा रहा है कि सहकारी बैंकों के चुनावों से पहले राजनीतिक नियुक्तियां की जाएगी। क्योंकि हाल ही में दिल्ली दौरे के दौरान सीएम मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। जिसके बाद राजनीतिक नियुक्तियों की तैयारियां तेज होती दिख रही हैं। क्योंकि सहकारिता विभाग में लंबे समय से नियुक्तियां अटकी हुई हैं। जिन्हें अब समय से पूरा करने पर फोकस किया जा रहा है।

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि अपेक्स बैंक सभी जिलों के सहकारी बैंकों में अध्यक्ष और उपाध्यक्षों की नियुक्तियां की जाएगी। इसके अलावा संचालक मंडल और अन्य समितियों में भी पदाधिकारियों की नियुक्तियां जल्द होगी। अमित शाह की सलाह पर पहले सहकारी संस्थानों पदाधिकारियों की नियुक्तियां होगी और उसके बाद चुनाव होंगे। इसके लिए बीजेपी संगठन भी एक्टिव हो गया है। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल की भी सीएम मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से इस मुद्दे पर बातचीत हो चुकी है।

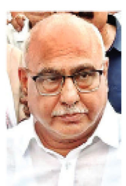

अमित शाह खुद संभाल रहे सहकारिता विभाग की जिम्मेदारी

राज्य सरकार सहकारिता विभाग के ढांचे को मजबूत करने की तैयारियों में जुटा है। मध्य प्रदेश में सहकारिता विभाग अहम माना जाता है। क्योंकि यह ग्रामीण हिस्सों में किसानों के बीच सबसे अहम रोल निभाता है। यही वजह है कि अब राजनीतिक नियुक्तियों के जरिए भाजपा सरकार सहकारिता विभाग में भी मजबूती लाने की तैयारी में है। सहकारिता विभाग की जिम्मेदारी अमित शाह संभाल रहे हैं।

पंचायत और निकाय चुनावों तक नजर

निगम मंडलो मे भी राजनीतिक नियुक्तियों की तैयारिया चल रही हैं। निगम मंडलों के साथ-साथ सहकारी विभाग मे भी राजनीतिक नियुक्तिया कर दी जाएगी। बताया जा रहा है कि पंचायत और निकाय चुनावों पर भी फोकस किया जा रहा है। सहकारिता क्षेत्र मे ये नियुक्तिया चुनावी समीकरणो मे अहम हो सकती है। इसलिए पार्टिया अभी से तैयारियों मे जुटी है।

अगले हफ्ते कांग्रेस जिलाध्यक्षों की अग्निपरीक्षा, 15 अप्रैल से चार दिन तक हरीश चौधरी करेंगे परफॉरमेंस रिव्यू

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस में संगठन सृजन अभियान के तहत नियुक्त 71 जिलाध्यक्षों की अगले हफ्ते अग्निपरीक्षा होने जा रही है। दो चरणों में उनके कामकाज की समीक्षा की जाएगी। कमजोर प्रदर्शन वाले जिलाध्यक्षों पर कार्रवाई, यहां तक कि हटाने तक का फैसला लिया जा सकता है। एमपी कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले के मुताबिक, जिलाध्यक्षों का दो माह के अंतराल में पहले दो-दो बार रिव्यू हो चुका है। इस बार की समीक्षा अहम मानी जा रही है। दिल्ली से वामसी रेड्डी भी भोपाल आकर पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग करेंगे। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी 15 से 18 अप्रैल तक चार दिनों तक संभागवार समीक्षा करेंगे। पीसीसी में जिलाध्यक्षों को बुलाकर संगठन निर्माण, कामकाज, चुनौतियों और आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। इतने समय में संगठन निर्माण में क्या काम किया है, किस तरह से संगठन का गठन हुआ है, क्या चुनौतियां हैं और आगे किस तरीके से काम करना है इन सब पर चर्चा होगी।

15 से 18 अप्रैल तक संभागवार समीक्षा

यूएनएफपीए एंबेसेडर कृति सेनन ने विद्यार्थियों से किया संवाद, जेंडर इक्कैलिटी का दिया संदेश

शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय, भोपाल का किया भ्रमण

भोपाल (ईएमएस)। यूएनएफपीए इंडिया की गुडविल एंबेसेडर एवं फिल्म अभिनेत्री सुश्री कृति सेनन गुरुवार को भोपाल के शिवाजी नगर स्थित शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय का भ्रमण किया। यहां पर उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद भी किया। सुश्री सेनन ने विद्यार्थियों को जेंडर इक्कैलिटी के प्रति जागरूक किया। साथ ही समानता एवं परस्पर सम्मान के लिए प्रेरित भी किया। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा नई शिक्षा नीति के अनुरूप विकसित जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत 'उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम', 'उज्ज्वल बदलाव हमसे है' और 'सशक्त' जैसे नवाचार किये जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विशेष रूप से बालिकाओं को विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर सशक्त बनाना है। इन सभी नवाचारों को प्रदेश के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका स्कूलों में प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। सुश्री कृति सेनन ने 'उमंग' कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रम को विस्तार से समझा। उन्होंने प्रदेश के 12 जिलों से आए हेल्थ एंड वेलनेस एंबेसडर एवं विद्यार्थियों से संवाद कर अनुभवों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही स्कूल शिक्षा विभाग एवं यूएनएफपीए के बीच बेहतर समन्वय की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में सामाजिक बदलाव लाने की दिशा में की जा रही पहलें अत्यंत सराहनीय हैं। 'उज्ज्वल बदलाव हमसे है' कार्यक्रम में उन्होंने अनुभव साझा करते हुए कहा कि अब स्कूलों में ही विद्यार्थियों को छेड़छाड़, पॉक्सो एक्ट और दहेज जैसी कुप्रथाओं के विरुद्ध जागरूक करने के प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। सुश्री कृति ने स्कूल शिक्षा विभाग की अपर परियोजना संचालक (सेकेंडरी एजुकेशन) श्रीमती नंदा बलवे कुशरे से भी मुलाकात की। उन्होंने नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होते ही विद्यार्थियों को समय पर पाठ्यपुस्तकें और साइकिल उपलब्ध कराए जाने जैसी व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा अपने जीवन में आए सकारात्मक बदलावों से जुड़े अनुभव भी साझा किए गए। इन अनुभवों को जानने के बाद कृति सेनन ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति इन शैक्षिक पहलुओं को अपने जीवन में अपनाए, तो समाज में व्याप्त कई बुराइयों और कुरीतियों पर प्रभावी रूप से रोक लगाई जा सकती है। लोक शिक्षण संचालनालय के डिप्टी डायरेक्टर महेश जैन, प्राचार्य सुधाकर पाराशर, यूएनएफपीए से चीफ पॉलिसी एंड पार्टनरशिप जयदीप विश्वास, स्टेट हेड सुनील जैकब तथा स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर अनुराग सोनवलकर उपस्थित रहे।

आईपीएल में आज सीएसके पर जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

चेन्नई। आईपीएल में शनिवार को होने वाले दूसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इस मैच में सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ अपने घरेलू मैदान पर टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। अब तक सीएसके ने इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीता है। उसके गेंदबाजों और बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे टीम मुश्किल में है। इस मैच में उसके पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने की संभावना है। अगर धोनी खेलते हैं तो ये सीएसके लिए काफी फायदेमंद होगा। वहीं दूसरी ओर अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही दिल्ली कैपिटल का प्रदर्शन सीएसके से अच्छा रहा है। ऐसे में उसके हौंसले बुलंद हैं। सीएसएके के लिए इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम अपने शुरुआती मैच में आरसीबी और पंजाब किंग्स से हारी है। टीम की बल्लेबाजी ही नहीं गेंदबाजी भी कमजोर रही है। वहीं कैपिटल्स ने सत्र की शुरुआत बेहतर तरीके से की है। उसने अपने पहले तीन मैचों में से 2 में जीत हासिल की है। उसे लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत मिली जबकि गुजरात टाइटन्स से उसे केवल एक रन से ही हार मिली। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों के बीच अबतक हुए पिछले 31 के मुकाबलों में, दिल्ली ने 12 जीत दर्ज की हैं, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने 19 जीत हासिल की हैं।

दोनो ही टीमें इस प्राकर हैं

चेन्नई सुपर किंग्स- ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर),आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, प्रशांत वीर, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, खलील अहमद, मैट हेनरी

दिल्ली कैपिटल्स-अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, समीर रिजवी, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, विप्राज निगम, कुलदीप यादव, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी

आईपीएल में आज होगा पंजाब और सनराइजर्स का मुकाबला

दोपहर 3.30 पर शुरु होगा मैच

मुल्लांपुर। आईपीएल में शनिवार को को होने वाले पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब का लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। पंजाब ने अभी तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। उसने तीन में से अपने दो मैच जीते हैं वहीं उसका एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। पंजाब ने इस सत्र में 200 रन से अधिक रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था। टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अब तक के मैचों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के अलावा कूपर कोनोली ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी में विजयकुमार वैशाक ने प्रभावी प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर ईशान किशन की कप्तानी में सनराइजर्स अभी तक केवल एक मैच ही जीत पायी है। टीम की ताकत उसकी बल्लेबाजी है पर उसके बल्लेबाज इस सत्र में असफल रहे हैं। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा भी अबतक असफल रहे हैं। उसके प्रमुख गेंदबाज हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट भी अबतक प्रभावी नहीं रहे हैं। केवल नीतीश कुमार रेड्डी और हेनरिक क्लासेन ही अब तक सफल रहे हैं। स्पिनर हर्ष दुबे ने पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन बनाये रखा है। आईपीएल इतिहास में अब तक दोनों टीमों के बीच कुल 23 मैच खेले गए हैं। इसमें पंजाब किंग्स ने 7 तो हैदराबाद ने 17 मुकाबलों में जीत हासिल की है।

युवराज बोले, छह छक्के के लिए ललित मोदी ने मुझे इनाम में दी थी कार

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने खुलासा किया है कि उन्हें आईपीएल के पहले कमिश्नर ललित मोदी ने छह छक्के लगाने पर एक पोर्श 911 कार उपहार में दी थी। युवराज ने कहा कि से बात साल 2007 टी20 विश्व कप की है। तब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की 6 गेंद पर 6 छक्के लगाए थे। इस मैच में युवराज ने 19वें ओवर में ब्रॉड की गेंदों पर छह छक्के लगाये थे। इससे 12 गेंदों में ही उनका अर्धशतक पूरा हो गया था। युवराज का कहना है तब ललित मोदी ने इन छह छक्कों के लिए उन्हें कार उपहार में दी थी। युवराज ने इस बातचीत को याद करते हुए कहा, 卐ललित मोदी ने मुझसे कहा था कि अगर कोई छह छक्के मारता है तो मैं उसे फेरारी दूंगा। वहीं जब मैंने छह छक्के लगाए दिए तो मैंने उनसे पूछा मेरी फेरारी कहां है? तो उन्होंने कहा कि मैंने पोर्श 911 देने की बात कही थी तो मैंने फिर पूछा पर पोर्श कहां है?卐 इसपर उन्होंने कहा, 卐तुम्हें तुम्हारी कार मिल जाएगी।.卐 इसके बाद मैंने हंसी-मजाक में पूछा, 卐अगर मैं अगला मैच भी जिता दूं तो क्या मुझे फेरारी मिलेगी? इस पर उन्होंने कहा कहा कि नहीं तुम्हें सिर्फ पोर्श मिलेगी और उन्होंने सही में ये कार मुझे दी थी।卐ललित मोदी के अलावा उन्होंने स्टुअर्ट ब्रॉड के पिता से भी मुलाकात की थी जिसको लेकर भी उन्होंने बताया। युवराज ने बताया कि छह छक्के मारने के बाद स्टुअर्ट ब्रॉड के पिता जो रैफरी थी उन्होंने मुझसे कहा कि तुमने तो मेरे बेटे का करियर ही समाप्त कर दिया। इसके बाद उन्होंने मुझसे स्टुअर्ट के लिए एक शर्ट साइन करने को कहा।

धोनी की तरह खेलने वाले सौरभ तीन मैचों के बाद ही हो गये थे गायब

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में कई ऐसे खिलाड़ी आये हैं जो बेहद तेजी से चमके हैं पर बाद में गायब हो गये। यहां तक कि एक समय इन खिलाड़ियों की तुलना स्टार खिलाड़ियों से होने लगी थी पर बाद में देखा गया कि ये खिलाड़ी अपने खेल या फिटसेस को बनाये रखने में असफल रहे और मैदान से दूर हो गये। इन्हीं में से एक खिलाड़ी हैं। झारखंड के सौरभ तिवारी जिनका अंदाज पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की तरह का रहा है। धोनी की तरह ही सौरभ अपने कंधे तक लंबे बालों के कारण सबके आकर्षण का केन्द्र रहे। उनकी लंबाई भी धोनी की तरह ही थी जिससे वह कम समय में ही दूसरे धोनी कहे जाने लगे थे। सौरभ भी धोनी की तरह ही लंबे-लंबे शॉट लगाते थे। सौरभ के खेलने का तरीका भी धोनी की तरह ही आक्रामक था। साल 2008 के अंडर-19 विश्व कप में उन्होंने मध्यक्रम में विराट कोहली के साथ कई बड़ी साझेदारियां कीं थीं। उस टूर्नामेंट में उन्होंने करीब 30 की औसत से रन बनाए थे। जिससे भारतीय टीम ने मैच में जीत दर्ज की थी। आईपीएल के पहले ही सत्र में मुंबई इंडियंस ने उन्हें शामिल किया। साल साल 2010 का आईपीएल सत्र सौरभ तिवारी के करियर के लिए काफी अच्छा रहा। सचिन तेंदुलकर के साथ बल्लेबाजी करते हुए इस

युवा खिलाड़ी ने 16 मैचों में 419 रन बनाये। उनकी पावर-हिटिंग और स्पिनरों के खिलाफ लंबे छक्के मारने की क्षमता से चयनकर्ता खासे प्रभावित हुए। इसी साल उन्हें भारतीय टीम में जगह मिल गयी। सौरभ ने साल 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में अपना पहला एकदिवसीय खेला। इस क्रिकेटर को केवल 3 एकदिवसीय मैच ही खेलने को मिले। इसमें वह दो बार नाबाद रहे और कुल 49 रन बनाए। इसके बाद फिटनेस जैसे कारणों से सौरभ टीम में जगह नहीं बरकरार रख पाये। एक बार टीम से बाहर होने के बाद उनके लिए वापसी संभव नहीं रही क्योंकि इस बीच कई नये क्रिकेटर आ गये थे। कंधे और घुटने की समस्याओं के कारण भी उनके खेल पर प्रभाव पड़ा जिससे वह आईपीएल से भी धीरे-धीरे बाहर हो गये। इसके बाद वह झारखंड के लिए खेलने लगे। उन्होंने अपने फर्स्ट-क्लास करियर में 115 मैचों में 8000 से अधिक रन बनाए, जिसमें 22 शतक शामिल रहे. लिस्ट-ए क्रिकेट में भी उन्होंने लगभग 4000 रन जोड़े। साल 2024 में इस खिलाड़ी ने पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी। इसके बाद वह झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन में सचिव बन गये।

हार से निराश रहाणे बोले, मुकुल ने हमसे मैच छीन लिया

कोलकाता। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे ने लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि इस प्रकार की हार को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। केकेआर को इस सत्र में सभी तीन मैचों में हार झेलनी पड़ी है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। सुपरजायंट्स के खिलाफ उसे मैच की अंतिम गेंद पर हार मिली। इस मैच में एक समय केकेआर काफी अच्छी स्थिति में थी पर मुकुल चौधरी ने अंतिम ओवरों में अर्धशतक लगाकर मैच पलट दिया। हार को लेकर रहाणे ने कहा, इसे स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल क्योंकि अंत तक हम मैच में बने हुए थे। मुकुल ने अंत में जबरदस्त शॉट खेलकर मैच हमसे छीन लिया। ऐसे करीबी मैचों में ज्यादा कमियां नहीं निकाली जा सकतीं। उन्होंने कहा, फील्डिंग में शायद एक-दो गलतियां हुईं पर हमारे गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाई। हारने के बाद कमियां निकालना आसान होता है। हमें लगा था कि इस पिच पर 180-185 का स्कोर अच्छा था क्योंकि बड़े शॉट खेलना आसान नहीं था। धीमी गेंदें रुक कर आ रही थीं इसलिए बल्लेबाजी करना कठिन था। रहाणे ने कहा, मुझे लगा कि 18 ओवर तक हम बहुत अच्छी स्थिति में थे पर अंत के दो ओवरों में स्थिति खराब हो गयी क्योंकि मुकुल ने मैच पलट दिया। हमारी गेंदबाजी अच्छी थी पर मुकुल ने उससे भी अच्छी बल्लेबाजी की और उसे जीत का श्रेय मिलना ही चाहिये।

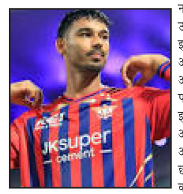

ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव, अंगकृश रघुवंशी और अजिंक्य रहाणे शीर्ष पांच में शामिल

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेले हुए आईपीएल मुकाबले के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के दावेदारों में बदलाव आये हैं। अब राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी और मुम्बई के रोहित शर्मा शीर्ष पांच से बार हो गये हैं। वहीं। केकेआर के अंगकृश रघुवंशी और कप्तान अजिंक्य रहाणे अपनी अच्छी पारियों की बदौलत शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव को लाभ हुआ है। ऑरेंज कैप की सुची में में राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहले स्थान पर हैं। उन्होंने अभी तक खेले 3 मुकाबलों में 163.46 के स्ट्राइक रेट के साथ 170 रन बनाये हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी और केकेआर के अंगकृश रघुवंशी दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। शीर्ष पांच बल्लेबाजों में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन और केकेआर के अजिंक्य रहाणे चौथे और पांचवे नंबर पर हैं। पर्पल कैप की सूची में राजस्थान रॉयल्स के स्टार स्पिनर रवि बिश्नोई नंबर एक पर बने हुए हैं।उन्होंने इस लीग में अभी तक तीन मैचों में 7 विकेट लिए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान के साथ-साथ दिल्ली कैपिटल्स के लुंगी एनगिडी और राजस्थान रॉल्यस के नंद्रे बर्गर शीर्ष-5 में शामिल हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव 5 विकेट के साथ 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं केकेआर के वैभव अरोड़ा 9वें पायदान पर हैं।

बिली जीन किंग कप में भारत की वैष्णवी और यमलापल्ली हारे

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों को यहां खेले जा रहे बिली जीन किंग कप ग्रुप-आई एशिया/ओशिआना टेनिस टीम मुकाबलों में इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने हरा दिया। पहले एकल मुकाबले में भारत की वैष्णवी अडकर को इंडोनेशिया की प्रिस्का मैडेलिन नुग्रोहो ने 7-6(3), 6-7(3), 6-3 से हराया। वहीं दूसरे एकल में सहजा यमलापल्ली को जेनिस त्जेन के खिलाफ 6-2, 6-1 से हार का सामना करना पड़ा है। दोनो ही मुकाबले कड़े रहे। अडकर ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए मुकाबला आसानी से जीत लिया। वहीं तीसरे सेट में इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने जीत हासिल की। वहीं एक अन्य मुकाबले में दक्षिण कोरिया ने न्यूजीलैंड को हरा दिया। दायोन बैक ने कीवी खिलाड़ी वैलेंटिना इवानोव को 7-5, 6-3 से हराया। इसके अलावा सोह्युन पार्क ने मोनिक बैरी को 6-0, 6-1 से पराजित कया। इस प्रकार कोरिया और इंडोनेशिया दोनों ही टीमें अपने-अपने मुकाबले जीतकर अंक तालिका में नंबर एक पर बरकरार हैं। वहीं एक अन्य मुकाबले में थाईलैंड ने मंगोलिया को 3-0 से हराया। थाईलैंड के थासापोर्न नाकलो ने अनु-वजिन गैंटोर को 6-1, 6-0 से हराया। पाचारिन चीपचांदेज ने भी खोंगोरजुल अलदारखिशिग को 6-1, 6-0 से ही शिकस्त दी। वहीं युगल में पेंगटार्न प्लिपुएच और कामोनवान योदपेच की जोड़ी ने मंगोलियाई टीम को 6-0, 6-0 से हराया।

भारत के खिलाफ टेस्ट में राशिद के बिना ही उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान की टीम को जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले होने वाले एकमात्र टेस्ट में अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के बिना ही उतरना होगा। इसका कारण है कि राशिद को डॉक्टर ने सलाह दी है उन्हें अपनी कमर को आराम देना होगा। आजकल आईपीएल खेल रहे राशिद से डॉक्टर ने कहा है कि अगर वह अपना करियर लंबा करना चाहते हैं तो टेस्ट क्रिकेट से दूर रहें। इसी कारण राशिद मैच से बाहर रहेंगे। राशिद का कहना है कि उनकी प्राथमिकता साल 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करना है। राशिद ने साल 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी थी पर इसके बाद भी पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर किये थे। राशिद के अनुसार डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था। इसके बावजूद उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला। उन्होंने कहा, एकदिवसीय क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं पर फिलहाल अपनी कमर को आराम देना चाहता हूं जिससे कि उसपर अधिक दबाव न पड़े। आईपीएल के बाद भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बारे में खेलने को लेकर राशिद ने कहा कहा, ये काफी कठिन सवाल है।

लखनऊ सुपरजायंट्स के स्पिनर हसरंगा टूर्नामेंट से बाहर हुए

ईडन गार्डन। लखनऊ सुपरजायंट्स के स्टार स्पिनर वानिंदु हसरंगा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बाहर हो गये हैं। टीम के निदेशक टॉम मूडी ने कहा है कि हसरंगा फरवरी में लगी हैमस्ट्रिंग की चोट से अब तक उबर नहीं पाये हैं। हसरंगा जैसे शीर्ष स्तर के स्पिनर का बाहर होना सुपर जायंट्स के लिए बड़ा झटका है। टीम अब उनकी जगह पर किसी अन्य स्पिनर को शामिल करेगी। सुपर जायंट्स के निदेशक मूडी ने कहा, 卐हसरंगा इस सत्र में नहीं खेल पायेंगे। उनकी जगह हमें किसी जगह किसी अन्य खिलाड़ी के नाम की घोषणा की जाएगी।' हसरंगा करीब दो महीनों से खेल से दूर हैं। वह अभी तक गेंदबाजी शुरु नहीं कर पाये हैं। लखनऊ ने नीलामी में इस स्पिनर को करीब 2 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। वह स्पिन गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी भी करते हैं। इसी कारण टीम ने उन्हें शामिल किया था। सुपरजायंट्स को उम्मीद थी की सत्र में शुरुआती मुकाबलों के बाद वह फिट होकर टीम से जुड़ सकते हैं पर जिस प्रकार से इस गेंदबाज की फिटनेस में परेशानी आ रही है। उससे सुपरजायंट्स समय गयी है कि उन्हें ठीक होने में अभी समय लगेगा।

यूरोपा लीग फुटबॉल-फ्रीबर्ग ने सेल्टा विगो को 3-0 से हराया

ब्रागा और रियल बेटिस में मुकाबला बराबरी पर रहा

फ्रीबर्ग इम ब्रेइसगाऊ। जर्मनी में खेले जा रहे यूईएफए यूरोपा लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल के पहले चरण में अच्छा प्रदर्शन करते हुए एससी फ्रीबर्ग ने सेल्टा विगो को 3-0 से पराजित किया। इस मैच में घरेलू टीम ने शुरुआत से ही अच्छा प्रदर्शन करते हुए बढ़त हासिल कर ली। फ्रीबर्ग ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में खेलते हुए 10वें मिनट में में ही एक गोल दाग दिया। पहला गोल करने के बाद भी फ्रीबर्ग ने लगातार हमले जारी रखे। 32वें मिनट में निकोलस बेस्टे ने एक और गोल कर फ्रीबर्ग की बढ़त को बढ़ा दिया। दूसरे हाफ में भी मैच में फ्रीबर्ग ही छायी रही। वहीं सेल्टा विगो ने कुछ बदलाव किये पर वह गोल करने में सफल नहीं हुई। 70वें मिनट में बोर्जा इग्लेसियस ने गोल का प्रयास किया पर सफल नहीं हुई। फ्रीबर्ग की ओर से तीसरा गोल मैथियास गिंटर ने कर अपनी टीम की बढ़त 3-0 पहुंचा दी। इसके बाद दोनों टीमों ने प्रयास किये पर कोई भी टीम गोल नहीं कर पायी। वहीं ब्रागा और रियल बेटिस के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। इस मैच में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। मैच की शुरुआत में ब्रागा ने आक्रामक अंदाज अपनाया और इसका लाभ उन्हें जल्दी ही मिल गया। डिएगो रोड्रिग्स के कॉर्नर पर फ्लोरियन ग्रिलिट्श ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। पहले हाफ में मुकाबला बराबरी पर रहने के बाद दूसरे हाफ में ब्रागा के जीन-बैप्टिस्ट गोर्बी के फाउल के कारण बेटिस को पेनल्टी मिली। कुचो हर्नांडेज ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए एक गोल कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया।इसके बाद दोनों टीमों ने प्रयास किए पर कोई भी गोल नहीं कर पायी।

एमसीए ने किया शास्त्री, इडुल्जी सहित अन्य दिग्गजों का सम्मान

मुंबई। यहां के वानखेड़े स्टेडियम में पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री, एकनाथ सोलकर,दिलीप सरदेसाई के अलावा महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान डायना इडुल्जी का मुम्बई क्रिकेटर संघ (एमसीए) ने सम्मान किया है। इस दौरान शास्त्री के नाम पर स्टैंड का भी उद्घाटन किया। इस समारोह में महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर और कप्तान सूर्यकुमार यादव भी शामिल थे। वहीं वानखेड़े स्टेडियम के गेट को इडुल्जी, सोलकर और सरदेसाई रखा गया। सरदेसाई ने भारतीय टीम की ओर से 30 टेस्ट और 179 प्रथम श्रेणी मैच खेले थे। शास्त्री वानखेड़े में अपने भाषण के दौरान काफी भावुक नजर आए। शास्त्री ने कहा, "मेरी पत्नी यहां है, मेरी बेटी यहां है, उसने मुझे कभी खेलते हुए नहीं देखा। मेरी बहन वहां है, मेरा भतीजा वहां है, हर कोई मौजूद है. मुझे खुशी है, बस एक ही बात का दुख है कि मेरे पिता आज वह यहां मौजूद नहीं हैं।" वहीं इडुल्जी ने कहा, "यह मेरे और सभी महिला क्रिकेटरों के लिए बहुत बड़ा सम्मान है. यह मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा है। यह मेरे जीवन का एक ऐतिहासिक दिन है. मैं अपने जीवन में इस दिन को कभी नहीं भूलूंगी।" इस अवसर पर दिवंगत एकनाथ सोलकर और दिलीप सरदेसाई के परिजन भी उपस्थित थे।

मुकुल की पारी देखकर हैरान रह गया-ऋषभ

कोलकाता। लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इस पारी को देकर वह हैरान हैं। मुकुल की इस पारी से सुपर जाएंट्स ने केकेआर को रोमांचक मुकाबले में एक रन से हराया है। मुकुल ने इस मैच में 27 गेंदों पर 54 रन बनाये। वहीं जब ऋषभ से मुकुल चौधरी की पारी को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि नेट्स में जब ऐसे खिलाड़ियों को खेलता देखते हैं तो समझ आ जाता है कि उसमें कुछ खास है, मगर जब ऐसे खिलाड़ी मैदान पर अपना प्रदर्शन करते हैं तो पता चलता है कि उनमें कुछ विशेष है। ऋषभ ने कहा कि मेरे पास उनकी पारी के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने जिस प्रकार से लक्ष्य हासिल करने का प्रयास किया वह भी काफी अलग था। वहीं आयुष बाडोनी की पारी को लेकर का कि पहले दो मैचों में वह ज्यादा कुछ नहीं कर पाया पर इस बार कठिन हालातों में उसने अच्छा प्रदर्शन किया। ब हम बडोनी की बात करते हैं, तो हम उससे दबाव के क्षणों में बेहतर बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं। और आज उसने सचमुच कमाल की भूमिका निभाई।

सुपरजायंट्स के मुकुल ने अंतिम पांच ओवरों में अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड

ईडन गार्डन। आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के मुकुल चौधरी ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही एक नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। मुकुल ने सातवें नंबर पर उतरते हुए नाब 54 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इस पारी के साथ ही मुकुल आईपीएल में अंतिम 5 ओवर में अर्धशतक लगाने वाले एकमात्र भारतीय बल्लेबाज बने हैं। मुकुल पारी के 13वें ओवर की अंतिम गेंद पर उतरे लेकिन 15 ओवर तक उन्हें 2 गेंद ही खेलने का अवसर मिला जिसमें वह केवल 1 रन बना पाये। अगली 8 गेंद में मुकुल ने केवल 2 रन बनाये पर इसके बाद वो पारी खेली जिससे सभी दंग रह गये। अब वह लीग के अंतिम 5 ओवर में 50 रन बनाने के मामले में एबी डिविलियर्स और कीरोन पोलार्ड के क्लब में शामिल हो गये हैं। इससे पहले ये उपलब्धि साल 2013 में पोलार्ड ने हासिल की थी। वहीं डिविलियर्स ने साल 2014 में में 56 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई थी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने लखनऊ की टीम को जीत के लिए से 182 रनों का लक्ष्य दिया। इसा बचाव करते हुए केकेआर के गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की पर अंतिम ओवर में वह मुकुल को 14 रन बनाने से रोक नहीं पाये।

भारत के तीन धुरधंर..जयशंकर, विक्रम और हरदीप दुनिया के अलग-अलग देशों में कूटनीतिक बिसात बिछा रहे

ईरान-अमेरिका जंग में सीजफायर के बाद लगातार सक्रिय दिख रही भारत की कूटनीति

नई दिल्ली। एजेंसी।

नई दिल्ली से लेकर पश्चिम एशिया, अमेरिका और हिंद महासागर क्षेत्र तक भारत की सक्रिय कूटनीति इन दिनों वैश्विक स्तर पर चर्चा का केंद्र बनी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, विक्रम मिसरी और हरदीप सिंह पुरी की अलग-अलग दिशाओं में कूटनीतिक पहल कर रहे है, कि भारत अब केवल वैश्विक घटनाओं का दर्शक नहीं, बल्कि एक निर्णायक खिलाड़ी बन चुका है।

सबसे पहले, जयशंकर की मॉरिशस यात्रा के बारे में चर्चा करे, यह भारत की समुद्री और सामरिक नीति का अहम हिस्सा है। पोर्ट लुईस में उन्होंने स्पष्ट किया कि पश्चिम एशिया संकट ने ऊर्जा और सुरक्षा सहयोग को और महत्वपूर्ण बना दिया है। भारत और मॉरिशस के बीच तेल और गैस आपूर्ति समझौता अंतिम चरण में है, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती देगा। इसके साथ रक्षा सहयोग, स्वास्थ्य, शिक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में बढ़ता तालमेल हिंद महासागर में भारत की बढ़ती पकड़ को दर्शाता है। वहीं मारिशस के अलावा जयशंकर की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा भी बेहद अहम है। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण मार्ग पर बढ़ते खतरे के बीच भारत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि तेल और गैस की आपूर्ति बाधित न हो। यह दौरा ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दूसरी ओर, विक्रम मिसरी की वाशिंगटन यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों को नई दिशा दे रही है। उनकी मुलाका मार्को रुबियो सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों से हुई, जिसमें व्यापार, रक्षा, क्वाड, सेमीकंडक्टर, एआई और महत्वपूर्ण खनिज जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत और अमेरिका अब केवल साझेदार नहीं, बल्कि रणनीतिक सहयोगी बनते जा रहे हैं। तकनीकी सहयोग, मजबूत सप्लाई चेन और सुरक्षा साझेदारी इस रिश्ते को और गहरा कर रही है। विक्रम मिसरी की अमेरिका यात्रा के बारे में भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि विदेश सचिव ने अमेरिका के आर्थिक मामलों के अवर विदेश सचिव जैकब हेलबर्ग के साथ भारत-अमेरिका के बीच तकनीकी सहयोग को और गहरा करने पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने मज़बूत सप्लाई चेन के लिए साझा दृष्टिकोण और सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, क्वांटम, एआई, परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग, तथा पैक्स सिलिका पहल को लागू करने की दिशा में अगले कदमों पर बातचीत की। इसके पहले मिसरी की मुलाकात एफबीआई के निदेशक काश पटेल से भी हुई। इस बारे में वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि दोनों के बीच आतंकवाद, संगठित अपराध और नशीले पदार्थों की रोकथाम में भारत-अमेरिका के मज़बूत सहयोग पर विचारों का सार्थक आदान-प्रदान हुआ। वहीं, केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की दोहा यात्रा ऊर्जा कूटनीति का सबसे व्यावहारिक पक्ष है। कतर में जारी संकट और एलएनजी उत्पादन में बाधा ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को प्रभावित किया है। भारत, जो कतर से बड़ी मात्रा में गैस आयात करता है, इस स्थिति को लेकर गंभीर है। इस यात्रा के दौरान ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर और सुरक्षित बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

अगर इन तीनों कूटनीतिक प्रयासों को देखा जाए, तब यह स्पष्ट होता है कि भारत बहुस्तरीय रणनीति पर काम कर रहा है। एक ओर वह हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, दूसरी ओर अमेरिका के साथ तकनीकी और रक्षा संबंधों को गहरा कर रहा है, और साथ ही खाड़ी देशों के साथ ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है। अंतत: भारत अब वैश्विक राजनीति में संतुलन बनाने वाला नहीं, बल्कि संतुलन तय करने वाला देश बनता जा रहा है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह नई कूटनीतिक रणनीति भारत को एक ऐसी शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है, जो न केवल अपने हितों की रक्षा करती है, बल्कि वैश्विक परिदृश्य को भी प्रभावित करने की क्षमता रखती है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एमएमआरडीए को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को 646 करोड़ रुपये लौटाने का निर्देश दिया

मुंबई। एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) को बड़ा झटका देते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) को 646 करोड़ रुपये लौटाने का निर्देश दिया है। दरअसल, एमएमआरडीए ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में कन्वेंशन और एग्जीबिशन सेंटर व कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण में सात साल की देरी को लेकर आरआईएल पर भारी जुर्माना लगाया था।

आरआईएल को 2017 में 646 करोड़ रुपये का डिमांड नोटिस भेजा गया था फिर 2019 में अतिरिक्त 1,116 करोड़ रुपये का नोटिस भेजा गया था। हालांकि 2019 वाले नोटिस पर कोर्ट ने 2020 में ही रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट ने कहा कि एमएमआरडीए ने फरवरी 2019 में 646 करोड़ रुपये 卐मनमाने, अनुचित और दबावपूर्ण तरीके卐 से वसूले। कोर्ट के अनुसार, प्राधिकरण ने लीज खत्म करने की धमकी देकर कंपनी पर अनावश्यक दबाव बनाया, जिससे उसके व्यापारिक हित खतरे में पड़ गए। बताया गया है कि 2005 में एमएमआरडीए ने 75,000 वर्गमीटर जमीन लीज पर देने के लिए बोली मंगाई और 2006 में आरआईएल सफल बोलीदाता बनी। 4 साल में निर्माण पूरा करने की शर्त के साथ 1,104 करोड़ रुपये प्रीमियम तय हुआ और बाद में 2007 में अतिरिक्त निर्माण की मंजूरी 696 करोड़ रुपये प्रीमियम पर दी गई। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की पीठ ने कहा-

आरआईएल पर कोई अतिरिक्त प्रीमियम या जुर्माना लागू नहीं होता और एमएमआरडीए को 90 दिनों के भीतर 646 करोड़ रुपये लौटाने होंगे। तय समय में भुगतान न करने पर ब्याज देना होगा। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि 2015 के बाद जिन प्रोजेक्ट्स को 6 साल की एक्सटेंशन पॉलिसी दी गई, उससे आरआईएल को बाहर रखना मनमाना और भेदभावपूर्ण卐 है। इसलिए कोर्ट ने निर्देश दिया कि यह लाभ आरआईएल सहित अन्य समान मामलों पर भी लागू होना चाहिए। बहरहाल यह फैसला न सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के लिए बड़ी राहत है, बल्कि एमएमआरडीए की नीतियों और कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करता है। इससे भविष्य में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में पारदर्शिता और समानता को लेकर नई बहस शुरू हो सकती है।

मलेरिया के खिलाफ जंग में जगी नई उम्मीद, मिरांडा हाउस लैब में तैयार हो रहे असरदार कंपाउंड

नई दिल्ली। एजेंसी। इतने सालों के बाद भी मलेरिया आज भी दुनिया की खतरनाक बीमारियों में शुमार है, और इसका पूरी तरह असरदार इलाज अभी तक नहीं मिला है। इसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस के कैमिस्ट्री विभाग की डॉ. प्रियंवदा सिंह और उनकी टीम बीते 10 साल से मलेरिया के लिए नई दवा बनाने में जुटी है। उनकी रिसर्च में कई इसतरह के नए कंपाउंड सामने आए हैं, जो मौजूदा दवाओं से बेहतर असर दिखा रहे हैं और भविष्य में मलेरिया के इलाज को पूरी तरह बदल सकते हैं।

मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है जो मादा एनोफेलेस मच्छर के काटने से होती है। इसके कई प्रकार होते हैं, जिसमें प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम सबसे खतरनाक होता है। डॉ. प्रियंवदा ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, हर साल 28 करोड़ों से ज्यादा लोग मलेरिया बीमारी की चपेट में आते हैं और 6 लाख से ज्यादा लोगों की मौत होती है। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट यह दिखाता है कि मलेरिया आज भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बना हुआ है।

डॉ. प्रियंवदा ने बताया कि आज के समय में मलेरिया के इलाज के लिए क्लोरोक्विन और आर्टेमिसिनिन आधारित दवाएं दी जाती हैं। उन्होंने बताया कि यह दवाएं हर मरीज पर पूरी तरह असरदार नहीं होतीं हैं। उन्होंने बताया कि सबसे बड़ी समस्या यह है कि मलेरिया के परजीवी धीरे-धीरे इन दवाओं के प्रति प्रतिरोधक होते जा रहे हैं। इसके बाद नई और ज्यादा प्रभावी दवाओं की जरूरत लगातार बढ़ रही है।

बात दें कि मिरांडा हाउस की कैमिस्ट्री लैब में डॉ. प्रियंवदा और उनकी टीम मेडिसिनल कैमिस्ट्री के जरिए मलेरिया की नई दवा पर काम कर रही है। उनका लक्ष्य इसतरह नोवेल हेटरोसाइक्लिक कंपाउंड तैयार करना है, जो मलेरिया के परजीवी को पूरी तरह खत्म कर सके। डॉ. प्रियंवदा ने बताया कि पिछले 10 साल में टीम ने 200 से ज्यादा नए कंपाउंड तैयार किए हैं। इन सभी को लैब में ही बनाया, शुद्ध किया और उनकी जांच की गई।

उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए कई साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय किया

नई दिल्ली। एजेंसी। गर्मियों की छुट्टियों और बढ़ती यात्रियों की भीड़ को देखकर उत्तर रेलवे ने दिल्ली से विभिन्न राज्यों के लिए कई साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इन ट्रेनों का उद्देश्य यात्रियों को सुगम, सीधी और अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना है, जिससे उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा और अन्य राज्यों की यात्रा आसान हो सके।

पुणे-हज़रत निज़ामुद्दीन समर स्पेशल (01491/01492) महाराष्ट्र और दिल्ली के बीच यात्रियों के लिए चलाई जा रही है। यह ट्रेन लोनावला, कल्याण, सूरत, वडोदरा, कोटा और मथुरा जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरती है। यह सप्ताह में निर्धारित दिनों पर अप्रैल से जुलाई तक संचालित होगी और दोनों राज्यों के बीच यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाएगी। इसके अलावा नई दिल्ली-गया समर स्पेशल (04064/04063) बिहार जाने वाले यात्रियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण ट्रेन है, जो टूंडला, कानपुर, प्रयागराज, डीडीयू जंक्शन और सासाराम जैसे प्रमुख मार्गों से होकर गुजरती है। यह

सबसे अधिक फेरे लगाने वाली स्पेशल ट्रेनों में शामिल है और उत्तर प्रदेश व बिहार के यात्रियों को बड़ी राहत देती है।

आनंद बिहार-शेखपुरा समर स्पेशल (04070/04069) उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच यात्रा करने वालों के लिए शुरू की गई है। यह ट्रेन गोविंदपुरी, प्रयागराज, पटना और बिहार शरीफ होते हुए शेखपुरा तक जाती है, जिससे मध्य बिहार के यात्रियों को सीधा लाभ मिलता है।

आनंद बिहार-खुर्दा रोड समर स्पेशल (04066/04065) ओडिशा और पूर्वी भारत की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण है। यह गया, कोडरमा, बोकारो, आद्रा, बालासोर और भुवनेश्वर जैसे शहरों से होकर गुजरती है।

ओखा-शकुरबस्ती समर स्पेशल (09523/09524) गुजरात, राजस्थान और दिल्ली के बीच यात्रियों के लिए चलाई गई है। यह द्वारका, राजकोट, अहमदाबाद, अजमेर और जयपुर जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ती है। कुल मिलाकर ये सभी स्पेशल ट्रेनें गर्मी के मौसम में यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए यात्रा को अधिक सुगम, तेज और आरामदायक बनाएंगी।

अयोध्या के 14 उपमंदिरों में जल्द शुरू होंगे दर्शन, 300 मीटर लंबी बाउंड्रीवाल का निर्माण पूरा

अयोध्या। एजेंसी। श्रीराम जन्मभूमि परिसर में बने संपूर्ण उप मंदिरों को दर्शनार्थियों के लिए खोले जाने का समय नजदीक आ गया है। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक इसी माह से दर्शन की नई प्रणाली लागू होगी। शुक्रवार से शुरू हो रही मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक में मार्ग को खोले जाने और दर्शन व्यवस्था की नई प्रणाली लागू किए जाने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। हालांकि इसके पहले राम नवमी से दर्शन प्रारंभ होने थे, लेकिन सुरक्षा एजेंसी के द्वारा एनओसी नहीं दी गई थी।

श्रीराम मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को भूतल में विराजमान रामलला, प्रथम तल पर राम दरबार में दर्शन होने के बाद परकोटा कॉरिडोर और उसमें स्थापित भगवान गणेश, हनुमानजी, भगवान सूर्य, माता भगवती, मां अन्नपूर्णा देवी, भगवान शिव के दर्शन प्राप्त के बाद परकोटा के बाहर शेषावतार मंदिर, महर्षि अगस्त्य, महर्षि बाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि वशिष्ठ, शबरी, निषादराज व अहिल्या देवी के बाद अंत में कुबेर टीला पर कुबेश्वर महादेव, जटायु और अंगद टीला पर गिलहरी की प्रतिमा को देखने का अवसर प्राप्त होगा। इसके लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट विशेष सॉफ्टवेयर को तैयार किया है। जिसके तहत भक्तों सुरक्षा कोड युक्त पास जारी किया जाएगा। प्रारंभ में यह संख्या सीमित रखी जाएगी।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय के मुताबिक इसके लिए सिर्फ ट्रस्ट ही नहीं बल्कि सीआरपीएफ, एसपी सुरक्षा और मजिस्ट्रेट की भी सहमति चाहिए। राम मंदिर ट्रस्ट के विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल जी राव ने बताया कि इसी महीने में ही दर्शन व्यवस्था लागू किए जाने पर विचार किया जा रहा है। जिसके लिए जल्द ही ऑनलाइन पास बनाने की बुकिंग भी प्रारंभ हो जाएगी। राम मंदिर परिसर के 3.5 किलोमीटर लंबी बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जा रहा है। जिसके पहले चरण में मंदिर के उत्तरी दिशा में लगभग 300 मीटर लंबी दीवार का कार्य पूर्ण कर लिया गया हैं। जहां एक वाच टॉवर भी तैयार कर लिया गया हैं राम मंदिर परिसर के 70 एक? के बाउंड्री वॉल को सुरक्षा के लिए 14 फिट ऊंची और लगभग 3.5 किलोमीटर लंबी बाउंड्रीवाल का निर्माण किया जा रहा है। जो हाईटेक सुरक्षा से लैस होगी। जिसमे बुलेट प्रूफ मोर्चा और गश्त करते हुए सुरक्षाकर्मी भी दिखाई देंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस दीवार निर्माण की जिम्मेदारी भारत सरकार की रक्षा मंत्रालय के उपक्रम इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड को सौंपी है।

निर्माण परियोजना प्रबंधक दुर्गेश वर्मा के मुताबिक सेंसर युक्त आधुनिक सुरक्षा प्रणाली से लैस करीब 3.5 किलोमीटर दीवार का निर्माण प्रस्तावित है। जिसमें करीब 300 मीटर दीवार का निर्माण पूरा हो गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि राम जन्मभूमि के पूरे परिसर में अभी तक लोहे की फेंसिंग की बाउंड्री लगी है। भव्य मंदिर बनकर तैयार हो रहा है तो उसके बाउंड्री वॉल का भी निर्माण आवश्यक है, पूरे मंदिर परिसर की साढे तीन किलोमीटर लंबी बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जा रहा है।

मोबाइल फटने से छूट गया था यूपीएससी एग्जाम, 3 साल बाद छात्र को मिला न्याय

नई दिल्ली। एजेंसी। राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में एक दर्दनाक घटना में मोबाइल फोन फटने के कारण एक यूपीएससी अभ्यर्थी अपनी परीक्षा नहीं दे सका। करीब साढ़े तीन साल बाद इस मामले में उपभोक्ता आयोग ने बड़ा फैसला सुनाते हुए मोबाइल कंपनी रियलमी को सेवा में कमी और लापरवाही का दोषी ठहराया और जुर्माना लगाया है। मामला वर्ष 2022 का है, जब यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा से ठीक एक दिन पहले अभ्यर्थी कोटी साईं पवन का मोबाइल फोन अचानक फट गया। यह फोन रियलमी 10टी मॉडल का था, जिसे उसने 2019 में करीब 18 हजार रुपये में खरीदा था। घटना तड़के करीब 3 बजे हुई, जब फोन उसके सिरहाने रखा था। धमाके के बाद फोन में आग लग गई, जिससे पवन के हाथ, उंगलियां और माथा झुलस गए।

घटना के बाद उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जिसके चलते वह अगले दिन होने वाली यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में शामिल नहीं हो सका। इस हादसे ने न सिर्फ उसकी एक साल की मेहनत पर पानी फेर दिया, बल्कि उसके करियर को भी पीछे धकेल दिया। पवन ने आयोग को बताया कि उसके पिता की जीवन भर की जमा-पूंजी से भरी गई कोचिंग फीस भी इस घटना के कारण बेकार हो गई। न्याय के लिए पवन ने उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। मामले की सुनवाई करते हुए मध्य जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग की पीठ, जिसमें अध्यक्ष दिव्य ज्योति जयपुरियार और सदस्य डॉ. रश्मि बंसल शामिल थीं, ने कंपनी के रवैये पर कड़ा रुख अपनाया। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि मोबाइल की बैटरी में विस्फोट होना बेहद गंभीर सुरक्षा चूक है, जिससे किसी की जान भी जा सकती थी। साथ ही आयोग ने यह भी पाया कि जब पीड़ित कंपनी के सर्विस सेंटर पहुंचा, तो उससे एक ऐसे दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव डाला गया, जिसमें दुर्घटना की जिम्मेदारी उसी पर डाली जा रही थी। इनकार करने पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया और फोन लौटाने से भी मना कर दिया गया। आयोग ने इसे कंपनी का गैर-जिम्मेदाराना रवैया बताते हुए पवन को कुल 1.50 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। इसमें एक लाख रुपये शारीरिक और मानसिक पीड़ा के लिए, 25 हजार रुपये हर्जाने के रूप में और 25 हजार रुपये कानूनी खर्च के लिए शामिल हैं। इसके साथ ही आयोग ने निर्देश दिया कि यह राशि 1 अक्टूबर 2022 से 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ अदा की जाए। यदि 30 दिनों के भीतर भुगतान नहीं किया गया, तो ब्याज दर बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दी जाएगी।

गुजरात पुलिस का बड़ा कदम-ड्रग्स मामलों की जांच में एआई की एंट्री, लॉन्च हुआ 'नारिट एआई' टूल

गांधीनगर। एजेंसी। गुजरात में नार्कोटिक्स से जुड़े अपराधों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को और मजबूत करते हुए गुजरात पुलिस ने ÒNARIT AI-नारिट एआई' (नशीली दवाओं के विश्लेषण और आरएजी-आधारित जांच उपकरण) नामक एक अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य ड्रग्स से जुड़े मामलों की जांच को अधिक प्रभावी बनाना और अदालत में मामलों को मजबूत बनाकर दोषियों को सजा दिलाना है।

यह टूल पुनर्प्राप्ति संवर्धित पीढ़ी (आरएजी) तकनीक पर आधारित है, जो एनडीपीएस कानून के तहत आने वाले जटिल मामलों में जांच अधिकारियों को सटीक मार्गदर्शन प्रदान करता है। खास बात यह है कि यह सिस्टम कानूनी प्रावधानों, नियमों और जांच प्रक्रियाओं को एकत्रित कर रियल-टाइम विश्लेषण और कानूनी सलाह देता है। भारत में किसी भी राज्य पुलिस द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला यह अपनी तरह का पहला एआई टूल है।

इस एप्लिकेशन को पश्चिम रेलवे पुलिस, वडोदरा डिवीजन ने मुंबई स्थित एक एआई स्टार्टअप के सहयोग से विकसित किया है। इसे गुजरात के डीजीपी के.एल.एन. राव और सूरत पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत के मार्गदर्शन में तैयार किया गया है, जबकि इसकी पहल पश्चिम रेलवे, वडोदरा के एसपी अभय सोनी द्वारा की गई है।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के नेतृत्व में राज्य सरकार ड्रग्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। हर्ष संघवी ने कहा कि ड्रग नेटवर्क को खत्म करने के लिए सरकार हर संभव कदम उठाने को तैयार है और तकनीक के जरिए इस अभियान को और मजबूत बनाया जाएगा।

जांच अधिकारियों को कैसे मदद करेगा?

इस टूल का उपयोग करने के लिए सबसे पहले पुलिस अधिकारी को एफआईआर अपलोड करनी होगी। इसके बाद सिस्टम स्वत: केस का विश्लेषण कर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा। इस रिपोर्ट में केस की ताकत और कमजोरियों का मूल्यांकन, कानूनी सुझाव, जरूरी प्रक्रिया और साक्ष्यों की चेकलिस्ट शामिल होगी। यह टूल हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण फैसलों के आधार पर जांच अधिकारियों को यह भी बताएगा कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं। इससे जांच में होने वाली प्रक्रियात्मक गलतियों को रोका जा सकेगा।

एआई सिस्टम की खासियत क्या है?

यह एआई सिस्टम एफआईआर को इनपुट के रूप में लेकर उसका गहन विश्लेषण करता है और रिपोर्ट तैयार करता है। यह एनडीपीएस एक्ट 1985, बीएनएस, बीएनएसएस, बीएसए जैसे कानूनों, सरकारी गाइडलाइंस और कोर्ट के ऐतिहासिक फैसलों पर आधारित है। आरएजी तकनीक के कारण यह सिस्टम केवल अपने डेटाबेस पर निर्भर करता है और इंटरनेट सर्च का उपयोग नहीं करता, जिससे गलत जानकारी (हेल्यूसिनेशन) की संभावना बेहद कम हो जाती है। यह एप्लिकेशन गुजरात हाई कोर्ट की एआई गाइडलाइंस का पालन करता है और एक निजी एआई सिस्टम के रूप में केवल गुजरात पुलिस के लिए उपलब्ध है।

कोर्ट ट्रायल में भी देगा समर्थन

यह टूल सिर्फ जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि अदालत में संभावित बचाव पक्ष की दलीलों का पूर्वानुमान लगाकर उनके जवाब भी सुझाता है। इससे अभियोजन पक्ष को केस मजबूत बनाने में मदद मिलेगी और एनडीपीएस मामलों में दोष सिद्ध होने की दर बढ़ने की उम्मीद है। यह पहल न केवल तकनीक और कानून के संगम का उदाहरण है, बल्कि भविष्य में पुलिस जांच के तरीके को पूरी तरह बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम भी मानी जा रही है।

न्यूज गैलरी

लामता रोड पर मोगली ढाबा के पास पलटा ट्रक, चालक-परिचालक सुरक्षित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-लामता मार्ग पर नहरा नदी और मोगली ढाबा के बीच शुक्रवार शाम एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के समय ट्रक में भुट्टे के दाने

लोड थे और वह बालाघाट की ओर आ रहा था। घटना शाम करीब 5 बजे की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक एमपी-50 जेई 4603 में चालक और परिचालक सवार थे। हादसे में दोनों को हल्की चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस चौकी चरेंगाव को अवगत कराया गया, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि ट्रक सड़क से नीचे पलटा, जिससे मुख्य मार्ग पर यातायात बाधित नहीं हुआ। हालांकि घटना स्थल पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई और कई लोग मोबाइल से वीडियो बनाते नजर आए। ट्रक पलटने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है। कुछ लोगों द्वारा ट्रक के ओवरलोड होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। चालक और परिचालक को गंभीर चोटें नहीं आईं, जिससे बड़ा हादसा टल गया। गौरतलब है कि बीते कुछ समय से क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने यातायात सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

प्रमुख अभियंता ने नपा के कार्यों का किया निरीक्षण, स्वच्छता व्यवस्था पर जताई नाराजगी

आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर दिए दिशा-निर्देश, जिम्मेदारों को लगाई फटकार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शुक्रवार को मध्य प्रदेश नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख अभियंता इंजीनियर प्रदीप मिश्रा बालाघाट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नगर पालिका में संचालित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया और जिले में स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता को लेकर व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की। सूत्रों के अनुसार, प्रमुख अभियंता ने नगर पालिका के स्वच्छता प्रभारी को फटकार लगाते हुए कार्यों में सुधार लाने के निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि आगामी कुछ महीनों में स्वच्छता सर्वेक्षण प्रस्तावित है, जिसके मद्देनजर उन्होंने निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, भोपाल के प्रमुख अभियंता प्रदीप मिश्रा ने 10 अप्रैल को नगर पालिका बालाघाट क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। यह दौरा आगामी स्वच्छ भारत सर्वेक्षण की तैयारियों के मद्देनजर किया गया, जिसमें शहर की स्वच्छता व्यवस्था, बुनियादी सुविधाओं और विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत को परखा गया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख अभियंता ने सबसे पहले नगर के बस स्टैंड सहित प्रमुख सार्वजनिक स्थलों और विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर साफ-सफाई की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कचरा प्रबंधन, नालियों की सफाई, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति तथा वार्ड स्तर पर हो रही सफाई व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और स्वच्छता कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इसके पश्चात उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासीय परियोजनाओं का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गति, गुणवत्ता और लाभार्थियों को समय पर आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जानकारी ली तथा संबंधित

अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि हितग्राहियों को शीघ्र लाभ मिल सके। अमृत 2.0 योजना के तहत शहर में संचालित जल प्रदाय कार्यों का भी उन्होंने स्थल पर जाकर निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए सीमेंट, ईंट और स्टील का परीक्षण कराया गया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता के मानकों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान प्रमुख अभियंता ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की, जिसमें स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत सर्वेक्षण केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि शहर की वास्तविक स्वच्छता स्थिति का मूल्यांकन है, इसलिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ कार्य करें। उन्होंने यह भी कहा कि नगर पालिका को स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था और आवास योजनाओं के क्रियान्वयन में बेहतर प्रदर्शन करना होगा, जिससे शहर की रैंकिंग में सुधार हो सके। इसके लिए उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग, फील्ड विजिट और जनसहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। अंत में प्रमुख अभियंता ने स्पष्ट किया कि सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए और स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए नगर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और नागरिकों के लिए बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाएं।

स्वच्छता व्यवस्था से असंतोष, प्रभारी को लगाई फटकार

सूत्रों के अनुसार, प्रमुख अभियंता मुख्य रूप से शहर की स्वच्छता व्यवस्था का आकलन करने पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान उन्हें शहर में अपेक्षित स्तर की साफ-सफाई नजर नहीं आई, जिस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की। बताया जा रहा है कि उन्होंने स्वच्छता प्रभारी अजय पटले को फटकार लगाते हुए व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिए। जानकारी के मुताबिक, प्रमुख अभियंता बालाघाट की स्वच्छता व्यवस्था से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखे और आने वाले समय में स्वच्छता को लेकर सख्त कदम उठाने के संकेत भी दिए। जिसमे जल्द ही कुछ कर्मियों पर कार्यवाहीं होने की भी बात कही जा रही हैं ।

निरीक्षण की सूचना मिलते ही सक्रिय हुआ अमला

जैसे ही निरीक्षण की सूचना नगर पालिका को मिली, पूरे दिन शहर में सफाई कार्यों में तेजी देखी गई। नगर पालिका के कर्मचारी विभिन्न वार्डों, तालाबों, सार्वजनिक शौचालयों और उद्यानों में साफ-सफाई करते और पाउडर का छिड़काव करते नजर आए। प्रमुख अभियंता ने शहर के कचर घर सहित अन्य स्थलों का भी निरीक्षण किया और वहां की स्थिति का जायजा लिया। हालांकि उनका दौरा अपेक्षाकृत कम समय का रहा और निरीक्षण के बाद वे अन्य नगर परिषदों के निरीक्षण के लिए रवाना हो गए। बताया जा रहा है कि वे जिले की अन्य नगर परिषदों का भी दौरा कर स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे और जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर बढ़ी हलचल

आगामी स्वच्छ भारत सर्वेक्षण को देखते हुए नगर पालिका में हलचल तेज हो गई है। निरीक्षण के बाद अब यह उम्मीद की जा रही है कि स्वच्छता व्यवस्था में सुधार के लिए प्रशासन द्वारा और अधिक सक्रियता दिखाई जाएगी। फिलहाल प्रमुख अभियंता के निरीक्षण और नाराजगी के बाद नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं, वहीं आने वाले दिनों में व्यवस्थाओं में सुधार कितना होता है, यह देखने वाली बात होगी।

पूजा के दौरान कपड़ों में लगी आग 7 वर्षीय बालिका गंभीर रूप से झुलसी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के तिरोड़ी थाना क्षेत्र से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। जहां मंदिर में पूजा करते समय एक मासूम बालिका आग की चपेट में आ गई। आग से झुलसी बालिका ज्योति पिता अमर चौरे 7 वर्ष वार्ड नम्बर 1 पुरानी तिरोड़ी निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 अप्रैल को सुबह करीब 10 बजे ज्योति घर से खेलते-खेलते पास स्थित शिव मंदिर पहुंच गई। मंदिर में जल रहे दीपक के पास पूजा करते समय अचानक उसके कपड़ों में आग लग गई। मासूम घबराकर घर की ओर दौड़ी।जहां उसकी बड़ी मम्मी ने आग बुझाई।लेकिन तब तक आग ने उसके सीने से लेकर पेट तक बुरी तरह झुलसा दिया था।घटना के बाद परिजनों ने बिना देर किए बालिका ज्योति को तिरोड़ी अस्पताल लाकर भर्ती किये। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। फिलहाल 10 अप्रैल की सुबह 11 बजे तक बालिका का उपचार जारी है और उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर कितनी सतर्कता बरती जा रही है। मंदिर जैसे स्थानों पर जलते दीपक और आग के प्रति सावधानी न बरतने से इस तरह की घटनाएं कभी भी बड़ा हादसा बन सकती हैं।

कीटनाशक दवाई अचानक मुंह में जाने से एक व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक दवाई सेवन में आने से बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती इस व्यक्ति की इस अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक मोहन सिंह पिता संभलसिह मरकाम 55 वर्ष ग्राम मोहगांव चौकी डोरा थाना रूपझर निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहन सिंह खेती किसानी करता था जिसके परिवार में पत्नी और दो लड़की और दोनों लड़की की शादी हो चुकी है। दोनों लड़की अपने ससुराल में रहती है मोहन सिंह अपनी पत्नी के साथ मोहगांव में रहता था। मोहन सिंह ने बाड़ी में लगी साग सब्जी में कीटनाशक दवाई छिड़काव करने के लिए लाया था। 10 अप्रैल को सुबह मोहन सिंह कीटनाशक दवाई की बोतल का ढक्कन मुंह से खोल रहा था तभी अचानक उसके मुंह में कीटनाशक दवाई चली गई। कीटनाशक दवाई मुंह में जाने के बाद मोहन सिंह की तबीयत खराब हो गई थी ।जिसे परिजनों ने परसवाड़ा के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था किंतु परिजनों ने मोहन सिंह को बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किए थे जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई जिसका शव जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी शिवदयाल पटले ने प्रारंभिक कार्रवाई करने के बाद मोहन सिंह का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दी है जिसका पोस्टमार्टम 11 अप्रैल को किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट